हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-240, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, गुरुवार 13 फरवरी 2025

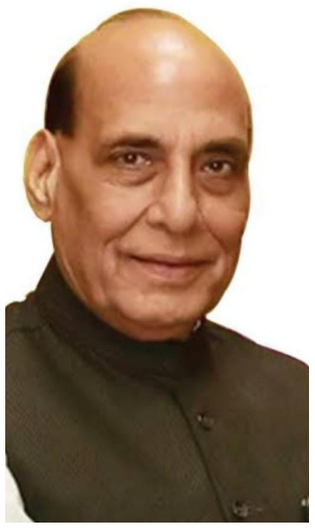

आईआईटी आईएसएम में नारीवाद, अनुवाद संबंधी विचार...02

अंजुमन ने किया पिकनिक सह काव्य पाठ का आयोजन...06

आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक पर लगी रोक हटाई

दिन के निचले स्तर से 783 अंक संभला बाजार

जनवरी में इक्विटी म्यूचुअल फंड में 39,687 करोड़ का निवेश

संक्षिप्त समाचार

केरल में रैगिंग, जूनियर्स के कपड़े उतारे, प्राइवेट पार्ट पर चोट पहुंचाई

कोट्टायम, एजेंसी। केरल के एक सरकारी नर्सिंग कॉलेज में जूनियर्स के साथ रैगिंग का मामला सामने आया है। पांच सीनियर छात्रों ने 3 स्टूडेंट के पहले कपड़े उतारे। फिर उनके प्राइवेट पार्ट पर डंबल (भारी वजन) लटका दिया। सीनियर्स ने बाद में कंपास और नुकीली वस्तुओं से भी छात्रों को घायल किया। इसके बाद जख्म पर लोशन लगाया। ताकि दर्द और बढ़े। जब पीड़ित दर्द से चिल्लाने लगे, तो उनके मुंह में भी लोशन डाल दिया। यह घटना कोट्टायम के सरकारी नर्सिंग कॉलेज में हुई। तीनों पीड़ित फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट हैं और तिरुवनंतपुरम के रहने वाले हैं। सीनियर्स ने पीड़ितों को नग्न करके उनकी रैगिंग का वीडियो भी बनाया। इसके साथ ही धमकी दी कि अगर उन्होंने इसकी रिपोर्ट करने की हिम्मत की तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

शरद पवार ने शिंदे का सम्मान किया, उद्धव गुट नाराज

मुंबई, एजेंसी। एनसीपी (शरद गुट) के अध्यक्ष शरद पवार ने दिल्ली में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को सम्मानित किया। इस पर महाराष्ट्र की राजनीति में हंगामा हो गया है। महाविकास अघाड़ी में सहयोगी पार्टी शिवसेना (यूबीटी) ने नाराजगी जताई है। राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि शिंदे ने ही अमित शाह की मदद से शिवसेना को तोड़ा था। उनका सम्मान करना भाजपा नेता का सम्मान करने के जैसा है। जिसे हम महाराष्ट्र का दुश्मन समझते हैं उसे ऐसा सम्मान देना, महाराष्ट्र के गौरव पर आघात है। राउत ने कहा कि शरद पवार को इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होना चाहिए क्योंकि शिंदे ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए की सरकार गिरा दी थी। उन्होंने सवाल किया- क्या आप जानते हैं कि यह अवार्ड किसने दिया? राजनीतिक नेताओं को दिए जाने वाले ऐसे अवार्ड या तो खरीदे या बेचे जाते हैं।

जो लोग कुंभ की व्यवस्थाओं पर उठा रहे थे सवाल अब खुद ही चुपचाप डुबकी लगाकर आ रहे: योगी

बागपत, संवाददाता। छपरौली के श्री विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में रालोद के संस्थापक व पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. चौधरी अजित सिंह की प्रतिमा का बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने अनावरण किया। इसके साथ ही सीएम ने 351 करोड़ की 281 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। केंद्रीय राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह उनके साथ रहे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वेस्ट यूपी के किसानों ने खेती की उन्नत तकनीक अपनाकर अपना विकास किया है। चौधरी अजित सिंह भी कहते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत और किसान से होकर गुजरता है। उसी से प्रेरणा लेकर हम किसानों के हित की दिशा में काम कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि जो लोग कुंभ की व्यवस्थाओं पर अंगुली उठा रहे थे, वे अब चुपचाप डुबकी लगाकर आ रहे हैं। 26 फरवरी तक कुंभ भव्यता से चलता रहेगा और श्रद्धालु लाभ उठाते रहेंगे। महाकुंभ में कल तक 5० करोड़ लोग डुबकी लगा लगेंगे। सीएम ने कहा कि पहले पुलिस की भर्ती निकलती थी, लेकिन नौजवान को नौकरी नहीं मिलती थी। हमारी सरकार में अब पुलिस भर्ती चल रही है और बिना भेदभाव के सभी जिलों के युवाओं को उनकी प्रतिभा के आधार पर चयनित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश का नौजवान तो अपनी ताकत दिखाएगा ही, हमने इसमें 2० फीसदी नौकरी बेटियों के लिए आरक्षित कर दी हैं। अगले दो महीने में इनकी ट्रेनिंग शुरू हो जाएगी। इसी साल में यूपी पुलिस को 6० हजार नए पुलिसकर्मी मिलेंगे।

सीएम योगी ने संत रविदास जी की स्मृतियों को किया नमन

संत रविदास जी महाराज ने सदैव कर्म को दिया महत्व: सीएम योगी

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को संत शिरोमणि सद्गुरु रविदास जी की जयंती के अवसर पर लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सहभाग कर उनकी पावन स्मृतियों को नमन किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि संत शिरोमणि सद्गुरु रविदास जी महाराज ने सदैव कर्म को महत्व दिया। उनका मानना था कि, मन की शुद्धि आत्मिक शुद्धि का आधार है और आत्मा शुद्ध है तो दुनिया की सभी सिद्धियां आपके पास होंगी।

सिख विरोधी दंगा: एक और केस में सज्जन कुमार दोषी, 18 फरवरी को सजा

41 साल पहले दिल्ली में सिख बाप-बेटे की हत्या हुई थी

नई दिल्ली, एजेंसी। सिख विरोधी दंगा के एक और केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को दोषी करार दिया। कोर्ट 18 फरवरी को सजा सुनाएगी। इस मामले में 41 साल बाद फैसला आया है। यह केस 1984 सिख विरोधी दंगों के दौरान सरस्वती विहार में 2 सिखों की हत्या से जुड़ा है। दिल्ली दंगों में सज्जन के खिलाफ 3 से ज्यादा केस चल रहे हैं। एक में वे बरी हो चुके हैं। इससे पहले दिसंबर 2018 में दिल्ली हाईकोर्ट की डबल बेंच ने उन्हें हिंसा कराने और दंगा भड़काने का दोषी पाया था और उम्रकैद की सजा सुनाई थी। फिलहाल सज्जन तिहाड़ जेल में सजा काट रहे हैं। सज्जन कुमार के खिलाफ दंगा, हत्या और डकैती के आरोप में आईपीसी की धारा 147, 149, 148, 3०2, 3०8, 323, 395, 397, 427, 436, 44० के तहत केस दर्ज किया गया था। 31 जनवरी 2025 को हुई सुनवाई में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार पर फैसला टाल दिया था। इससे पहले 8 जनवरी और 16 दिसंबर 2०24 को भी फैसला टाला गया था। दोनों बार विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की कोर्ट में तिहाड़ में बंद सज्जन कुमार वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए पेश हुआ था। दिसंबर 2०21 को सज्जन कुमार ने इस मामले में खुद को निर्दोष बताते हुए ट्रायल का सामना करने की बात कही थी। ट्रायल में सज्जन कुमार को दोषी माना गया था। इसके बाद उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था। 1984 के सिख विरोधी दंगों के बाद दिल्ली में पांच सिखों की हत्या और गुरुद्वारा जला दिया गया था। इसी केस में सज्जन कुमार को दोषी पाया गया। उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट ने 17 दिसंबर 2018 को सज्जन को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। सितंबर 2०23 को राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सुल्तानपुरी में 3 लोगों की हत्या मामले में सज्जन कुमार को बरी कर दिया था।

दिल्ली कोर्ट फैसला, छोटे कपड़े पहनना और डांस करना कोई अपराध नहीं

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर छोटे कपड़े पहनना और डांस करना कोई अपराध नहीं है। दरअसल, पुलिस अधिकारी ने 7 महिलाओं पर आरोप लगाया था कि वे छोटे कपड़े पहन कर अश्लील गानों पर डांस कर रही थीं। वहीं, कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई करते हुए इन आरोपों को खारिज कर दिया और सातों महिलाओं को बरी कर दिया। साथ ही कोर्ट ने कहा कि छोटे कपड़े पहनना और डांस करना कोई अपराध नहीं है। बता दें कि यह मामला पिछले साल का है, जब पहाड़गंज पुलिस ने इन महिलाओं पर ष्अश्लीलष् डांस करने का आरोप लगाया था। शिकायत में कहा गया था कि पुलिस अधिकारी गश्त के दौरान बार में पहुंचे और उन्होंने देखा कि महिलाएं छोटे कपड़े पहनकर अश्लील गानों पर डांस कर रही थीं।

मोदी ने फ्रांसीसी कंपनियों को भारत में निवेश के बढ़ते अवसर दिखाए, कारोबार के लिए आमंत्रित किया

नयी दिल्ली/पेरिस (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फांसीसी कंपनियों को भारत में निवेश और कारोबार के वातावरण में सुधार के लिए उठाए गए ठोस कदमों की जानकारी देते हुए रक्षा, ऊर्जा, राजमार्ग, नागर विमानन, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य सेवा, फिनटेक और सतत विकास के क्षेत्रों में निवेश के लिए आमंत्रित किया है।

फ्रांस की यात्रा पर गए श्री मोदी ने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ पेरिस में 14वें भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को संबोधित किया। इस फोरम ने रक्षा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी , महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों, बुनियादी ढांचे, उन्नत प्रौद्योगिकी पर आधारित विनिर्माण, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस (एआई), लाइफ साइंसेज, कल्याण एवं जीवन शैली और भोजन एवं आतिथ्य जैसे क्षेत्रों में परस्पर सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों पक्षों की कंपनियों के विविध समूहों के मुख्य अधिशासी अधिकारियों (सीईओ) को जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय की बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोदी ने अपने संबोधन में भारत में स्थिर राजनीतिक व्यवस्था और भरोसेमंद नितिगत वातावरण आधारित निवेश की एक आकर्षण जगह के रूप में भारत के आकर्षण पर प्रकाश डाला। श्री मोदी ने इसी माह प्रस्तुत बजट 2०25-26 में घोषित सुधारों का भी उल्लेख किया जिसमें बीमा क्षेत्र में शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) , लघु एवं सूक्ष्म परमाणु भट्ठी प्रौद्योगिकियों पर आधारित परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के क्षेत्र में निजी भागीदारी को छूट , सीमा शुल्क दर संरचना को तर्कसंगत बनाने तथा नयी आयकर संहिता लागू करने जैसे फैसलों का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने भारत और फ्रांस के बीच व्यापार एवं आर्थिक सहयोग के विस्तार और इससे दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मिले प्रोत्साहन का उल्लेख किया। उन्होंने आर्थिक सुधारों को जारी रखने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वास आधारित आर्थिक शासन स्थापित करने के उद्देश्य से नियामक सुधारों के लिए एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है।

पैक्स भी जल्द ही कर सकेंगी एयरलाइंस टिकटों की बिक्री

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि देश में रेलवे टिकटों की बुकिंग का काम कर रही प्राथमिक कृषि रिण समिति अब जल्द ही एयरलाइंस टिकटों की बिक्री भी करेंगी। श्री शाह ने आज यहां 'सहकारी समितियों को सशक्त करने के लिए की गई और वर्तमान में की जा रही पहलें' विषय पर सहकारिता मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की पहली बैठक की अध्यक्षता के दौरान यह बात कही। समिति ने बैठक में सहकारिता मंत्रालय द्वारा स्थापना के बाद से सहकारी समितियों को सशक्त करने के लिए पहले की गई और मौजूदा पहलों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। श्री शाह ने कहा कि सरकार ने देश भर के किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के हित में सहकारिता मंत्रालय का गठन करके 'सहकार से समृद्धि' का मंत्र दिया।

बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद मणिपुर में नया मुख्यमंत्री चुनने में रस्साकसी

इंफाल, एजेंसी। बीरेन सिंह के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिये जाने के बाद मणिपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में नये मुख्यमंत्री के चयन को लेकर रस्साकसी का दौर जारी है। गत रविवार को यहां पहुंचे भाजपा नेता संबित पात्रा ने पार्टी विधायकों में से नया नेता चुनने के लिए विभिन्न नेताओं से कई दौर की बातचीत की। वह बुधवार को राजभवन गए और राज्यपाल एबी भल्ला से बातचीत की। इस बीच भाजपा के विधायक के श्याम ने कहा कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह भाजपा नेताओं को तय करना है। सूत्रों के मुताबिक भाजपा विधायक दो गुटों में बंटे हुए हैं और इसलिए मामले को सुलझाने में समय लग रहा है। अगले मुख्यमंत्री के लिए कई नाम सामने आये हैं।

रक्षा नवाचार तथा एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी में विश्व का नेतृत्व करने की ओर बढ़ रहा है भारत: राजनाथ

बेंगलुरू, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत बदलाव के क्रांतिकारी दौर से गुजर रहा है और रक्षा नवाचार तथा एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी में विश्व का नेतृत्व करने की ओर बढ रहा है। श्री सिंह ने बुधवार को यहां 15वें एयरो इंडिया शो और प्रदर्शनी के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, भारत परिवर्तन के एक क्रांतिकारी दौर से गुजर रहा है और रक्षा नवाचार तथा एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता बनने की ओर अग्रसर है। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्र की मजबूती के लिए आत्मनिर्भरता का मंत्र दिया जिसने देश में एक क्रांति का सूत्रपात किया। उन्होंने कहा, यह दर्शन धीरे-धीरे हमारी राष्ट्रीय भावना में बदल गया और अब यह तेजी से राष्ट्रीय संकल्प और राष्ट्रीय क्रांति बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि एयरो इंडिया में घरेलू तथा वैश्विक कंपनियों की बढ़ती भागीदारी और वायु सेना के रोमांचिक एयरोबैटिक प्रदर्शनों ने एशिया की सबसे बड़ी एयरोस्पेस और रक्षा प्रदर्शनी के 15वें संस्करण को एक अद्वितीय और ऐतिहासिक आयोजन बना दिया है। देश में रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में हो रहे व्यापक बदलाव के बारे में उन्होंने कहा कि एक दशक पहले जहां 65-7० प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे, वहीं आज लगभग उतने ही हथियार और प्लेटफॉर्म भारत में बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, आज हम ऐसे मोड़ पर हैं, जहां लड़ाकू विमान, मिसाइल सिस्टम और नौसैनिक पोत समेत कई रक्षा उत्पाद न केवल हमारी सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं, बल्कि दुनिया का ध्यान भी खींच रहे हैं। छोटे तोपखाने से लेकर ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल सिस्टम जैसे बड़े प्लेटफॉर्म तक, हम कई देशों को कई तरह के उत्पाद निर्यात कर रहे हैं। हमने वैश्विक स्तर पर नई साझेदारियां की हैं, जिसके परिणामस्वरूप रक्षा निर्यात में वृद्धि हुई है।

आचार्य सत्येन्द्र दास के साकेतवास से संत समाज में छायी शोक की लहर

अयोध्या, एजेंसी। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास का साकेतवास होने से अयोध्या में शोक की लहर छा गयी। श्रीरामजन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास महाराज का साकेतवास आज माघ पूर्णिमा के पवित्र दिन बुधवार प्रातः सात बजे के लगभग उन्होंने पीजीआई लखनऊ में अंतिम सांस ली। वे 1992 से रामलला की पूजा कर रहे थे। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट सहित अयोध्या धाम के संत धर्माचार्यों ने उनके निधन को अपूर्णनीय क्षति बताया और कहा कि पुजारी जी ने लगभग बत्तीस वर्ष सेवाकाल में अनेक उतार-चढ़ाव देखे। प्रशासनिक व्यवस्था में मंदिर के अर्चक होने के कारण भी सहयोगी बने रहे। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं मणिरामदास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास महाराज ने सत्येन्द्र दास के निधन पर कहा कि यह नश्वर संसार है।

जनवरी में रिटेल महंगाई घटकर 4.31 प्रतिशत पर आई

नई दिल्ली, एजेंसी। खाने-पीने की चीजें सस्ती होने से जनवरी में रिटेल महंगाई 5 महीने के निचले स्तर 4.31 प्रतिशत पर आ गई है। अगस्त में महंगाई 3.65 प्रतिशत पर थी। इससे पहले दिसंबर में महंगाई 5.22 प्रतिशत रही थी। आज यानी 12 फरवरी को सरकार ने रिटेल महंगाई के आंकड़े जारी किए। महंगाई के बास्केट में लगभग 5० प्रतिशत योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महंगाई महीने-दर-महीने आधार पर 8.39 प्रतिशत से घटकर 6.०2 प्रतिशत हो गई है। वहीं ग्रामीण महंगाई 5.76 प्रतिशत से घटकर 4.64 प्रतिशत और शहरी महंगाई 4.58 प्रतिशत से घटकर 3.87 प्रतिशत हो गई है। महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6 प्रतिशत है, तो अर्जित किए गए 1०० रुपए का मूल्य सिर्फ 94 रुपए होगा। इसलिए महंगाई को देखते हुए ही निवेश करना चाहिए।

नहीं तो आपके पैसे की वैल्यू कम हो जाएगी। महंगाई का बढ़ना और घटना प्रोडक्ट की डिमांड और सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। ज्यादा चीजें खरीदने से चीजों की डिमांड बढ़ेगी और डिमांड के मुताबिक सप्लाई नहीं होने पर इन चीजों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह बाजार महंगाई की चपेट में आ जाता है। सीधे शब्दों में कहें तो बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या चीजों की शॉर्टेज महंगाई का कारण बनता है। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी। एक ग्राहक के तौर पर आप और हम रिटेल मार्केट से सामान खरीदते हैं। इससे जुड़ी कीमतों में हुए बदलाव को दिखाने का काम कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स यानी सीपीआई करता है। हम सामान और सर्विसेज के लिए जो औसत मूल्य चुकाते हैं, सीपीआई उसी को मापता है। कच्चे तेल, कमोडिटी की कीमतों, मेन्युफैक्चर्ड कॉस्ट के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जिनकी रिटेल महंगाई दर तय करने में अहम भूमिका होती है। करीब 3०० सामान ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर रिटेल महंगाई का रेट तय होता है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-चुनाव के वक्त फ्रीबीज का ऐलान गलत

नयी दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव के वक्त की जाने वाली मुफ्त की योजनाओं (फ्रीबीज) पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, लोग काम करना नहीं चाहते, क्योंकि आप उन्हें मुफ्त राशन दे रहे हैं। बिना कुछ किए उन्हें पैसे दे रहे हैं। कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि इन लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की बजाय, क्या आप मुफ्त की योजनाएं लागू करके परजीवियों की जमात नहीं खड़ी कर रहे हैं? जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच शहरी इलाकों में बेघर लोगों को आसरा दिए जाने की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अब 6 हफ्ते बाद दोबारा इस याचिका पर सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से शहरी गरीबी उन्मूलन मिशन और शहरी बेघर लोगों को आश्रय देने की योजनाओं को लेकर विस्तृत जानकारी मांगी है।

आस्था की डुबकी | **सुनील शेट्टी बोले- मैंने गंगा नहा लिया, 1० लाख कल्पवासी विदा**

महाकुंभ-माघ पूर्णिमा पर 2 करोड़ ने स्नान किया

माघ पूर्णिमा पर शाम 6 बजे तक चलाईं 23० ट्रेनें

श्रद्धालुओं को प्रयागराज में लाने और उन्हें उनके गंतव्य स्टेशन तक पहुंचाने के लिए प्रयागराज रेलवे ने कई ट्रेनें चलाई। प्रयागराज रेलवे के सीनियर प्रो. अमित मालवीय ने बताया- शाम 6 बजे तक 122 स्पेशल ट्रेनों के साथ लगभग 23० ट्रेनों का संचालन किया है। इसमें से केवल प्रयागराज जंक्शन से लगभग 74 मेला स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं।

प्रयागराज, संवाददाता। महाकुंभ में माघ पूर्णिमा का स्नान जारी है। संगम से 15 किमी तक चारों तरफ श्रद्धालुओं की भीड़ है। शाम 6 बजे तक 2 करोड़ लोग स्नान कर चुके हैं। एक्टर सुनील शेट्टी ने भी संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने कहा, आज वाकई मैंने गंगा नहा लिया। भीड़ को देखते हुए 13 से 15 फरवरी तक प्रयागराज में 8वीं तक के स्कूल बंद रहेंगे। लेकिन, पढ़ाई ऑनलाइन होगी। इससे पहले श्रद्धालुओं पर हेलिकॉप्टर से 25 क्विंटल फूल बरसाए गए। काटजू रोड पर मस्जिद के बाहर जुटे नमाजियों ने भी श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की। महाकुंभ मेले से भीड़ जल्दी बाहर निकल जाए, इसलिए लेटे हनुमान मंदिर, अक्षयवट और डिजिटल महाकुंभ सेंटर को बंद रखा गया।

महाकुंभ से संबंधित भ्रामक पोस्ट करने वाले 7 अकाउंट पर केस

सोशल मीडिया पर महाकुंभ से संबंधित भ्रामक पोस्ट और अफवाह फैलाने वाले ऐसे 7 अकाउंट्स पर केस दर्ज किया गया है। गाजीपुर में नदी के किनारे मिले शव से संबंधित वीडियो को भ्रामक रूप से महाकुंभ भगदड़ में मरने वालों का शव बताकर अफवाह फैलाई। वीडियो साल 2०21 में गाजीपुर में नदी के किनारे मिले शव से संबंधित है, जिसका खण्डन भी कुंभ मेला पुलिस के अकाउंट से किया गया है।

आईआईटी आईएसएम में नारीवाद, अनुवाद संबंधी विचार और आलोचनात्मक पद्धतियों पर विचार-विमर्श किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। आईआईटी आईएसएम धनबाद ने शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिष्ठित जीआईएएन कार्यक्रम के तहत आधुनिक आलोचनात्मक परंपरा में महिला लेखिकाएँ और विचारक विषय पर एक विचारोत्तेजक वर्चुअल कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला 10 से 14 फरवरी तक आयोजित की गई थी और इसका संचालन मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रो. रजनी सिंह ने किया। इस कार्यक्रम में दुनियाभर के प्रख्यात विद्वानों ने नारीवाद, अनुवाद संबंधी विचार और आलोचनात्मक पद्धतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। प्रमुख वक्ताओं में प्रो. मेना मित्रानो का सीए फोसकारी यूनिवर्सिटी अविनाश वेनेस वेनिस प्रो. रश्मि गौड़ आईआईटी रुड़की और प्रो. रजनी सिंह शामिल थीं, जिन्होंने आधुनिक आलोचनात्मक परंपराओं और नारीवादी चिंतन पर गहन बौद्धिक संवाद में भाग लिया। जीआईएएन पाठ्यक्रम के दूसरे दिन, प्रो. रजनी सिंह ने गर्ट्रूड स्टीन और

महिलाओं की आलोचनात्मक सोच में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि स्टीन ने आधुनिक आलोचनात्मक परंपरा में एक केंद्रीय भूमिका निभाई और अपने नवाचारपूर्ण लेखन और दार्शनिक विचारों के माध्यम से आधुनिकतावादी साहित्य को प्रभावित किया। इस चर्चा में स्टीन की नारीवादी विचारधारा और आधुनिकतावादी साहित्य में उनकी विरासत को उजागर किया गया।उनके सत्र में दलित महिला लेखिकाओं और दलित नारीवादी ज्ञानमीमांसा (एपिस्टेमोलॉजी) पर चर्चा की गई, जिसमें प्रतिनिधित्व, शक्ति संरचनाएँ और ज्ञान उत्पादन जैसे विषयों का विश्लेषण किया गया। इस व्याख्यान में मानवता की विवादित परिभाषा, गायत्री चक्रवर्ती स्पिवाक की दलित प्रतिनिधित्व पर आलोचना और सैंड्रा हार्डिंग द्वारा ज्ञान में वस्तुनिष्ठता को चुनौती देने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को शामिल किया गया। चर्चा में जाति और लिंग पदानुक्रम की संयुक्त रूप से उत्पीड़नकारी प्रकृति को रेखांकित किया गया और सामूहिक पहचान व एकजुटता की आवश्यकता पर जोर दिया गया। प्रो. सिंह ने इस विचार को बल दिया कि दलित संघर्ष को उनका संघर्ष नहीं बल्कि हमारा संघर्ष समझने की आवश्यकता है, और उत्पीड़न को चुनौती देने व स्वायत्तता स्थापित करने के लिए जीवन-लेखन और अंतर्विभागीय विश्लेषण को आवश्यक उपकरण बताया।व्याख्यानों के बाद इंटरैक्टिव ट्यूटोरियल आयोजित किए गए, जहाँ प्रतिभागियों ने चर्चा की, महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे और वक्ताओं से गहन उत्तर प्राप्त किए। इस कार्यशाला का उद्देश्य मानविकी के भीतर होने वाले प्रमुख बदलावों की व्यापक समझ प्रदान करना था, जिसमें आलोचनात्मक चिंतन को केंद्रीय रूप में रखा गया। प्रतिभागियों को साहित्यिक आलोचना, आलोचनात्मक सिद्धांत और साहित्य सिद्धांत के शास्त्रीय ग्रंथों की व्याख्या, चर्चा और मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित किया गया, साथ ही उनकी अंतर्विभागीय प्रासंगिकता की भी खोज की गई।150 से अधिक प्रतिभागियों के साथ, यह कार्यशाला सफलतापूर्वक अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में सक्षम रही, जिससे प्रतिभागियों को विभिन्न विषयों में लागू होने वाली आलोचनात्मक पद्धतियों सीखने, गहन शैक्षणिक ज्ञान प्राप्त करने और शोध क्षमता बढ़ाने का अवसर मिला। इस आयोजन ने आईआईटी आईएसएम धनबाद की अकादमिक उत्कृष्टता और भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में मानविकी और आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को पुनः स्थापित किया।

बिहार सरकार नगर विकास मंत्री नितिन नवीन सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का भूमि पूजन कल करेंगे

तीसरा विकल्प न्यूज़ कन्हैया सिंह

जमुई पटना। बिहार सरकार , नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री नितिन नवीन गुरुवार को सड़क मार्ग से जमुई आएंगे। वे अपने निर्धारित कार्यक्रम के दरम्यान कई हितकारी योजनाओं का शिलान्यास , भूमि पूजन , उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। जमुई नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी डॉ. प्रियंका गुप्ता ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि विभागीय मंत्री का सर्व प्रथम स्वागत सुबह 08:30 बजे पांड़ो बाजार स्थित दुर्गा मंदिर के समीप किया जाएगा। बाद में सुबह 09:00 बजे पतनेश्वर चौक पर यहां के नागरिक उनका खैरमकदम करेंगे। मंत्री नितिन नवीन पूर्वाह्न 09:30 बजे वार्ड नंबर 01, खैरमा मोहल्ला में 73 करोड़ की लागत से बनने वाले सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का भूमि पूजन करेंगे। इसके बाद वे जमुई व्यवहार न्यायालय परिसर स्थित अधिवक्ता भवन के समीप स्थापित दिवंगत केंद्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। डॉ.गुप्ता ने आगे कहा कि मंत्री नितिन नवीन सरकारी अतिथि गृह में अल्प विराम के बाद दोपहर 12:00 बजे जमुई शहर स्थित बोधवन तालाब पहुंचेंगे और यहां एक करोड़ की लागत से इस तालाब के सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ करेंगे। यह तालाब जमुई शहर वासियों के लिए अत्यंत उपयोगी है। नागरिकों की हितों को देखते हुए इसका जिर्णोद्धार किया जा रहा है। कार्यपालक पदाधिकारी ने कहा कि मंत्री नितिन नवीन तय कार्यक्रम के दरम्यान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नव निर्मित घर की चाभी भी लाभुकों को सौंपेंगे। इसके अलावे कई हितकारी योजनाओं का शिलान्यास , उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। उन्होंने मंत्री जी के कार्यक्रम की तैयारी को अंतिम रूप दिए जाने की जानकारी देते हुए कहा कि आने वाले दिनों में जमुई शहर बड़े शहरों की तरह खूब चकाचक दिखेगा। उन्होंने स्थनीय निवासियों से यथोचित सहयोग की अपील की। उधर टाउन प्लानर स्नेहल अंशु नगर विकास एवं आवास मंत्री के निर्धारित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भागीरथी प्रयास करने के साथ तमाम नामित योजनाओं का स्थल भ्रमण , अवलोकन और निरीक्षण कर खुद के साथ विभागीय अधिकारियों को संतुष्ट कर रही हैं। श्रीमती अंशु आंशिक कमियों को दूर करने के लिए सतत् प्रयत्नशील हैं। उन्होंने मंत्री जी के कार्यक्रम को हर हाल में सफल बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

असम के कामरूप जिले में आयोजित विश्व महावीर सिलाराय की 515वीं जयंती समारोह में उपस्थित मंत्री चंद्र मोहन पटवारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। विश्व महावीर चिलारराय की 515वीं जयंती के अवसर पर असम के कामरूप जिले के अमीनगांव के चिलाराय उद्यान में पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री और कामरूप जिले के संरक्षक मंत्री चंद्र मोहन पटवारी ने एक खुली बैठक में भाग लिया। कामरूप जिला प्रशासन और उत्तर एवं दक्षिण कामरूप जिला कोच राजबोंगशी सम्मेलन के सहयोग से आयोजित आज के कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में भाग लेते हुए मंत्री पटवारी ने कहा कि विश्व महावीर चिलाराय की वीरता, उनकी छापामार रणनीति, युद्ध कौशल आदि पर उचित अध्ययन और शोध के माध्यम से ही महावीर को विश्व दरबार में आगे ले जाया जा सकता है। इस दिशा में सबका सामूहिक दायित्व और कर्तव्य है। मंत्री पटवारी ने आगे कहा कि आज के दौर में युवा पीढ़ी को असम के इतिहास की महान विभूतियों के बारे में बेहतर तरीके से जानने की जरूरत है। इस संदर्भ में उन्होंने युवा पीढ़ी के लिए लाचित बोरफुकन और सिलाराय जैसे नायकों के साथ-साथ श्रीमंत शंकरदेव और माधवदेव जैसे असमान बच्चों के योगदान का अध्ययन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लाचित बोरफुकन की बहादुरी ओर वीरता के बारे में राष्ट्रीय स्तर पर पहले से ही बहुत प्रचार किया जा चुका है। उन्होंने सिलाराय के जीवन और कार्यों के बारे में अनुसंधान और अध्ययन पर भी जोर दिया। आज के कार्यक्रम में मंत्री पटवारी ने महाराजा नरनारायण के निर्देश पर कनेक्टिविटी सुधारने के लिए कोचबिहार तक बनाया गया ऐतिहासिक गोंहाई कमल आली का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमण्डल में प्रकाशित गोंहाई कमल आली को असम माला योजना के तहत बेहतर गुणवत्ता में निर्मित करने का निर्णय लिया गया है। विश्व महावीर चिलराय की 515वीं जयंती के अवसर पर आयोजित खुली सभा में कामरूप जिला आयुक्त देब कुमार मिश्रा, 515वीं विश्व महावीर चिलाराय जयंती उद्यापन समिति के अध्यक्ष खगेंद्रजीत ठाकुरिया, कोच राजबोंगशी विकास परिषद के उपाध्यक्ष जीतू दास, अखिल असम कोच राजबोंगशी सम्मेलन के उपाध्यक्ष डॉ. रॉबिन दास, सहित कई प्रमुख नागरिक उपस्थित थे। खुली सभा से पूर्व प्रात:काल विश्व महावीर सिलराय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई जिसमें रंगिया विधायक भावेश कलिता, पुलिस अधीक्षक रंजन भुइयां और कामरूप जिला आयुक्त देब कुमार मिश्रा ने भी भाग लिया। इस अवसर पर भाषण देते हुए कामरूप जिला आयुक्त देव कुमार मिश्र ने उल्लेख किया कि वीर सिलराय ने अपने भाई राजा नरनारायण के साथ कोच साम्राज्य की मजबूत नींव स्थापित करने और साम्राज्य का विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया था ।

जंग-ए-आजादी के सबसे अहम किरदार थे फखरुद्दीन अली अहमद

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

स्व. फखरुद्दीन अली अहमद ने 1974 में भारत के पांचवें राष्ट्रपति का पद ग्रहण किया था। वे आज़ाद भारत के दूसरे मुस्लिम राष्ट्रपति थे। इसके पहले जाकिर हुसैन मुस्लिम राष्ट्रपति रह चुके थे। फखरुद्दीन अली अहमद का जन्म 13 मई 1905 को दिल्ली में हुआ था। इनके कार्यकाल में भारत ने कई महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाओं का सामना किया। फखरुद्दीन अली अहमद के पिता काजी मुहम्मद अली असम के एक प्रतिष्ठित चिकित्सक थे। आपकी प्रारंभिक शिक्षा गुवाहाटी और बाद में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में हुई। मगर, उन्होंने आगे की पढ़ाई सेंट कैथरीन कॉलेज, कैम्ब्रिज (इंग्लैंड) से पूरी की। यहां से कानून की डिग्री प्राप्त कर भारत लौटे। इसके बाद जंग-ए-आजादी में कूद गए। 1925 में जब वह इंग्लैंड में थे, तब उनकी मुलाकात महात्मा गांधी से हुई थी। भारत लौटने के बाद वे पं. जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़े। इसके बाद 1931 में उन्होंने कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ली और असम में स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। असम में गोरों के खिलाफ बिगुल बजाने वाले फखरुद्दीन अली अहमद ही थे। 1935 में असम विधानसभा के लिए चुने गए। मगर, 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें ब्रिटिश सरकार ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वह तीन साल तक जेल में रहे। देश की आजादी के बाद फखरुद्दीन अली अहमद ने

असम की राजनीति में मुख्य भूमिका निभाई। वह कई बार असम विधानसभा के सदस्य बने और भारत सरकार में विभिन्न पदों पर कार्य किया। 1952, 1957 और 1962 में लोकसभा के सदस्य बने थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मंत्रालयों में भी कार्य किया। वे 1955 से 1957 तक केंद्र में खाद्य और कृषि मंत्री, 1966 से 1967 तक श्रम मंत्री, 1970 से 1974 तक शहरी विकास मंत्री रहे। उनका प्रशासनिक अनुभव और शांत स्वभाव उन्हें राजनीति में सम्मानजनक स्थान दिलाने में काफी मददगार साबित हुआ। सन 1974 में फखरुद्दीन अली अहमद भारत के पांचवें राष्ट्रपति चुने गए। राष्ट्रपति पद पर रहते हुए 11 फरवरी, 1977 को नई दिल्ली में दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। उनके कार्यकाल में सबसे बदनुमा दाग 1975 में लगाया गया आपातकाल (इमरजेंसी) था। पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के आग्रह पर उन्होंने 25 जून 1975 को देश में आपातकाल की घोषणा पर हस्ताक्षर किए। जिसकी पूरे देश में व्यापक रूप से आलोचना भी हुई। फखरुद्दीन अली अहमद की राजनीतिक विरासत भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और लोकतांत्रिक प्रशासन में योगदान को हमेशा याद किया जाता है। वे भारतीय राजनीति में अपनी सादगी, ईमानदारी और प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। उनकी याद में नई दिल्ली में 'फखरुद्दीन अली अहमद मेमोरियल ट्रस्ट' स्थापित किया गया था। इसके अलावा शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनके नाम पर कई पुरस्कार और संस्थान स्थापित किए गए हैं। वैवाहिक जीवन पूर्व राष्ट्रपति की शादी बरेली मंडल के बदायूं जिले की शेखपुर विधानसभा निवासी बेगम आबिदा अहमद के साथ 9 नवम्बर, 1945 को हुई थी। उनकी पत्नी उत्तर प्रदेश की बरेली लोकसभा सीट से उपचुनाव जीतकर जून, 1981 में सांसद निर्वाचित हुईं। यह सीट सांसद मिसरयार खां के इंतकाल के बाद खाली हुई थी। उन्होंने बरेली की जनता में अपनी विशिष्ट साख बनाई। इसी वजह से बरेली संसदीय सीट से वह 1984 में दोबारा लोकसभा पहुंचीं। मगर, 1989 में भाजपा सांसद एवं वर्तमान में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से चुनाव हार गई थीं। उनके नाम से बेगम आबिदा एक्सप्रेस ट्रेन चलती थी जिसे बदल कर इसका नाम सत्याग्रह एक्सप्रेस कर दिया गया है। उनकी पत्नी का दिसंबर 2003 में इंतकाल हुआ।

किड्स एंजेल पब्लिक स्कूल सुदामडीह व अजमेरा का 21 वां वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। बसंत मास की मधुमय धरा पर किड्स एंजेल पब्लिक स्कूल सुदामडीह व अजमेरा का 21 वां वार्षिकोत्सव बुधवार को पाथरडीह अजमेरा मैदान में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि झरिया विधायक रागिनी सिंह, पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह, पूर्व पार्षद प्रियंका देवी, भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष उमेश यादव, अभिषेक पांडेय, समाजसेवी डा. बीरेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर भारत माता , मां शारदे एवं विद्यालय के संस्थापक दिवंगत स्व विकाश श्रीवास्तव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। किड्स एंजल पब्लिक स्कूल सुदामडीह व अजमेरा के बच्चे बच्चियों ने अपना

अद्भुत रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर हजारों दर्शकों का मनमोह लिया। श्री गणेशा देवा, महाभारत, रक्तचारित, झुनझुन मोयना, जंगल रखवाला रे , डोरेमोन, छोटा भीम, बाबूराओ कॉमेडी, राम आएंगे आदि का दर्शकगण सांस्कृतिक कला का भरपूर आनंद लिए। यहां तक कि वसंत की वयार भी थोड़ी देर रुक कर बच्चों की कलाकृति को देखने लगे थे। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्या नम्रता श्रीवास्तव के द्वारा मुख्य अतिथि झरिया विधायक रागिनी सिंह जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र व विद्यालय का स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आगंतुक सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ , अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर किया गया। मौके पर प्राचार्य बी.के.श्रीवास्तव, नागेश्वर प्रसाद, मीरा श्रीवास्तव, नम्रता श्रीवास्तव, सावित्री देवी थे। कार्यक्रम को सफल बनाने मे सुजल मुखर्जी, विजय अमृत सिन्हा, अजीत, विजय, अजय, ज्योति, कविता, संगीता, अर्चना, कल्याणी, प्रिया, पुतुल, किरण, प्रियंका, निभा, राधा, सपन, मामोन, पुनम, तेजुद्दीन, नेहा, गंगा, प्रकाश, सुषमा, माही, स्वीटी, कृतिका, रागिनी, अन्नू, साधना, मनीषा, पूजा, आनंद, सुहानी, पायल, संगीता, आवेदा, भरत, आबिदा, श्रीराम, नारायण आदि मौजूद थे।

सी.आर.डी. कॉलेज में अंतर्महाविद्यालयीय स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

गोरखपुर। चन्द्रकान्ति रामायती देवी आर्य महिला पी.जी. कॉलेज गोरखपुर में डॉ. रामरक्षा पाण्डेय स्मृति अतर्महाविद्यालयीय प्रतियोगिता के अंतर्गत दिनांक 12 फरवरी 2025 दिन बुधवार को स्वरचित काव्य पाठ एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सी.आर.डी. आर्य महिला पी.जी. कॉलेज गोरखपुर, डी.ए.वी. कालेज, सेंट जोसेफ कॉलेज गोरखपुर, दिग्विजय नाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर, सेंट एंड्रयूज कॉलेज गोरखपुर, जे.बी.एम.पी.जी. कॉलेज गोरखपुर एवं एम.पी. पी.जी. कॉलेज गोरखपुर के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता में संयोजक डॉ. सुमन सिंह प्राचार्य सी.आर.डी. आर्य महिला पी.जी. कॉलेज गोरखपुर, सहसंयोजक डॉ. विकास कुमार श्रीवास्तव सहायक आचार्य, बी.एउ. विभाग सी.आर.डी. आर्थ महिला पी.जी. कॉलेज गोरखपुर के एवं रंगोली प्रतियोगिता में संयोजक डॉ. रेखा शर्मा, दृश्यकला विभाग सी.आर.डी. आर्य महिला पी.जी. कॉलेज, सहसंयोजक डॉ.

ज्योत्स्ना त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती को पुष्प अर्पित कर किया गया। स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता में डी.वी.एन.डी.सी. के आकाश कुमार को प्रथम सेंट जोसेफ कॉलेज गोरखपुर को द्वितीय तथा डी.वी.एन.डी.सी. को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वही रंगोली प्रतियोगिता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिग्विजय नाथ पी.जी. कॉलेज गोरखपुर, द्वितीय सी.आर.डी. आर्य महिला पी.जी. कॉलेज (दृश्यकला विभाग) व तृतीय स्थान सी.आर.डी. आर्य महिला पी.जी. कॉलेज (बी.एड. विभाग) को प्राप्त हुआ। निर्णयक मण्डल के रुप में डॉ. त्रिभुवन मिश्रा सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर व डॉ. पवन कुमार, सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, सी.आर.डी.पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रबंधक डॉ. विजयलक्ष्मी मिश्रा व प्राचार्य डॉ. सुमन सिंह ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की उप प्राचार्य स्वप्निल पाण्डेय, आई.क्यू.ए.सी. को ऑर्डिनेटर डॉ. रेखा श्रीवास्तव, बी.एड्. विभागाध्यक्ष डॉ. अपर्णा मिश्रा, श्वेता सिंह, डॉ. इत्तेन्द्र घर दूबे तथा समस्त प्रवक्तागण एवं छात्राएं उपस्थित रही।

राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान द्वारा हिंदीतर क्षेत्रों में हिंदी प्रशिक्षण की चुनौतियां विषय पर विशेष व्याख्यान व काव्य गोष्ठी संपन्न

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

विशाखापटनम/लखनऊ, राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान, उत्तर प्रदेश व नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), विशाखापट्टनम के संयुक्त तत्वावधान में हिंदीतर क्षेत्रों में हिंदी प्रशिक्षण की चुनौतियां विषय पर विशेष व्याख्यान व काव्य गोष्ठी का आयोजन, जीवन समृद्धि बिल्डिंग स्थित एच पी सी एल सभागार, विशाखापट्टनम में किया गया। पूरा आयोजन दो सत्रों में संपन्न किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ अनामिका श्रीवास्तव एवं विशेष अतिथि डॉ रश्मि शील के सम्मान के उपरांत हुआ। तत्पश्चात विचार गोष्ठी के मुख्य वक्ता और चर्चा के विषय का प्रवर्तन डॉ एस कृष्ण बाबु द्वारा किया गया। डॉ बाबु ने सरस्वती वंदना जय वाणी जय वीणा पाणी, दया करो हम पर कल्याणी से किया गया। तत्पश्चात विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ कृष्ण बाबु ने कहा कि मनुष्य का स्थान सृष्टि में सर्वोपरि है क्योंकि अन्य प्राणियों के शरीर है, मन है, परंतु मनुष्य के पास शरीर और मन के अतिरिक्त एक और वस्तु बुद्धि भी है। अपनी तर्कशीलता के बल पर उसने भाषा का आविष्कार किया। धीरे धीरे अनेकानेक भाषाओं का विकास हुआ। बहुभाषाओं के कारण हमारे सामने अनेक चुनौतियां उपस्थित हुई हैं। उदाहरण के लिए विचार शब्द को तेलगु में दुख के रूप प्रयुक्त करते है, इसी प्रकार उपन्यास को तेलगु में लेक्चर कहते हैं। इस तरह हिंदीतर

क्षेत्रों में हिंदी प्रशिक्षण की चुनौतियां हैं। डॉ पी के जयलक्ष्मी ने कहा कि भाषा सशक्त होनी चाहिए और हिंदी बहुत ही सशक्त भाषा है। हिंदीतर भाषियों के साथ विचार विमर्श कर हिंदी सिखाई जा सकती हैं। हिंदी के कठिन शब्दावली के स्थान पर अंग्रेजी के ऐसे शब्दों को प्रयुक्त कर सकते हैं, जिनका हिंदीकरण हो सकता है। डॉ ए भाग्यलक्ष्मी ने कहा कि यहां हिंदी का माहौल नहीं है, यह एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि घर पर मातृभाषा बोलते है और शिक्षण का माध्यम प्रायः अंग्रेजी है। एक चुनौती यह भी है कि बोलचाल की हिंदी और राजभाषा अलग है। हम सभी हिंदी की दिशा प्रयासरत हैं और राजभाषा नियम के अनुसार प्रत्येक तीन माह में कार्यशाला करते हैं। डॉ राजशेखर ने कहा कि यहां हिंदी सीखने के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण होता है परंतु वह माहौल नहीं होता है ये एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने यह भी कहा कि रामायण और महाभारत जैसे सीरियल के माध्यम से हिंदीतर क्षेत्रों में हिंदी सीखने का माहौल बना। उनके द्वारा राज्य कर्मचारी साहित्य संस्थान के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि हिंदी सीखने के लिए ऐसे कार्यक्रमो की बहुत जरूरत है आप बार बार ऐसे कार्यक्रम करिए। डॉ टी महादेव राव ने अपने वक्तव्य में मजरूह सुल्तान पुरी के शेर का उल्लेख करते हुए कहा कि मैं अकेला ही चला था जानिब ए मंजिल मगर लोग आते गए और कारवां बनता गया। उन्होंने बताया कि हिंदी के उत्थान के लिए लगातार प्रयासरत है। प्रतिभा नामक पत्रिका विगत कई वर्षों से हिंदी के प्रचार व प्रसार में संलग्न हैं। यह भी सच है कि अब हिंदी सीखने और सिखाने के प्रति यहां के लोगों काफी रुचि है। दूसरे सत्र में विशाखा पट्टनम के विभिन्न क्षेत्रों से आए वरिष्ठ कवियों ने काव्य सरस धारा बहाई। डॉ टी महादेव राव ने प्रतीक कविता सुनाई भ्रमित अश्वत्थामा आज भी जीवित हैं। इस कविता के माध्यम से वर्तमान समय की विसंगतियों को उजागर करते हुए कहा कि भीष्म आज भी चुप है। डॉ नीरव कुमार वर्मा ने जीवन की ज्यामितीय संदर्भों में व्याख्यायित किया। इस जीवन की ज्यामिति में, सिर्फ एक बिंदु बन कर जीने की चाह में, अनजानी भिन्नता है पर संतोष भी, इस बात से कि कितनी भी हलचल क्यों न हो, बिंदु तो स्थिर रहेगा। डॉ सीमा वर्मा ने बेटियां क्यों रोती हैं शीर्षक कविता के द्वारा बेटी के प्रति अपने उद्गार व्यक्त किए कि, मेरे बूढ़े होते पिता को, रोज दुस्वप्न आते हैं, पढ़ाओ, बढ़ाओ के आंदोलित स्वरों के मध्य, बचाओ बचाओ की चीख, उन्होंने बेटियों की दशा पर चिंता व्यक्त करते हुए पढ़ा कि युग बदला, पीढ़ियां बदली, पर नहीं बदली हमारी दशा, आज भी आक्रांत हैं हमारा मन। लखनऊ से पधारी डॉ अनामिका श्रीवास्तव सहित अनेक साहित्यकार ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए अपने विचार रखे व काव्य पाठ किया। हिंदी अधिकारी राष्ट्रीय इस्पात निगम, विशाखापट्टनम श्री गोपाल ने इस कार्यक्रम का संयोजन किया। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक (राजभाषा एवं आतिथ्य) एवं नराकास के सदस्य सचिव डॉ ललन कुमार ने कहा कि कार्यालयी उत्तरदायित्वों के बीच प्रायः हिंदी का मधुर पक्ष पीछे छूट जाता है। परंतु हमारे उपक्रम के लोगों में हिंदी के प्रति रुचि के साथ समर्पण का भाव है, हम हिंदी के भावों को लेकर आगे बढ़े हैं। उन्होंने राज्य कर्मचारी संस्थान के अध्यक्ष व महामंत्री के प्रयास व हिंदीतर क्षेत्र में किए गए आयोजन की भूरि भूरि सराहना की और कहा कि हम उम्मीद करते है कि आगे भी हम इस तरह का कार्यक्रम करें। राज्य कर्मचारी संस्थान की ओर से डॉ रश्मिशील ने संस्थान की योजनाओं, उद्देश्य व हिंदी संवर्धन हेतु किए जा रहे प्रयासों के विषय में संक्षेप में बताया। राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड की सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ टी हैमावती ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम संचालन श्री गोपाल ने किया। इस अवसर पर संस्थान की पत्रिका अपरिहार्य का लोकार्पण डॉ ललन कुमार जी के द्वारा किया गया। आमंत्रित अतिथियों को उत्तरीय व स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। राष्ट्रीय इस्पात निगम के द्वारा अतिथियों को भेंट देकर सम्मानित कर सूक्ष्म जलपान वितरित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में साहित्यकार, कवि, व साहित्य प्रेमी व नरकास के सदस्य उपस्थित थे।

थौरी बॉर्डर पर यातायात व्यवस्था सामान्य, अपर जिलाधिकारी अर्पित गुप्ता ने लिया जायजा

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

अमेठी।रायबरेली-फैजाबाद मार्ग स्थित थौरी बॉर्डर पर यातायात व्यवस्था सामान्य बनी हुई है। अपर जिलाधिकारी अर्पित गुप्ता ने आज मौके पर पहुंचकर यातायात संचालन, सुरक्षा उपायों और भारी वाहनों की आवाजाही का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एडीएम अर्पित गुप्ता ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों को हटाया जाए, अतिक्रमण पर सख्ती बरती जाए और यातायात प्रवाह को सुचारू बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि भारी वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के साथ-साथ आम नागरिकों की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी जाए। थौरी बॉर्डर एक महत्वपूर्ण ट्रांजिट पॉइंट होने के कारण यहां यातायात नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था प्रशासन की प्राथमिकता में है। अपर जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि ट्रैफिक जाम जैसी स्थितियां न बनने पाए, इसके लिए नियमित निगरानी और प्रभावी प्रबंधन किया जाए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जानकारी दी कि वर्तमान में यातायात सामान्य है और सड़क पर वाहनों की आवाजाही सुचारू रूप से जारी है। प्रशासनिक स्तर पर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और यात्रियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित यातायात मिले। अपर जिलाधिकारी अर्पित गुप्ता ने नागरिकों से भी अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें और प्रशासन का सहयोग करें, जिससे सड़क सुरक्षा और सुगम यातायात की व्यवस्था बनी रहे।

अवकाश के दिन भी जोर शोर से हुआ फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

हरदोई। संत रविदास जयंती के अवकाश के बावजूद भी जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की टीम जोर शोर से फॉर्मर रजिस्ट्री के कार्य में जुटी रही। जिलाधिकारी ने फॉर्मर रजिस्ट्री को लेकर पांचों तहसीलों में जो स्वस्थ प्रतिस्पर्धा शुरु की उसके फलस्वरूप तहसीलों में एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ चलती रही। तहसीलों के उप जिलाधिकारी व उपनिदेशक कृषि किसानों को जागरूक करने के लिए गाँव की गलियों की खाक छानते रहे। उपनिदेशक कृषि डॉ नंदकिशोर ने सदर तहसील के ग्राम जगदीश पुर के कॉमन सर्विस सेंटर पहुंचकर फॉर्मर रजिस्ट्री के कार्य को देखा और किसानों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि निर्बाध रूप से प्राप्त करने के लिए फॉर्मर रजिस्ट्री अवश्य करवा लें। उप जिलाधिकारी सवायजपुर संजय अग्रहरि ने उपनिदेशक कृषि के साथ मत्तीपुर गाँव में जन सेवा केन्द्र पर फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य देखा और किसानों को जागरूक किया। इस दौरान सभी सम्बंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

उप जिलाधिकारी ने लिया परिक्रमा की तैयारियों का जायजा

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के निर्देशों के क्रम में आज उप जिलाधिकारी संडीला अरुणिमा श्रीवास्तव ने आगामी चौरासी कोसी परिक्रमा की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि समस्त परिक्रमा मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए। परिक्रमा मार्ग को जल भराव से मुक्त बनाया जाये। हत्या हरण चक्र का पानी बदला जाये। श्रद्धालुओं के ठहरने के उचित प्रबंध कराये जाएं। पड़ावों पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश आदि की व्यवस्था ससमय सुनिश्चित कर ली जाये। इस अवसर पर महंत संतोष दास, मेला प्रभारी निर्भय सिंह, संडीला तहसील व कोथावां विकास खण्ड के सभी सम्बंधित अधिकारी व कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

युवक पर किशोरी को फुसलाकर ले जाने का आरोप

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

बेहटा गोकुल /हरदोई। थाना क्षेत्र के एक व्यक्ति ने एक युवक पर उनकी 16 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस किशोरी की तलाश कर रही है। पुलिस को दी तहरीर में थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि उनकी बेटी 10वीं की छात्रा है, 3 फरवरी की रात से वह घर से गायब है। आरोप है कि क्षेत्र का ही रहने वाला एक युवक उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। प्रभारी निरीक्षक रमेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि युवक के खिलाफ अपहरण संबंधी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले कि जांच की जा रही है।

अख्तर गाज़ी बनाए गए भाकियू (सावित्री) जिला महासचिव

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता हरदोई

संडीला/ हरदोई। भारतीय किसान यूनियन सावित्री के युवा जिला अध्यक्ष हरदोई निज़ाम गाज़ी के नेतृत्व मे संगठन का हुआ विस्तार आपको बता दें कि संडीला भारतीय किसान यूनियन सावित्री गुट के जिला अध्यक्ष व समाजसेवी रफीक लम्बू व जिला प्रभारी ठाकुर सतेंद्र सिंह ने ग्राम छब्बू खेड़ा मे बैठक की बैठक मे अख्तर गाज़ी को बड़ी जिम्मेदारी दी। बैठक को संबोधित करते हुए, जिला अध्यक्ष रफीक लम्बू की अध्यक्ष मे अख्तर गाज़ी को जिला महसचिव हरदोई नियुक्त किया, नबी पठान को युवा जिला उपाध्यक्ष हरदोई, राजा खान को जिला सचिव हरदोई नियुक्ति किया गया एवं कई लोगो को संगठन की सदस्यता दिलाई नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया और इसी बीच में संगठन के अनेक कार्यकर्ता व समाजसेवी पदाधिकारी गणों की मौजूदगी रही इसी मौके अफसर गाज़ी (प्रधान) छब्बू खेड़ा, रूबील गाज़ी,निज़ाम गाज़ी युवा जिला अध्यक्ष, अभिषेक मिश्रा युवा जिला उपाध्यक्ष, मलखान सिंह युवा जिला प्रभारी आरिफ अंसारी जिला सचिव, जाकिर अली, सोनू सिंह, दिनेश, सलमान गाज़ी,राम जीवन, बेचे लाल, गामा,एवं संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्त्ता मोजूद रहे।भा.की.यू. नेता रफीक लंबू व ठाकुर सतेंद्र सिंह दोनों राम रहीम की जोड़ी ने संगठन को मजबूत करने व संगठन की तथा गरीब किसान मजदूरों की समस्याओं का निस्तारण करने का वादा किया।

धूमधाम से संत रविदास जी की जयंती मनाई

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। पुलिस माडर्न स्कूल विनीत खण्ड गोमती नगर में बाबू जगजीवन राम नेशनल फाडण्डेशन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मन्त्रालय भारत सरकार के प्रायोजन में जनता टेक्निकल एजूकेशनल सोसाइटी द्वारा आयोजित संत रविदास जी की जयन्ती का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र एंव छात्राओं शिक्षकों के अतिरिक्त संस्था के पदाधिकारियों मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, वक्तागण गीता पाण्डेय, नलेन्द्र पाण्डेय, रवि, सन्ध्या सक्सेना तथा क्षेत्र के गण्मान्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन विद्यालय के मख्य अतिथि, प्रधानाचार्य एवं व विशिष्ट अतिथि द्वारा किया गया। इसके पश्चात संस्था के पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के स्वागत सम्मान कि साथ किया गया। संस्था प्रमुख शिखा प्रकाश द्वारा संस्था की क्रिया विधियों पर प्रकाश डाला गया तथा मुख्य अतिथि श्री सत्य प्रकाश जी प्रभारी बाबू जगजीवन राम नेशनल फाडण्डेशन को उद्बोधन के लिए आमन्त्रित किया गया जिसमें उन्होंने संत रविदास की जयन्ती के आयोजन के उद्देश्य एवं इसके प्रभाव पर विस्तृत चर्चा की। इसके पश्चात वक्ताओं द्वारा संत रविदास के सिद्धांत, जीवन की सीख, सामान्य जनजीवन में उनके आदर्श की स्वीकार्यता व आध्यात्म्य के विषय में विस्तार से चर्चा की गयी। इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे स्वागत गीत, सरसवती वन्दना, पहाड़ी शाम, भजन, घूमर आदि का प्रदर्शन सांस्कृतिक दल द्वारा किया गया इसके साथ ही छात्र-छात्राओं द्वारा कला, पेंटिंग, निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त छात्र व छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। समस्त प्रतिभागियों को स्वल्पाहार एवं मध्याहन भोजन वितरित किया गया। अन्त में संस्था प्रमुख शिखा प्रकाश द्वारा कार्यक्रम की सफलता हेतु योगदान करने वाले प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करतें हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गयी।

भक्तिकाल के साहित्य और संतों में संत रविदास का अहम स्थान है

➪ पाखंड के विरोध में अभिव्यक्ति की आजादी का किया समर्थन

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में बुधवार को संत रविदास की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता डीन ऑफ एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू ने की। उन्होंने कहा कि भक्तिकाल के साहित्य और संतों में संत रविदास का अहम स्थान है। उन्होंने हमेशा जाति और लिंग के आधार पर होने वाले सामाजिक विभाजन को दूर करने की शिक्षा दी। साथ ही व्यक्तिगत आध्यात्मिक स्वतंत्रता की खोज को प्राथमिकता देते हुए समाज में एकता और समानता को बढ़ावा दिया। कार्यक्रम में शामिल डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के प्रो. वीरेंद्र सिंह यादव ने कहा कि संत रविदास ने अपने साहित्य और आदर्श में तार्किकता को बढ़ावा दिया। उन्होंने पाखंड के विरोध में अभिव्यक्ति की आजादी का समर्थन किया। इसके अतिरिक्त प्रो. यादव ने समाज में सभी को समानता का अवसर, समाज सुधार, विवेक शक्ति, विभिन्न प्रकार की अनुभूति, मन पर नियंत्रण आदि विषयों पर संत रविदास के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। बीबीएयू के कुलानुशासक प्रो. एमपी सिंह ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास संत परंपरा के योगी, समाज सुधारक और मानवता के सच्चे मार्गदर्शक रहे हैं। जिन्होंने सदैव कर्म और श्रम को प्रधानता दी है। संत रविदास ने सामाजिक सद्भाव और समानता की जो ज्योति प्रज्ज्वलित की है, उसका मंगल प्रकाश सदैव आगे आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

पी.एल. ज्वेलर्स दुकान पर कीमती जेवरों की चोरी का खुलासा

तीसरा विकल्प न्यूज़
संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। डीसीपी पश्चिमी, विश्वजीत श्रीवास्तव ने प्रेस वार्ता के दौरान पीएल ज्वैलर्स की दुकान से हुई चोरी की घटना का पर्दाफाश किया। इस चोरी में आरोपी महिला को सैकड़ों सीसीटीवी कैमरों की मदद से गोरखपुर से गिरफ्तार किया गया। महिला 5० वर्ष की की गोरखपुर निवासी है। महिला के पास से चोरी की गई ज्वैलरी (पीली धातु) बरामद की गई, जिसकी कीमत करीब 7० लाख रुपये है। यह चोरी 9 फरवरी को पीएल ज्वैलर्स की दुकान से हुई थी,जब महिला ने शॉल के अंदर छिपाकर कई कीमती जेवरों को चुरा लिया था। सर्विलांस सेल पश्चिमी जोन और थाना चौक पुलिस की संयुक्त टीम ने इस घटना का सफलतापूर्वक खुलासा किया। मामले की जानकारी थाना चौक में पीड़ित श्री कृष्णा रस्तोगी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की और महिला आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस आयुक्त, अमरेन्द्र कुमार सेंगर के आदेश पर अपराधियों पर निगरानी रखी जा रही है और पहले घटित अपराधों का अनावरण करने के प्रयास लगातार जारी हैं।

संत रविदास जी के पद चिन्हो पर चलकर ही सुख - शांति व खुशहाली संभव: मायावती

❑ भाजपा एवं सपा की सोच एक जैसी द्वेषपूर्ण एवं जातिवादी: मायावती
❑ आज के संकीर्ण व द्वेष आदि से त्रस्त माहौल में संत रविदास जी के मानवतावादी सन्देश का अत्यधिक महत्व: मायावती

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता
लखनऊ

लखनऊ। संत रविदास जी की जयंती पर बीएसपी सुप्रीमों एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि उनके पद चिन्हों पर चलकर ही सुख -शांति व खुशहाली संभव है। रविदास जी ने अपना सारा जीवन लोगों को इंसान बनाने के लिए इंसानियत का सन्देश देने में गुजारा एवं जातिभेद व द्वेष आदि के खिलाफ आजीवन कड़ा संघर्ष करते रहकर अमर हो गये। संतगुरु का सन्देश धर्म की पवित्रता, समान सेवा व जनचेतना के लिए इंसान एवं इंसानियत की भलाई के लिए है। इस अवसर पर मायावती ने सपा एवं भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दोनों पार्टियों की सोच एक जैसी द्वेषपूर्ण व जातिवादी है। मायावती ने कहा कि बीएसपी सरकार में ऐसे महान संतगुरु के आदर व सम्मान में अनेक कार्य किये गये 7 इसी क्रम में बीएसपी की सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में संत रविदास जी के नाम पर भदोही को जिला मुख्यालय का दर्जा सुरक्षित रखते हुए नया संत रविदास जिला बनाया गया जिसे सपा सरकार द्वारा जातिवादी व राजनैतिक द्वेष के कारण बदल दिया गया। किन्तु वर्तमान भाजपा सरकार ने भी इसका नाम अब तक बहाल नही किया जो अति दुःखद है और जिससे यह साबित होता है कि इन पार्टियों की सोच एक जैसी द्वेषपूर्ण व जातिवादी है। मायावती ने कहा कि बीएसपी सरकार द्वारा संत रविदास की जन्म नगरी वाराणसी में संत रविदास जी पार्क व घाट की स्थापना सहित प्रदेश में इनके आदर व सम्मान में अनेक कार्य कराये गये जबकि कांग्रेस व बीजेपी व सपा जैसी विरोधी पार्टियों ने दलित, आदिवासी, अन्य पिछड़े वर्ग में जन्मे महान संतों, गुरुओं व महापुरुषों का हमेशा तिरस्कार किया है। और अब अपने राजनीतिक स्वार्थ में ये पार्टियां महान गुरुओं, संतों व महापुरुषों के जन्मदिन आदि के मौके पर उनके स्थलों पर जाकर तरह - तरह की नाटकबाजी करते नजर आते हैं।जबकि उनके अनुयायियों का आज भी वैसा ही तिरस्कार जारी है । मायावती ने कहा कि केवल अपने कर्म के बल पर महान संतगुरु बनने वाले संत रविदास जी ने सामाजिक परिवर्तन एवं मानवता के मूल्यों को अपनाने व उसके विकास के लिए लोगों में जो अलख जगाई उसे कभी भी भुलाया नही जा सकता 7 मायावती ने कहा आज के संकीर्ण व द्वेष आदि से त्रस्त माहौल में उनके मानवतावादी सन्देश का अत्यधिक महत्व है 7 उनके सन्देश % मन चंगा तो कठौती में गंगा %अर्थात मन को पाक साफ रखकर ही इंसान सच्चे सुख की प्राप्ति कर सकता है तथा समाज व देश का भी भला कर सकता है।

समाचार

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद के ससुर पूर्व सांसद डॉ. अशोक सिद्धार्थ एवं उनके करीबी नितिन सिंह को किया बीएसपी से निष्कासित

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बीएसपी सुप्रीमों एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व सीएम मायावती ने भतीजे पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद के ससुर एवं पार्टी में कद्दावर नेताओं में शुमार, दक्षिण राज्यों के प्रभारी रहे पूर्व सांसद डॉ. अशोक सिद्धार्थ एवं उनके करीबी मेरठ के बीएसपी प्रभारी नितिन सिंह को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के चलते पार्टी से निष्काषित किया 7 मायावती ने एक्स पर इन दोनों नेताओं के निष्कासन की जानकारी देते हुए लिखा - बीएसपी की ओर से खासकर दक्षिणी राज्यों आदि के प्रभारी रहे डा अशोक सिद्धार्थ, पूर्व सांसद व श्री नितिन सिंह, जिला मेरठ को, चेतावनी के बावजूद भी गुटबाजी आदि की पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण पार्टी के हित में तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित किया जाता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 14 फरवरी को मुंशी पुलिया खुर्रम नगर फ्लाईओवर का करेंगे लोकार्पण

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

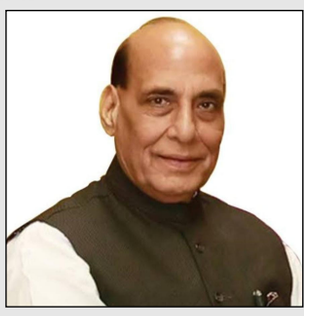

लखनऊ। महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी के अनुसार, रक्षा मंत्री शुकवार समय 11-10 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे।इसके बाद, अपराह्न 12-00 बजे रक्षा मंत्री विकास नगर स्थित मिनी स्टेडियम में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मुंशी पुलिया और खुर्रम नगर फ्लाइओवर का लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण के बाद, वह सुल्तानपुर रोड से कानपुर रोड तक आउटर रिंग रोड का अवलोकन करेंगे। इसके पश्चात, वह एयरपोर्ट लौटकर अपराह्न 3-00 बजे भोपाल के लिए रवाना हो जाएंगे।

ठाकुरगंज पुलिस ने गैस सिलेंडर की अवैध रिफिलिंग कालाबाजारी करने वालों को किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। गैस सिलेंडर की अवैध रिफिलिंग और कालाबाजारी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दुबग्गा मार्ग पर स्थित रिंग रोड पुलिस चौकी के पास अवैध गैस रिफिलिंग की जा रही है। इस पर थाना ठाकुरगंज पुलिस ने आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर छापेमारी की और मौके से 62 अवैध गैस सिलेंडर (61 घरेलू और 1 व्यावसायिक) बरामद किए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सकिंद्र साहनी, अरविंद कुमार यादव, दुलारे और बब्लू के रूप में हुई है। इन सभी पर गैस सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग कर कालाबाजारी करने का आरोप है। पुलिस ने इस मामले में संबंधित आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

विवाहिता ने ससुराल वालों पर मारपीट व दहेज उत्पीड़न का लगाया आरोप, रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बंथरा के मेमौरा में रहने वाली विवाहिता शिवानी ने रायबरेली जिले के गुरबक्श गंज स्थित अटौरा बुजुर्ग निवासी अपने पति करन बहादुर, सास रानी, ससुर रामगुलाम, ननद रेनू, प्रीति, ज्योति, लक्ष्मी और ननदोई वीरेंद्र के खिलाफ मारपीट, जान से मारने की धमकी और जान से मारने की कोशिश के साथ दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिवानी के मुताबिक 5 फरवरी 2024 को उसकी शादी करन बहादुर के साथ हुई थी। तब उसके मां-बाप ने अपने सामर्थ्य अनुसार दहेज दिया था। लेकिन शादी के दौरान ही उसके पति और ससुराल वाले 10 लाख रुपए की मांग पर अड़ गए थे। ना देने पर बारात वापस ले जाने की धमकी देने लगे। तब रिश्तेदारों के समझाने बुझाने के बाद शादी हो गई। पर शादी के बाद से सभी 10 लाख रुपए की मांग को लेकर उसको प्रताड़ित करने लगे। आरोप है कि बाद में कई बार आरोपियों ने उसे मारा पीटा और गला घोट कर जान से मारने की कोशिश की। साथ ही 10 लाख रुपए न लाने पर जान से मारने की धमकी तक दे डाली। फिलहाल शिवानी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर बंथरा पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

रोडवेज बसें दोड रही भगवान भरोसे यात्री लगा रहे धक्का

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। प्रदेश में रोडवेज बसों की हालत इतनी खस्ता है कि वह रास्ते में कब कहां खड़ी हो जाए, इसका कोई भरोसा नहीं रह गया है। ऐसा ही एक उदाहरण बुधवार को सरोजनीनगर में देखने को मिला। जहां गोरखपुर से दिल्ली जा रही कौशांबी डिपो की रोडवेज बस अचानक रास्ते में एयरपोर्ट कमर्शियल तिराहे के पास खराब हो गई। हालाकि बस चालक ने काफी कोशिश की, लेकिन बस स्टार्ट नहीं हुई। इसके बाद बस के यात्रियों ने धक्का मार कर उसे अमौसी रोडवेज वर्कशॉप पहुंचाया। जहां उसकी मरम्मत का काम जारी है। बदायूं जिले का रोडवेज बस चालक मुकलेश बुधवार शाम कौशांबी डिपो की रोडवेज बस (यूपी 78 एफएन 5431) लेकर गोरखपुर से दिल्ली जा रहा था। बस में 30 यात्री सवार थे। तभी शाम करीब 7 बजे सरोजनी नगर में एयरपोर्ट कमर्शियल तिराहे के पास बस का इंजन अचानक बंद हो गया और बस खड़ी हो गई। इस दौरान चालक ने बस का इंजन स्टार्ट करने की काफी कोशिश की, लेकिन बस स्टार्ट नहीं हुई। बस को लेट लतीफ होते देख उस पर सवार यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। बस में सवार यात्री संतोष ने बताया कि वह गोरखपुर से दिल्ली जा रहा है। उसे गुरुवार सुबह दिल्ली से फ्लाइट पकड़कर विदेश जाना है, लेकिन बस के खराब हो जाने से उसकी फ्लाइट छूट सकती है। उधर काफी देर तक बस ना स्टार्ट हुई तो बस चालक ने यात्रियों से धक्का मरवा कर उसे करीब 500 मीटर दूर अमौसी रोडवेज वर्कशॉप पहुंचाया। फिलहाल वर्कशॉप में मैकेनिकों की टीम खराबी दूर करने में जुटी है।

मंत्री बिमल बोरा ने लिया दरंग जिले में केंद्रीय रुप में आयोजित विश्व महावीर सिलाराय दिवस समारोह के में भाग

तीसरा विकल्प न्यूज़ पंकज नाथ

असम। सांस्कृतिक मामलों के विभाग की पहल के तहत दरंग जिला प्रशासन, कोच राजबोंगशी उन्नयन परिषद, अखिल असम कोच राजबोंगशी सम्मेलन के सहयोग से आज दरंग जिले के मंगलदोई स्थित गांधी मैदान में 515 वें विश्व महावीर सिलाराय दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, असम सरकार के सांस्कृतिक मामलों के राज्य मंत्री, बिमल बोरा ने बड़ी श्रद्धा के साथ विश्व महावीर सिलाराय को याद किया, जिन्होंने देशभक्ति, अदम्य साहस और वीरता के साथ असम के जातीय जीवन में एक सुनहरा अध्याय बनाया था । उनका कहना है कि विश्व महावीर सिलाराय एक शानदार योद्धा और विद्वान व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को सिलाराय के व्यक्तित्व को जानना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोच साम्राज्य के विस्तार, मजबूत सैन्य शक्ति के गठन के अलावा विश्व महावीर सिलाराई ने समाज और संस्कृति के विकास में उत्कृष्ट योगदान दिया था । मंत्री ने आशा व्यक्त की कि आने वाले दिनों में भी उनके आदर्शों, अद्वितीय बलिदान और देशभक्ति को याद करेंगे। इस अवसर पर दरंग -उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के सांसद दिलीप सैकिया ने दरंग में सिलाराय दिवस को केंद्रीय रुप में आयोजित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को विश्व महावीर सिलाराय के कार्य, अदम्य साहस, आदर्श, चातुर्य आदि बताने का प्रयास किया जाए ताकि इसे इतिहास की स्वर्णिम पत्तियों से समृद्ध रखा जा सके। सांसद ने कहा कि कोच राजबोंगशी उन्नयन परिषद के माध्यम से कई जिलों में सिलाराई भवन का निर्माण पहले ही किया जा चुका है और उत्तरी गुवाहाटी में कोच राजबोंगशी सम्मेलन के एक कार्यालय के लिए केंद्रीय रूप से भूमि आवंटित की गई है। इस अवसर पर नामित वक्ता के रूप में उपस्थित रहें डॉ. कमला कांत बोरा ने अपने भाषण में कहा कि विश्व महावीर सिलाराई द्वारा ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में दिखाया गया समर्पण हम सभी के लिए उत्साहजनक है। सिलाराय के आदर्शों से प्रेरित होकर मैं निजी जीवन, सामाजिक जीवन में बेहतर कर सकता हूं। उन्होंने दरंग में सिलाराय दिवस आयोजित करने के लिए असम सरकार को धन्यवाद दिया। कोच राजबोंगशी उन्नयन परिषद के अध्यक्ष प्रणव नारायण देव द्वारा उद्देश्य स्पष्ट की गई इस अवसर पर मंगलदोई विधानसभा क्षेत्र के विधायक बसंत दास, सिपाझार विधानसभा क्षेत्र से विधायक डॉ. परमानंद राजबंशी, मत्स्य विकास निगम के अध्यक्ष गुरुज्योति दास, असम राज्य महिला आयोग के उपाध्यक्ष नीलिमा देवी, दरंग जिले की आयुक्त पराग कुमार काकती सहित गणमान्य व्यक्ति और दरंग जिले में कोच वंश के भूमिपुत्र आदि मौजूद थे । इस अवसर पर मंत्री बिमल बोरा ने दरंग कोच वंश के सुप्रसिद्ध सपूत, प्रख्यात चिकित्सक एवं साहित्यकार डॉ. अमरेन्द्र नारायण देव को सम्मानित किया।

लखनऊ के आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के श्रेयस लोहिया बने यूपी स्टेट टॉपर

लखनऊ। परीक्षा तैयारी सेवाओं में अग्रणी देश के प्रमुख संस्थान, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एएईएसएल) ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेन्स 2०25 (सत्र 1) में एक शानदार सफलता की घोषणा की है। लखनऊ के श्रेयस लोहिया ने जेईई मेन्स 2०25 के पहले सत्र में 1०० पर्सेंटाइल हासिल कर राज्य में टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया। अथर्व गुप्ता (99.95 पर्सेंटाइल), आयुष सिंह यादव (99.92 पर्सेंटाइल), ऋषभ पटेल (99.88 पर्सेंटाइल), शौर्य गुप्ता (99.82 पर्सेंटाइल) सहित लखनऊ के 3० अन्य छात्रों ने जेईई मेन्स 2०25 के पहले सत्र में 99 पर्सेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। यह परिणाम भारत की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक में छात्रों की कठिन मेहनत और शैक्षणिक उत्कृष्टता को दर्शाता है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने आज इन परिणामों की घोषणा की, जो इस वर्ष के दो निर्धारित जेईई सत्रों की शुरुआत का पहला एग्जाम रिजल्ट है। छात्रों को उनकी इस सफलता के लिए आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के रीजनल डायरेक्टर डीके मिश्रा ने बधाई दी। उन्होंने कहा, जेईई मेन्स 2025 में हमारे छात्रों की शानदार सफलता पर हमें गर्व है। उनकी कठिन मेहनत और समर्पण के साथ-साथ आकाश की गुणवत्तापूर्ण कोचिंग ने इन बेहतरीन परिणामों को संभव बनाया है। हम आकाश में हमेशा ऐसे पाठ्यक्रमों पर जोर देते हैं जो छात्रों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुँचने में मदद करें। हम सभी सफल छात्रों को बधाई देते हैं और उनके भविष्य के अगले चरण के लिए उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएँ देते हैं। जेईई (मेन) को दो सत्रों में आयोजित किया जाता है, जिससे छात्रों को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के कई मौके मिलते हैं। जेईई एडवांस्ड विशेष रूप से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में प्रवेश का द्वार है, जबकि जेईई मेन्स भारत के विभिन्न राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (एनआईटी) और अन्य केंद्रीय सहायता प्राप्त इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए प्रवेश परीक्षा के रूप में कार्य करता है।

हीरालाल यादव जी के 95वें जन्मदिवस के अवसर पर मूर्ति अनावरण व हीरालाल यादव ग्रुप ऑफ ऑफ कालेजेज का 28वांस्थापनादिवस/वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। हीरालाल यादव की स्मृति में हीरालाल यादव ग्रुप ऑफ कालेजेज वर्ष 1996 से लगातार शिक्षा के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि मा. शिवपाल सिंह यादव (राष्ट्रीय महासचिव, समाजवादी पार्टी एवं पूर्व कैबिनेटमंत्री, उ.प्र. सरकार) एवं विशिष्ट अतिथि मा. आर.के. चौधरी (सांसद, मोहनलालगंज), मा. श्रीमती कांति सिंह (पूर्व सदस्य विधान परिषद एवं मुख्य प्रशासिका, लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एण्ड कॉलेजेज), डॉ. आनन्दमुनि (कोआर्डिनेटर, सी.बी.एस.ई. बोर्ड), मा. सी.एल. वर्मा (प्रदेश उपाध्यक्ष, समाजवादी पार्टी), विजय बहादुर यादव (पूर्व अध्यक्ष, जिला पंचायत लखनऊ), डी.जी. सिंह (शिक्षाविद, संस्थापक प्रबन्धक न्यू पब्लिक ग्रुप ऑफ स्कूल एण्ड कालेजेज), महाविद्यालय के संस्थापक प्रबन्धक श्याम किशोर यादव, चेयरमैन राम सिंह यादव, प्रबन्ध निदेशक इं. अनुराग, प्रबन्ध निदेशिका इं. तनुष्का, डॉ. श्रेया, डॉ. अनामिका श्रीवास्तव (प्राचार्या, पी.जी. कालेज) द्वारा आदरणीय हीरालाल यादव जी की मूर्ति का अनावरण, माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलन के साथ किया गया। सर्वप्रथम सरस्वती वन्दना एवं सर्वधर्म प्रार्थना हीरालाल यादव पब्लिक स्कूल द्वारा प्रस्तुत की गयी। तदुपरान्त विभिन्न संकायों के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनोहारी प्रस्तुती दी गयी, जिसमे मुख्य रूप से प्राइमरी विभाग के नन्हे मुन्ह बच्चों द्वारा देश प्रेम की भावना से ओत प्रोत समूहनृत्य प्रस्तुत किया। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए कला संकाय द्वारा शान ए अवध, वाणिज्य विभाग द्वारा शिवनृत्य उपासना, विज्ञान संकाय द्वारा कालबेलिया, बी.एड. विभाग द्वारा महाकुम्भ, डी.एल.एड. विभाग द्वारा समागम, बी.एस.सी. कृषि द्वारा भारतीय विविधता पर आधारित समूहनृत्य, इण्टर कालेज द्वारा शिवपार्वती संवाद, पब्लिक स्कूल, बेंती द्वारा विष्णु भगवान पर आधारित नृत्य एवं एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा समूह नृत्य प्रस्तुत किए जो अत्यन्त भावपूर्ण एवं सरस थे। कार्यक्रम के अनन्तर श्रीराम सिंह यादव (चेयरमैन, हीरालाल यादव ग्रुप ऑफ कालेजेज) ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि हमारे संस्थान के लिए यह बेहद महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण क्षण है। इस सुनहरे अवसर पर आप सबको सम्बोधित करने का अवसर पाकर मैं स्वंय को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। मेरे परम् पूज्य पिता श्री हीरालाल यादव जी द्वारा बालिका शिक्षा के क्षेत्र में किए गये अतुलनीय कार्यों को स्मरण करते हुए अपने आशीर्वचनों से छात्र/छात्राओं को अभिसिंचित किया। तत्पश्चात् मा. मुख्य अतिथि श्री शिवपाल सिंह यादव जी द्वारा विद्यालय समूह के मेधावी छात्र/छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिसमें हीरालाल यादव पब्लिक स्कूल, सी.बी.एस.ई. बोर्ड की इण्टरमीडियट टॉपर दीपान्पुराज शर्मा 97 प्रतिशत, हाईस्कूल टॉपर मानसी सोनकर 96 प्रतिशत, हीरालाल यादव बालिका इण्टर कालेज हाईस्कूल टॉपर आंचल गुप्ता 96 प्रतिशत, यू.पी. बोर्ड की इण्टरमीडियट टॉपर आफरीन को साईकिल, मेडल, प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में डी.एल.एड. की शैलजा वर्मा 92.31 प्रतिशत, बी.कॉम. आनर्स की सारिका सिंह 82.73 प्रतिशत, बी.ए. की पारूल 81.6 प्रतिशत, एम.ए. समाजशास्त्र की सौम्या शाही 79.4 प्रतिशत, एम.ए. हिन्दी की निहारिका राजपूत 79.1 प्रतिशत, बी.कॉम. की विभा सिंह 78.3 प्रतिशत, बी.एड. की खुशबू कुमारी 78.17 प्रतिशत, बी.एस.सी. से प्रतिभा सिंह 77.7 प्रतिशत, एम.ए. गृहविज्ञान की स्मृति सिंह 75.8 प्रतिशत, एम.कॉम. की हर्षिता सिंह 74.50 प्रतिशत, बी.बी.ए. की इकरा सिद्दकी 65.3 प्रतिशत, हीरालाल यादव मेमोरियल ट्रस्ट ऑफ एजुकेशन की बी.ए. की छात्रा मुस्कान चौधरी 82.5 प्रतिशत, हीरालाल यादव लॉ कालेज के एल.एल.बी. त्रिवर्षीय में प्राची यादव 76.5 प्रतिशत, एल.एल.बी. पंचवर्षीय में साक्षी तिवारी 75.96 प्रतिशत, हीरालाल लॉ कालेज बेंती एल.एल.बी. त्रिवर्षीय में राजन श्रीवास्तव 75.2 प्रतिशत को मेडल, प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। हीरालाल यादव पब्लिक स्कूल, बेंती, सरोजनी नगर, लखनऊ से 18 छात्र-छात्राओं का चयन यू.पी. सैनिक स्कूल एवं 5 छात्र-छात्राओं का चयन राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल में हुआ है उन सभी को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय इण्डियन मिलट्री कालेज देहरादून में नक्षत्र सक्सेना ने जून 2024 की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। मा. शिवपाल सिंह यादव जी ने छात्र/छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सब इस देश का भविष्य है आप जितनी मेहनत करेंगे उतना ही देश विकास करेगा। आपके आने वाले जीवन के लिए बहुत सारी शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनामिका श्रीवास्तव जी ने पुरस्कृत छात्र/छात्राओं का उत्साहवर्धन किया एवं छात्र/छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामना की। उपरोक्त कार्यक्रम में सभी शाखाओं के प्राचार्य / प्राचार्या एवं प्रधानाचार्यों में डॉ. अनामिका श्रीवास्तव (प्राचार्या, पी.जी. कालेज), डॉ. संजीव कुमार (प्राचार्य, हीरालाल यादव लॉ कालेज), डॉ. चित्रा त्रिपाठी (प्राचार्या, हीरालाल यादव मेमोरियल ट्रस्ट ऑफ एजूकेशन), प्रतिभा पाण्डेय (प्रधानाचार्या बालिका इण्टर कालेज), पूनम श्रीवास्तव (प्रधानाचार्या, हीरालाल यादव पब्लिक स्कूल, सरोजनी नगर), यामिनी तिवारी (प्रभारी, हीरालाल यादव पब्लिक स्कूल. बेती), नीतू रस्तोगी (प्रधानाचार्या, हीरालाल यादव प्राइमरी सेक्शन) उपस्थित रहीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम का समापन हीरालाल यादव बालिका इण्टर कालेज की छात्राओं द्वारा होली नृत्य से किया गया। कार्यक्रम के अन्त में बालिका इण्टर कालेज की प्रधानाचार्या प्रतिभा पाण्डेय के द्वारा आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में हीरालाल समूह के विविध संस्थाओं के सभी पदाधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. रति अवस्थी (असि.प्रो., कला संकाय), सलोनी छाबड़ा (असि.प्रो., हीरालाल यादव लॉ कालेज), संजीत कौर (असि.प्रो., कला संकाय) के द्वारा किया गया।

संपादकीय

देर से उठाया कदम

भले ही न टाली जा सकने वाली विषम परिस्थितियों के चलते हुआ हो, मणिपुर के विवादित मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने आखिरकार इस्तीफा दे दिया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने दिल्ली की ऐतिहासिक चुनावी जीत का मजा किरकिरा न होने देने के इरादे से उनका इस्तीफा दिलवाना बेहतर विकल्प समझा। इस हिंसाग्रस्त पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा के कारण हुई मौतों और विस्थापन पर सार्वजनिक माफी मांगकर खेद जताने के एक माह से कुछ अधिक समय बाद बीरेन सिंह ने आखिरकार अपना पद छोड़ ही दिया। दरअसल, उनका यह अस्त्र काम नहीं आया। विडंबना यह है कि उनकी कथित बातचीत का एक ऑडियो टेप कुछ समय पहले लीक हुआ है। जिसमें टेलीफोन पर हुई वह बातचीत रिकॉर्ड हुई बताई जाती है, जिसमें जातीय हिंसा भड़काने में उनकी भूमिका उजागर होती है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सत्यता प्रमाणित करने के लिये इस टेप को केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला को भेजा गया है। शीर्ष अदालत ने सीलबंद लिफाफे में यह रिपोर्ट सौंपने के आदेश दिए हैं। लगता है कि मणिपुर में विपक्षी दलों द्वारा बीरेन सिंह को हटाने की मुहिम में सत्तारूढ़ दल के कुछ विधायकों के शामिल होने की आशंका को भांपते हुए बीरेन सिंह को इस्तीफा देने को कहा गया है। उनके खिलाफआरोपों की गंभीरता के मद्देनजर इस्तीफे को बचने के एक रास्ते के तौर पर देखा गया है। बहरहाल, राज्य सरकार व पार्टी को इससे पहले ही काफी नुकसान हो चुका है और यह इस्तीफा बहुत देर से आया है। मणिपुर में मई 2023 से शुरू हुई जातीय हिंसा में करीब ढाई सौ लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। लेकिन राज्य सरकार स्थिति को संभालने में विफल रही है। विडंबना यह है कि व्यापक हिंसा व आगजनी के बाद बीरेन को पद से हटाने की मांग को नजरअंदाज किया जाता रहा है। विपक्ष इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को भी सवालों के घेरे में लेता रहा है।बहरहाल, अब सवाल यह उठता है कि मुख्यमंत्री बदलने से क्या जमीनी हकीकत में बदलाव आ सकेगा? नया नेतृत्व क्या वह इच्छाशक्ति दिखा पाएगा जिससे मैती व कुकी समुदायों के बीच गहरी हुई खाई को पाटा जा सकेगा? निस्संदेह, मणिपुर के लोग न्याय व शांति का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में लोगों का भरोसा जीतना केंद्र सरकार की पहली जिम्मेदारी बनती है। ताकि राज्य में शांति व सद्भाव कायम हो सके। वहीं दूसरी ओर बजट सत्र को टालने से राज्य में राष्ट्रपति शासन की आशंका भी जतायी जा रही है। वैसे राज्य में दोनों प्रमुख समुदायों के बीच जिस हद तक अविश्वास हावी है, उसे देखते हुए शीघ्र सुलह-समझौते की उम्मीद कम ही है। यहां तक कि कुकी समुदाय अपने लिये अलग प्रशासनिक व्यवस्था की मांग जोर-शोर से उठाता रहा है, तो वहीं मैती समुदाय इस मांग का प्रबल विरोध करता रहा है। बहरहाल, प्राथमिकता राज्य में शांति व्यवस्था स्थापित करने की होनी चाहिए, ताकि विस्थापित लोग कानून पर भरोसा करते हुए अपने घरों को लौट सकें। सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा बलों से दोनों समुदायों द्वारा लूटे गए हथियारों की बरामदगी की भी है। यहां तक कि पुलिस व सुरक्षा बलों पर भेदभाव के आरोप भी लगते रहे हैं। निश्चित रूप से राज्य में पुलिस व सुरक्षा बलों के सर्वप्रथम अपनी विश्वसनीयता कायम करनी होगी। ये आने वाला वक्त बताएगा कि बीरेन सिंह के बाद सत्ता की बागडोर थामने वाला व्यक्ति किस हद तक स्थितियों को सामान्य बनाने में सक्षम होता है। सवाल यह भी है कि राज्य विधानसभा के लिये एक साल के भीतर होने वाले चुनाव क्या समय पर हो पाते हैं? बहरहाल, राज्य के मौजूदा हालात में निष्पक्ष और संवेदनशील शासन की जरूरत है, जिससे आहत लोगों के जख्मों पर मरहम लगाया जा सके। भले ही बीरेन सिंह ने राजनीतिक मजबूरी में ही इस्तीफा दिया हो, लेकिन शांति की संभावनाओं को इससे संबल जरूर मिलेगा। खासकर उन लोगों को राहत मिलेगी जो पूर्व मुख्यमंत्री पर पक्षपात के आरोप लगाते रहे हैं।

महाकुंभ में वीआईपी बनाम भीड़

भारत में करीब 5.80 लाख लोगों को सरकारी सुरक्षा हासिल है। उन्हें ही 'अति विशिष्ट' माना जाता है। उनके आगे-पीछे पुलिस के वाहन दौड़ते हैं और सड़क का रूट साफ करते रहते हैं। सुरक्षा बलों के जवान और वाहन भी इस जमात की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। भारत के संविधान और गृह मंत्रालय की सुरक्षा संबंधी सूची में सिर्फ राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ही देश के 'अति विशिष्ट चेहरे' हैं। उनकी सुरक्षा एक संवैधानिक दायित्व भी है। वे प्रयागराज के महाकुंभ में, त्रिवेणी संगम में, पवित्र और आस्थामय स्नान करने गए, उन्हें 'अति विशिष्ट' का आतिथ्य दिया गया, सुरक्षा बंदोबस्त किए गए, एक अलग सड़क उनकी आवाजाही के लिए तय की गई, उन्हें भीड़ के महाजाम में फंसना नहीं पड़ा, हमें इस व्यवस्था और स्थिति पर कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि वे भारत के 'प्रतीक चेहरे' हैं। सवाल उन वीआईपी टिकटों पर है, जिनकी बंदरबांट की गई, जिन्हें ऐसा रुतबा हासिल नहीं है और न ही संविधान में उनका कोई प्रावधान है। यदि सुरक्षा-व्यवस्था ऐसे 'अति विशिष्ट' व्यक्तियों की सेवा में लगी रही और महाकुंभ तथा आसपास के क्षेत्रों में 20-25 किलोमीटर या उससे भी अधिक का महाजाम श्रद्धालुओं को 'त्राहि माम' करने पर विवश करता रहा।

भारतीयों का पलायन: एक दशक में क्या बदला!

मंगलवार को राज्यसभा में सपा प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव ने फ्रांस और अमेरिका की यात्रा पर निकले नरेन्द्र मोदी पर एक जबरदस्त तंज कसा। उन्होंने कहा कि पिछली अमेरिका यात्रा में आप हीरा लेकर गए थे, इस बार आपको सोने की जंजीर लेकर जाना चाहिए था, ताकि उसे देखकर डोनाल्ड ट्रंप को कोई दूसरी जंजीर याद आए। उन्होंने यह भी कहा कि आप लौटते में अपने जहाज में न सही, दूसरे जहाज में कुछ महिलाओं और बच्चों को साथ ले आएं, ताकि कम से कम कोई सम्मानजनक तरीके से वापस आ जाए। तंज के रूप में ही सही लेकिन सपा सांसद ने एक महत्वपूर्ण बिंदु सदन में उठाया और इससे पहले भी कुछ दिनों पहले संसद के बाहर विपक्षी सांसदों ने हथकड़ियों के साथ मोदी सरकार के सामने प्रदर्शन किया था, ताकि सरकार भारत और भारतीय नागरिकों के अपमान को अमेरिका के सामने पुरजोर तरीके से उठाए। हालांकि अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को हाल ही में जिस अमानवीय तरीके से ट्रम्प सरकार ने वापस भेजा है, मोदी समर्थक उसे न केवल जायज ठहरा रहे हैं, बल्कि वे उन भारतीयों को शड्रग तस्करश् तक कहने से भी नहीं हिचकिचा रहे। सेना के जहाज में बेड़ी-हथकड़ी पहनाकर बैठाना, उन्हें भूखा-प्यासा रखना, पेशाब-पाखाने के लिए घसीट कर ले जाना - इन सब तौर-तरीकों पर जब न केवल बुद्धिजीवियों और विपक्ष के नेताओं ने, बल्कि आम जनता ने भी सवाल उठाये तो उन्हें भी तथाकथित अपराधियों का समर्थक बता दिया गया। और भी कई तरह के कुतर्क अमरीकी सरकार की इस कार्रवाई के पक्ष में गढ़ लिये गये हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकतीं कि किसी भी देश में बिना इजाजत जाना और रहना वहां के कानून के मुताबिक अपराध ही है, लेकिन इस सवाल का कोई जवाब अब तक नहीं मिला है कि डोनाल्ड ट्रम्प ने जब अमेरिका में गैर कानूनी ढंग से रह रहे प्रवासियों को वापस भेजने का खुला ऐलान कर ही दिया था तो भारत सरकार ने इस बारे में कोई पूछताछ क्यों नहीं की। जब कोलम्बिया और मैक्सिको जैसे छोटे-छोटे देशों ने ट्रम्प की कार्रवाई का विरोध किया तो भारत सरकार चुप क्यों रह गई और क्यों पूरी दुनिया के सामने देश को शर्मसार होने दिया। आखिर क्यों विदेश मंत्री ने लचर सी प्रतिक्रिया दी कि ये तो अमेरिका का शस्टैंडर्ड प्रोसीजरश् है और पहले भी ऐसा होता आया है। क्या विदेश मंत्री महोदय भूल गये कि बाइडेन की सरकार ने भी तकरीबन डेढ़ हजार भारतीय प्रवासियों को वापस भेजा था, लेकिन उसकी कहीं कोई चर्चा नहीं हुई। ट्रम्प ने अपना राक्षसी चेहरा न दिखाया होता तो देश-दुनिया को बाइडेन की कार्रवाई का शायद पता ही नहीं चलता। भारत सरकार से पूछा जाना चाहिये कि जिस देश में लावारिस लाशों को भी सम्मान दिया जाता है, उस देश के नागरिकों के साथ पशुवत व्यवहार उसने कैसे स्वीकार कर लिया। अभी एक साल भी नहीं हुआ है जब मानवाधिकारों के उल्लंघन पर अमेरिकी रिपोर्ट को भारत ने खारिज कर दिया था। तो फिर अमेरिका द्वारा भारतीय नागरिकों के मानवाधिकारों के उल्लंघन को भारत ने कैसे स्वीकार कर लिया ? मोदी सरकार के शुतुरमुर्गी रवैये के दो कारण हो सकते हैं। एक तो उसके शब्दकोश से श्मानवीय गरिमाश् शब्द गायब हो चुका है। दूसरे, अपने ही देश में अपने ही नागरिकों के साथ वह जिस तरह से अब तक पेश आती रही है, वह दूसरे किसी देश में या दूसरे किसी देश द्वारा भारतीयों के साथ किये जाने वाले अमानवीय व्यवहार के खिलाफ बोलने का नैतिक अधिकार भी खो चुकी है। अल्पसंख्यकों, मजदूरों, किसानों और बेरोजगारों के प्रति सरकार और उसके समर्थकों की नफ़रती सोच जब तब उजागर होती रहती है। सबसे बड़ा और ज्वलंत उदाहरण तो पिछले डेढ़ साल से सुलगता मणिपुर ही है, जहां मुख्यमंत्री का इस्तीफा तो हो गया है, लेकिन प्रधानमंत्री के पदार्पण की आस अब भी नहीं है। वापस भेजे गये भारतीयों के बारे में पूछा जा रहा है कि आखिर वे वहां गये ही क्यों थे। सवाल दरअसल ये होना चाहिये कि जब देश में विकास के बड़े-बड़े दावे किये जा रहे हों, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का तमगा सीने पर लटकाया जा रहा हो तो बड़ी संख्या में लोग देश से पलायन क्यों कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि लगभग सवा 7 लाख भारतीय अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे हैं, जिनमें से ज्यादातर पंजाब और गुजरात से हैं। साल 2023 के आखिर में फ्रांस में ईंधन लेने के लिए रुके एक विमान में सवार 60 गुजरातियों को वापस भारत भेज गया था। वे सैलानी बनकर निकारागुआ के रास्ते अमेरिका में घुसना चाहते थे। अमेरिका के होमलैण्ड सिक्योरिटी डिपार्टमेन्ट के अंतर्गत काम करने वाली यूएस कस्टम एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन पेट्रोल द्वारा विदेशी नागरिकों के आंकड़े हर साल जारी किये जाते हैं, जो गैर कानूनी तरीके से अमेरिका में प्रवेश करते हुए पकड़े जाते हैं। उसके अनुसार ऐसे भारतीय नागरिकों की संख्या 2012 में 1 हजार से काफी कम थी, जो 2023 में लगभग 1 लाख हो गई। अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 के बीच उसने 90 हजार से भी ज्यादा भारतीयों को अमेरिका में बिना इजाजत घुसते हुए गिरफ्तार किया। इनमें से आधे कनाडा की और बाकी मेक्सिको की सीमा पर अमेरिकी सीमा सुरक्षा बल द्वारा गिरफ्त में लिये गये। कानूनी तरीके से विदेश जाकर बसने वाले भारतीयों की संख्या भी देखें तो विदेश मंत्रालय के ही आंकड़ों के अनुसार 2014 से 2023 के बीच 10 लाख से ज्यादा लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ दी। साल 2022 और 23 में तो नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों की संख्या तकरीबन 5 लाख थी।

मंगलवार को राज्यसभा में सपा प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव ने फ्रांस और अमेरिका की यात्रा पर निकले नरेन्द्र मोदी पर एक जबरदस्त तंज कसा

दिल्ली में आप की हार से इंडिया ब्लॉक को सबक लेते हुए आगे देखना होगा

नित्य चक्रवर्ती

दिल्ली विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) की हार और भाजपा की जीत निश्चित रूप से विपक्षी इंडिया ब्लॉक के लिए झटका है, लेकिन इसका मतलब आप का अंत या इंडिया ब्लॉक के लिए अंतिम झटका नहीं है, जैसा कि राष्ट्रीय मीडिया और टीवी चौनलों के कुछ टिप्पणीकार इसे पेश कर रहे हैं। जिन लोगों ने दिल्ली के मतदाताओं के मूड का अध्ययन किया है, वे पहले से ही जानते थे कि 2025 के चुनावों में, भाजपा को हराकर सत्ता बरकरार रखना आप के लिए बहुत कठिन होगा, क्योंकि दिल्ली की सत्तारूढ़ पार्टी के दो कार्यकाल पूरे होने के बाद सत्ता विरोधी लहर थी। अंतिम निर्णायक बात यह रही कि मतदान से चार दिन पहले 1 फरवरी को घोषित 2025-26 के केंद्रीय बजट में आयकर में बड़ी छूट दी गयी और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की गयी। भाजपा के पक्ष में जनादेश दिल्ली के वेतनभोगी मध्यम वर्ग द्वारा लाया गया, जो दिल्ली के 1.56 करोड़ मतदाताओं में से अधिकांश हैं। उन्हें सीधे नकद लाभ मिला। निश्चित रूप से इसका कुछ दिनों बाद मतदान के दिन तत्काल प्रभाव पड़ा। फिर भी, मतदान के आंकड़े बताते हैं कि लड़ाई एकतरफा नहीं थी। बल्कि, यह एक कड़ा संघर्ष था। भाजपा को 45.56 प्रतिशत वोट मिले, जबकि आप को 43.57 प्रतिशत, यानी केवल 2 प्रतिशत का अंतर, हालांकि सीटों के मामले में भाजपा को 48 और आप को केवल 22 वोट मिले। इसके अलावा, इंडिया ब्लॉक की दोनों पार्टियों आप और कांग्रेस के वोटों को मिलाकर आप-कांग्रेस को लगभग 50 प्रतिशत वोट मिले और सीटों के मामले में, अगर गठबंधन होता तो इंडिया ब्लॉक के खाते में 14 और सीटें आतीं। इसका मतलब है कि अगर आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन होता तो इंडिया ब्लॉक कुल 70 सीटों में से 36 सीटें जीतकर मामूली जीत हासिल कर सकता था। इसके अलावा, आप ने दलितों, गरीबों और मुसलमानों के अपने आधार को बरकरार रखा, जैसा कि निर्वाचन क्षेत्रवार मतदान पैटर्न के विश्लेषण से पता चलता है।

यह फैसला मतदान के दिन आप से भाजपा की ओर बड़े पैमाने पर मध्यम वर्ग के झुकाव का नतीजा था, जबकि गरीब कमोबेश आप और कांग्रेस के साथ खड़े थे। तो, सबक यह है कि विधानसभा चुनाव से पहले आप और कांग्रेस दोनों ने गठबंधन के मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला। उन्हें विधानसभा चुनाव से पहले सीट बंटवारे पर कुछ समझ बना लेनी चाहिए थी, हरियाणा और महाराष्ट्र में पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा की सफलता को ध्यान में रखते हुए। चूंकि ऐसा नहीं हुआ, इसलिए आप और कांग्रेस के लिए सबसे अच्छी बात यह होगी कि वे जमीनी हालात का निष्पक्षता से आकलन करें और भाजपा से मुकाबला करने के लिए अगले दौर की तैयारी करें। अब तक आप दो राज्यों, दिल्ली और पंजाब में सत्ताधारी पार्टी थी। अब दिल्ली हार गयी है और सिर्फ पंजाब बचा है। भाजपा अब उत्तर भारत में पंजाब और पूर्वी हिस्से में बिहार पर सबसे ज्यादा ध्यान देगी, जहां इस साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं। पंजाब में आप की सरकार थोड़ी अस्थिर रहेगी, क्योंकि दिल्ली और पंजाब के चुनावी पैटर्न में कुछ समानताएं हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में आप के हाथों पंजाब में परास्त हुई कांग्रेस इस बार पंजाब में आप सरकार को चुनौती देने के लिए खुद को संगठित करने में सबसे अधिक सक्रिय होगी। भाजपा भी अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेगी और आप तथा कांग्रेस दोनों को चुनौती देने के लिए नये सहयोगियों को अपने पाले में लाने की कोशिश कर सकती है। पंजाब के चुनावी मैदान में त्रिकोणीय मुकाबला होगा, जहां दिल्ली की तरह ही इंडिया ब्लॉक के दो सहयोगी दल एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। लेकिन एक अंतर यह है कि भाजपा अभी पंजाब में कोई बड़ी ताकत नहीं है। आगामी विधानसभा चुनाव में आप और कांग्रेस दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी होंगे। इंडिया ब्लॉक के लिए बिहार सबसे महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव है और साल के अंत में होने वाले चुनाव में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को चुनौती देने के लिए राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के साथ एक आदर्श चुनावी समझौता करने के लिए सभी प्रयास करने होंगे। इंडिया ब्लॉक को किसी भी कीमत पर यह चुनाव जीतना है। इस बात को ध्यान में रखते हुए, कांग्रेस को भी सही तरीके से व्यवहार करना होगा क्योंकि पार्टी, अपने कम स्ट्राइक रेट के बावजूद, हमेशा जमीन पर अपनी वास्तविक ताकत की तुलना में अधिक सीटों की मांग करती है। इस बार, राजद और कांग्रेस को बहुत पहले से चुनावी बातचीत शुरू कर देनी चाहिए और उस पर काम करना चाहिए। जहां एक ओर भाजपा अपनी राजनीतिक और चुनावी रणनीति को लगातार अपडेट करके इंडिया ब्लॉक को हराने के लिए सतर्क और चुस्त है, वहीं इंडिया ब्लॉक पार्टियों में एक तरह की नींद है। नेतृत्व निष्क्रिय है। लोकसभा चुनाव के बाद से इंडिया ब्लॉक नेताओं की कोई पूर्ण बैठक नहीं हुई है। संसद के सत्रों के दौरान केवल समन्वय ही पर्याप्त नहीं है। चूंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव अब समाप्त हो चुके हैं और अगले विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने हैं, इसलिए यह सही समय है कि इंडिया ब्लॉक की पार्टियां मिलें और नवीनतम राजनीतिक स्थिति की विस्तृत समीक्षा करें और अपनी रणनीति को अपडेट करें। विधानसभा चुनावों और उपचुनावों ने इंडिया ब्लॉक पार्टियों में नये और पुराने दोनों ही चेहरे सामने लाये हैं जो बीजेपी के खिलाफ संघर्ष की गति को तेज करने के लिए ब्लॉक के लिए बदलाव के वाहक के रूप में काम कर सकते हैं।

मेष:- भविष्य के प्रति मन में चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्तव्यों का ठीक ढंग से निर्वहन् करें। वर्तमान कार्य से मन में असन्तुष्टि उत्पन्न होगी। आलस्य का त्याग करें।

बृषभ:- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व बुद्धिजीवियो से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राएं करनी होंगी।

मिथुन:- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुन्दर छबि बनावें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओ की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा।

कर्क:- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिला-जुला संजोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। घर में खुशहाल स्थिति प्रसन्न रखेगी।

सिंह:- पारिवारिक दायित्वों की चिंता उत्पन्न होगी। स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति ध्यान देवें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या:- छोटी-छोटी पारिवारिक बातों को बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन सगे-संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाएं याद आएंगी।

तुला:- वक्त के साथ समझौता कर चलने की चेष्ठा करें। अपने कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझे और अपने को उसी दिशा की ओर केंद्रित करें। रोजगार में अपनी क्षमता का पूर्ण लाभ उठाएंगे।

वृश्चिक:- जीवन में सही लक्ष्य व सुदृढ़ता को सुनिश्चित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंधी से बिशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार हैं।

धनु:- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धिमत्ता से पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर:- महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्टि पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय अपेक्षित है।

कुंभ:- शासन-सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

अधूरा न्याय: जल रही है संघर्ष की मशाल!

आलेखः जी सुबर्णा, अनुवाद : संजय पराते

आरजी कर मामले में सियालदाह कोर्ट के फैसले ने कोलकाता पुलिस, राज्य प्रशासन और सीबीआई की भूमिका पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। संजय रॉय को हत्या और बलात्कार के मुख्य अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया है और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है, लेकिन यह फैसला खुद सीबीआई जांच में कई खामियों की ओर इशारा करता है। संजय रॉय को एकमात्र अपराधी मानना कई सवालों को अनुत्तरित छोड़ देता है। अनुत्तरित सवाल सबसे पहले, कोलकाता पुलिस ने घटना के बाद रात में ही संजय को गिरफ्तार कर लिया था। मुख्यमंत्री ने उसे मुख्य आरोपी घोषित किया था और कहा था कि उनकी पार्टी और सरकार उसे फांसी पर लटकाना चाहती है। अगर ऐसा था, तो पीड़ित के माता-पिता को अस्पताल में तीन घंटे तक क्यों इंतजार करवाया गया, उन्हें अपने बच्चे के शव तक पहुंचने से क्यों रोका गया? पुलिस ने स्वास्थ्य सिंडिकेट के सदस्यों को उन तीन घंटों के दौरान सेमिनार हॉल में क्यों खुलेआम घूमने दिया? डीसी सेंट्रल ने पुलिस फिंगर प्रिंट विशेषज्ञों की तस्वीरों को क्रॉप करके क्यों पेश करने की कोशिश की? सभी नियमों को तोड़ते हुए रातों-रात पोस्टमार्टम क्यों किया गया? जब परिवार शव को सुरक्षित रखना चाहता था, तो पुलिस ने जल्दबाजी में उसका अंतिम संस्कार क्यों किया? डीसी नॉर्थ ने मृतक की मां को बड़ी रकम देने की कोशिश क्यों की? शव से लिए गए नमूनों को चार दिन बाद फोरेंसिक प्रयोगशाला में क्यों भेजा गया? संजय को 10 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया गया था, तो फिर आरजी कर के तत्कालीन प्रिंसिपल संदीप घोष ने स्वास्थ्य सचिव और स्वास्थ्य शिक्षा निदेशक के आदेश पर, सभी सरकारी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए, 13 अगस्त को जल्दबाजी में छाती विभाग से सटे शौचालय को क्यों ध्वस्त कर दिया? 14 अगस्त की रात को चालीस हथियारबंद बदमाशों को आरजी कर में घुसकर सेमिनार कक्ष में तोड़फोड़ करने की अनुमति क्यों दी गई, जबकि पुलिस मूकदर्शक बनी रही? यदि संजय रॉय ही एकमात्र अपराधी था, तो केंद्रीय फोरेंसिक प्रयोगशाला की रिपोर्ट में मृतक डॉक्टर के निजी अंगों से लिए गए नमूनों में कई डीएनए नमूने क्यों पाए गए? ये डीएनए किसके थे और उनकी जांच क्यों नहीं की गई? शुरू से ही आरोप लगाया जा रहा था कि आरजी कर अस्पताल में हुई यह भयावह घटना एक सुनियोजित और सामूहिक अपराध है। घटनास्थल और पोस्टमार्टम की शुरुआती रिपोर्ट भी इस ओर इशारा करती है। डीएनए विश्लेषण रिपोर्ट सहित केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) की रिपोर्ट, तथा बहु-संस्थागत मेडिकल बोर्ड (एमआईएमबी) की अंतरिम रिपोर्ट ने इस असाधारण हत्या और बलात्कार के असली अपराधियों को बचाने की राज्य की साजिश को और उजागर कर दिया है। इसलिए, आम लोगों ने इस खंडित न्याय को स्वीकार करने से इंकार कर दिया है। सियालदह कोर्ट के फैसले से राज्य प्रशासन, कोलकाता पुलिस और सीबीआई द्वारा अक्षमता, उदासीनता और कानून की अवहेलना करने का एक पैटर्न सामने आता है। कोलकाता पुलिस के दो अधिकारियों पर कदाचार के गंभीर आरोप लगे हैं, जिनमें एक महिला अधिकारी भी शामिल है, जिसने संजय रॉय की गिरफ्तारी के तुरंत बाद उनके मोबाइल फोन को अवैध रूप से जब्त कर लिया था। इससे डिवाइस से कॉल लॉग जैसे महत्वपूर्ण सबूतों को संभवतः नष्ट करने के बारे में चिंता पैदा होती है। संजय के वकील ने इससे भी बड़ी साजिश का खुलासा किया है। संजय के बचाव के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नियुक्त वरिष्ठ वकील ने वास्तव में अदालत में सीबीआई के तर्कों को दोहराया है, जैसा कि उनके कनिष्ठ सहयोगी ने मीडिया के सामने खुलासा किया। दूसरे शब्दों में, सीबीआई और राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण ने संजय को एकमात्र अपराधी के रूप में स्थापित करने के लिए अदालत में एक साथ काम किया। राज्य और केंद्र सरकारों के बीच मिलीभगत, भाजपा और टीएमसी के बीच की सेटिंग अब कोई रहस्य नहीं है। मुख्यमंत्री का यह दावा कि अगर यह मामला उनकी पुलिस द्वारा संभाला जाता, तो वे मृत्युदंड सुनिश्चित कर देतीं, न्यायपालिका में राजनीतिक हस्तक्षेप का एक स्पष्ट उदाहरण है। बहरहाल, राज्य पुलिस द्वारा जिन मामलों की जांच की गई हैं, उसकी वास्तविकता एक अलग ही तस्वीर पेश करती है। कामदुनी बलात्कार मामले जैसे कई मामलों में अपराधी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं। न्याय सुनिश्चित करने के मुख्यमंत्री के दावे तब खोखले साबित होते हैं, जब कोई हंसखाली, मध्यमग्राम, कालियाचक, रानाघाट और बारासात में दोषसिद्धि में कमी की जांच करता है। सियालदह कोर्ट द्वारा संजय रॉय को आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के अगले दिन राज्य सरकार ने उसकी फांसी की सजा के लिए हाईकोर्ट में अपील की थी। दो दिन बाद सीबीआई ने भी यही अपील की। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा इस मामले में अपील करने के कानूनी अधिकार पर सवाल उठाया है। राज्य सरकार शुरू से ही संजय की फांसी के लिए आतुर रही है, जिसमें सीबीआई यानी केंद्र सरकार उसकी सहयोगी है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि वे दोनों संजय को फांसी देकर एक महत्वपूर्ण गवाह को खत्म करना चाहते हैं, ताकि असली सच्चाई कभी सामने न आ पाएं और अपराधी छिपे रहें। केंद्र में भाजपा सरकार और राज्य में टीएमसी सरकार हमेशा सत्ता में नहीं रहेगी। अगर केंद्र और राज्य में लोकतांत्रिक तरीकों से नई सरकार आती है, तो संजय की गवाही लोगों के सामने असली सच्चाई लाने, सभी अपराधियों की पहचान करने और उन्हें दंडित करने में महत्वपूर्ण होगी। इसलिए, जेल में भी उसका जीवित रहना बहुत महत्वपूर्ण है। कुछ लोग तो और भी अधीर हैं और चाहते हैं कि संजय को एनकाउंटर में मार दिया जाए। अपराधियों को बचाने की टीएमसी और बीजेपी की यह साजिश लोगों के सामने उजागर हो चुकी है। इसलिए, पीड़ित परिवार, विशाल अभया आंदोलन और आम जनता अब संजय की फांसी नहीं चाहती। अंतहीन अक्षमता अभया आंदोलन में सबसे आगे रहने वाले प्रदर्शनकारी डॉक्टर नेता शुरू से ही सरकार की आंखों में खटक रहे हैं। अगस्त में ही उनमें से कुछ को लालबाजार बुलाया गया था। विरोध में हजारों डॉक्टर और नागरिक लालबाजार पहुंच गए। सरकार को मजबूरन सम्मन वापस लेना पड़ा। प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों को परेशान करने में पुलिस अति उत्साही है, उनके खिलाफ झूठे मामले दर्ज कर रही है। इस बीच, राज्य चिकित्सा परिषद के रजिस्ट्रार, जो खुद अवैध रूप से इस पद पर हैं, ने साल्ट लेक इलेक्ट्रॉनिक कॉम्प्लेक्स पुलिस स्टेशन में चार प्रमुख वरिष्ठ डॉक्टरों के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराई है। इस मेडिकल काउंसिल पर, टीएमसी के लिए जबरन वसूली करने वाली ताकत ने, फर्जी चुनावों के जरिए कब्जा कर लिया है, जिससे संबंधित कानूनी मामले अभी भी हाईकोर्ट में लंबित हैं। ये वही सदस्य हैं, जो वायरल वीडियो में आरजी कर अस्पताल के छाती विभाग के सेमिनार हॉल में अभया के शव के चारों ओर भीड़ लगाते और सबूत मिटाने की कोशिश करते देखे गए थे। घटना स्थल पर देखे गए तृणमूल छात्र परिषद के अस्थायी रूप से निलंबित महासचिव अभिक डे इसी काउंसिल के सदस्य हैं, जिनके खिलाफ कई महिला डॉक्टरों से छेड़छाड़ और जबरन वसूली के आरोप हैं। तीन महीने पहले ही सबूतों के साथ ये आरोप स्वास्थ्य विभाग को सौंपे गए हैं। इसी मेडिकल काउंसिल ने प्रदर्शनकारी डॉक्टर नेताओं के खिलाफ थाने में झूठी शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें उन पर उनके दैनिक काम में बाधा डालने का आरोप लगाया गया है। इस घटना से राज्य की जनता काफी गुस्से में है। हाल ही में मिदनापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नकली सलाइन के कारण माताओं और बच्चों की हुई मौत के बाद सरकार के खिलाफ एक बार फिर जनाक्रोश भड़क उठा है। नकली दवा के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई करने के बजाय सरकार कुछ डॉक्टरों को निलंबित करके मामले को दबाने की कोशिश कर रही है।

पिछले साल मार्च में कर्नाटक सरकार ने वेस्ट बंगाल फार्मास्यूटिकल्स द्वारा निर्मित सलाइन को काली सूची में डाल दिया था और उसके ड्रग कंट्रोलर को निलंबित कर दिया था। इस राज्य की टीएमसी सरकार को चोपड़ा में उनके कारखाने का निरीक्षण करने और उन्हें सलाइन के उत्पादन पर रोक लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा, लेकिन पहले से उत्पादित और बाजार में बिकने वाले सलाइन के उपयोग पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया। बहरहाल, राज्य के सौ से अधिक अस्पतालों के डॉक्टर पिछले एक साल से इस सलाइन की गुणवत्ता के बारे में स्वास्थ्य विभाग से शिकायत कर रहे हैं। एक मां और एक नवजात की मौत के बाद, स्वास्थ्य विभाग को कंपनी द्वारा उत्पादित सलाइन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने के लिए मजबूर होना पड़ा, लेकिन कंपनी या ड्रग कंट्रोलर के खिलाफ कोई कार्रवाई किए बिना सरकार ने तेरह डॉक्टरों को बलि का बकरा बना दिया। इस घटना ने एक बार फिर नकली दवा विक्रेताओं के भ्रष्टाचार के साथ सरकार के समझौते को उजागर कर दिया है। इस राज्य में बड़े पैमाने पर व्याप्त संस्थागत भ्रष्टाचार, महिलाओं के खिलाफ अनियंत्रित हिंसा और हाशिए पर पड़े यौन और लैंगिक अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न, कार्यस्थल पर श्रमिकों और कर्मचारियों की असुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रणालियों की बर्बादी, अपराधी-अनुकूल और पक्षपातपूर्ण प्रशासन और राज्य के हर कोने में धमकी की संस्कृति और डराने की राजनीति के खिलाफ कामकाजी और मध्यम वर्ग के पेशेवरों को बड़े पैमाने पर एकजुट संघर्ष चलाना होगा।यही अभया मामले सहित सभी मामलों में न्याय प्राप्त करने का एकमात्र तरीका है। राज्य के हर जिले में जन आंदोलन तेज हो रहा है। इस आंदोलन को सत्ता परिवर्तन के संघर्ष में बदलना होगा, तभी राज्य के सामाजिक-राजनीतिक संकट का निर्णायक समाधान संभव होगा।

दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने दिव्यांगजनों को वितरित किए निःशुल्क सहायक उपकरण

कानपुर। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित कृत्रिम अंग / सहायक उपकरण योजना के अन्तर्गत दिव्यांगजन को उनकी आवश्यकतानुसार उपकरण दिये जाने हेतु सेवायोजन कार्यालय परिसर, कानपुर मे कैम्प का आयोजन किया गया जिसमे विधायक गोविन्द नगर सुरेन्द्र मैथानी एवं नीरज बाजपेयी, पार्षद सर्वोदय नगर के कर कमलों द्वारा ८० दिव्यांगजन को ट्रायसाकिल, ०2 दिव्यांगजन को व्हीलचेयर, ०5 दिव्यांगजन को स्मार्ट केन आदि सहायक उपकरण का वितरण करने के साथ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सामान्य निर्वाचन-2024 मे दिये गये दायित्व के निर्वहन मे उल्लेखनीय, उत्कृष्ट कार्य करने वाले 20 व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। विधायक सुरेन्द्र मैथानी ने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील है। कृत्रिम अंग सहायक उपकरण वितरित कर दिव्यांगजनों को आत्म निर्भर बनाने का काम सरकार कर रही है। कार्यक्रम में उज्जवल कुमार सिंह, सहायक निदेशक, सेवायोजन कानपुर मण्डल कानपुर, विनय उत्तम, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कानपुर नगर, वीरेन्द्र कुमार, हृदेश सिंह एवं जिला कार्यालय के स्टाफ प्रशान्त कुमार, वरिष्ठ सहायक, मृदुल रावत, गोविन्द मिश्रा आदि उपस्थित थे।

संत रविदास का बड़ी धूमधाम से मनाया गया जन्मोत्सव

संवाददाता

फतेहपुर।संत शिरोमणि रविदास जन्मोत्सव समिति द्वारा अरबपुर में रविदास जन्मोत्सव बड़ी धूमधाम से एवं रंगारंग कार्यक्रम के द्वारा मनाया गया। इसमें राजनीतिक एवं गैर राजनीतिक एवं कई संगठनों के लोगों ने उक्त कार्यक्रम में प्रचार का हिस्सा लिया तथा सामाजिक संगठनों के लोगों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत सबसे पहले संत रविदास के चित्र पर फूल माला अर्पण कर आरती की गई, इसके बाद वक्ताओं ने संत शिरोमणि रविदास के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संत होता है, संत का जीवन सबके भलाई के कार्य करने के लिए होता है इससे हम सबको प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। संत शिरोमणि रविदास के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर राम सुहावन चौधरी, सुरेश, सोहनलाल गौतम, नीरज कुमार, वाल्मीकि डॉक्टर संघ रतन भंते मध्य प्रदेश, आचार्य गायत्री बैकाचार्य संजय कुमार, कुलदीप सिंह, सरदार भक्ति दास बाल्मिक समाज प्रकाश चंद द्विवेदी व हिंदू संगठन के अध्यक्ष ने वक्तव्य और दोहा के माध्यम से ऐसा चाहे राज में मिले, सभी अन्य छोटे-बड़े सब सम बसें रविदास रहे प्रसन्न विचार व्यक्त किया और अपने घरों में आज के दिन दीप प्रचलित कर प्रकाश उत्सव के रूप में मनाए।

भाजपा नेता की गाड़ी पर पथराव करने वालो पर दर्ज हुई एफआईआर

संवाददाता

फतेहपुर। जनपद के किशनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत गढ़ा ग्राम पंचायत के मजरे पोखरी गांव में विगत दिनों कम्बल वितरण के दौरान भाजपा नेता रवी तिवारी की गाड़ी पर पथराव कर गाड़ी तोड़ने वाले अराजकतत्वों पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना कम्बल वितरण कार्यक्रम से लौटते समय हुई। वही पुलिस ने पांच अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। गढ़ा गांव निवासी रवी तिवारी भारतीय जनता पार्टी से मंडल महामंत्री पद पर नियुक्त हैं, रविवार को गढ़ा ग्राम पंचायत के पोखरी गांव में स्थानीय विधायिका कृष्णा पासवान द्वारा कम्बल वितरण का कार्यक्रम रखा गया था। उस दौरान उनके साथ भाजपा नेता रवी तिवारी भी सम्मिलित हुए थे। करीब दो घंटे बाद देर शाम कम्बल वितरण के कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम समापन के बाद विधायिका कृष्णा पासवान का काफिला वापस लौट रहा था। काफिले के भाजपा मंडल महामंत्री रवी तिवारी की गाड़ी पीछे पीछे चल रही थी। जैसे ही पोखरी गांव के किनारे काफिला पहुंचा कि उसी दौरान भाजपा नेता रवी तिवारी की गाड़ी पर कुछ अराजकतत्वों द्वारा पथराव शुरू कर दिया गया। अराजकतत्वों द्वारा हुए पथराव में भाजपा नेता रवी तिवारी की गाड़ी के शीशे टूट गए। कुछ देर बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू की तो वही सुबह भाजपा नेता रवी तिवारी द्वारा पुलिस को तहरीर दी गई। जिसके बाद पुलिस ने भाजपा नेता की गाड़ी पर पथराव करने वाले करीब पांच अज्ञात अराजकतत्वों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

श्रीमद्भागवत कथा का हुआ शुभारंभ, निकली कलश यात्रा

संवाददाता

फतेहपुर।नगर के जयरामनगर चौराहा के पास श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 12 फरवरी से 19 फरवरी तक किया गया है। जिसमें कथा व्यास देवेश पांडे जो चित्रकूट से पधारे हैं वह प्रतिदिन कथा सुनाएंगे। पहले दिन विशाल कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने पीले वस्त्र धारण करके कलश यात्रा निकाला जो जयरामनगर में घूमी।इस यात्रा के माध्यम से लोगों से आवाहन किया गया कि ज्यादा से ज्यादा लोग कथा को सुनने के लिए आयें। इस कथा में जजमान के रूप में रामानुज शर्मा अपनी पत्नी के साथ प्रतिदिन बैठेंगे और कथा का श्रवण करेंगे।इस कथा का आयोजन संस्कार जागरण मंच के तत्वाधान में किया जा रहा है। वही 19 फरवरी को विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया है। इस अवसर पर नीटू मिश्रा, अतीश पटेल, अरुण कांत दीक्षित, प्रवेश, राजेश सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जाम के झाम से देवमई क्षेत्र के लगभग दो दर्जन गांवो के लोग परेशान

संवाददाता

देवमई/ फतेहपुर। जाम के झाम से लगभग दो दर्जन गांवों के लोग परेशान है।विकासखंड देवमई ब्लॉक मुख्यालय व मदर पीएचसी से लेकर पूरे कस्बे समेत देवमई गांव मेला मैदान तक आए दिन लगने वाले जाम से स्थानीय निवासी, व्यापारी, राहगीर, आम जनमानस व क्षेत्रवासी प्रतिदिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इस जाम का झाम में शकूराबाद से लेकर बीच में पड़ने वाले सारे गांव सहित ब्लॉक देवमई से औंग तक जनता रोज़ाना जूझती है। इस मुख्य संपर्क मार्ग में एक दर्जन से अधिक पड़ने वाले गांव शकूरा, बेंता, माधवपुर, ईशेपुर, डारी खुर्द, डारी बुजुर्ग, बैठका चौराहा, धामौली, बसीगवां, दुबेपुर, देवमई ब्लॉक मुख्यालय, टिकरा, करचलपुर, खदरा, औंग आदि सहित दो दर्जन गांव पड़ते है। हर प्रकार के विकाश बिंदुओं का केंद्र विकासखंड देवमई है जो फतेहपुर जनपद के सबसे पिछड़े ब्लॉकों में एक है। देवमई ब्लॉक का अभिशाप है कि यहां के आज तक के जनप्रतिनिधियों ने अपना विकास किया पर पूरे विकासखंड को अछूता रखा। ये कानपुर नगर से जुड़ा फतेहपुर का आखिरी ब्लॉक है जो कानपुर सीमा से जुड़ा हुआ है। फतेहपुर जनपद का आखिरी ब्लॉक होने के कारण विकाश के आखिरी पायदान में है। यह जाम प्रतिदिन कई घंटों लगता है। औंग-शकूराबाद मार्ग पर रोजाना भारी वाहन निकालने के कारण लगता है, वही देवमई बाजार में अतिक्रमण होना भी इसका मुख्य कारण है। ये एक सबसे कम दूरी जो 20 किलोमीटर जो पुरानी जी.टी. रोड और मुगल रोड जोड़ने वाला सबसे कम दूरी का सुगम मार्ग है। नेशनल हाईवे दो अर्थात जीटी रोड से स्टेट हाईवे 46 को यह मार्ग संपर्क मार्ग जोड़ता है। यहां से बहुत से भारी वाहन डिफेंस कॉरिडोर साढ़ को बहुतायत में में इसी मार्ग से जाते है।जहां स्टेट हाईवे के जर्जर होने के कारण छोटे व बड़े वाहन औंग कस्बे से देवमई, बैठका, शकूराबाद चौराहा होकर जहानाबाद और बकेवर के लिए जाते हैं। जाम लगने के कारण स्थानीय निवासियों, दुकानदार, राहगीरों, आम जनमानस,स्थानीय निवासी के साथ विकास खण्ड मुख्यालय में आने वाले फरियादी व पीएचसी देवमई में आने वाले मरीज़ो के साथ-साथ राहगीरों के लिए नासूर बन जाता है। कभी-कभी हालात तो ऐसे हो जाते हैं की मरीजों को ले जाने वाली एंबुलेंस गाड़ियों को घंटो जाम में फंसना पड़ता है। वो मरीज स्थानीय कष्ट के साथ जान जोखिम में डालनी पड़ती है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि यह जाम ओवरलोड भारी वाहनों के निकलने के कारण लगता है, वही ग्रामीणों का आरोप है कि शासन की ओर से कभी भी जाम खुलवाने का प्रयास नहीं किया जाता है। पुलिस प्रशासन की इस शिथिलता के कारण ग्रामीण लोगों में आक्रोश है।

क्या बोले ग्रामीण

1- एडवोकेट दीपचंद्र त्रिपाठी निवासी देवमई गाँव का कहना है कि अगर प्रशासन की ओर से प्रयास किया जाए तो आये दिन लगने वाले जाम से छुटकारा मिल सकता है। देवमई बाजार में होने वाला अतिक्रमण भी जाम का मुख्य कारण है।

2- विनोद कुमार अवस्थी देवमई निवासी का कहना है कि भारी वाहनों को इस मार्ग में निकलने के कारण जाम की स्थिती बनती हैं, बाज़ार, बैंक, ब्लॉक मुख्यालय, पीएचसी होने के कारण वाहनों की संख्या भी ज्यादा रहती है।

3- रवि पटेल लच्छीखेड़ा निवासी का कहना है कि बाजार में अतिक्रमण भी बहुत है, ग्राहक लोग जब बाज़ार करने आते है तो अपने वाहनों को इधर उधर खड़ा करके चले जाते है, जिससे जाम लग जाता है। वही चौडगरा-भोगनीपुर स्टेट हाईवे के जर्जर होने के कारण वाहनों का लोड भी इस संपर्क मार्ग में ज्यादा रहता है।

4- व्यवसाई अभिषेक अवस्थी का कहना है कि इसी मार्ग में देवमई मुख्यालय और बैठका चौराहा के बीच में पढ़ने वाली निचली राम गंगा नहर पर बना पुल अत्यंत जर्जर और बहुत सकरा है। पुल की कई कोटी चरमरा चुकी है। पूर्व में बहुत हादसे हो चुके है। भारी वाहनों के कारण कही बड़ा हादसा न जाए। विभाग को नवीनीकरण के लिए सजगता से कार्य करे ताकि अंजनमानस की कोई हानि न हो।

हरे नीम के पेड़ काटने वालो पर दर्ज हुआ मुकदमा

संवाददाता

फतेहपुर।असोथर थाना क्षेत्र के गांव बेरांव में सात नीम के हरे भरे पेड़ों को कटवा कर धरासायी किया गया है। सूचना पर वनरक्षक बृजेश कुमार ने विमल शुक्ला पुत्र चन्द्रशेखर शुक्ला, शिवशंकर सिंह पुत्र दलजीत सिंह निवासीगण ग्राम बेरांव थाना असोथर जनपद फतेहपुर के खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया है। विमल शुक्ला ग्राम बेरांव थाना असोथर जनपद फतेहपुर के द्वारा अपने सात नीम के हरे पेड़ों को शिवशंकर सिंह पुत्र दलजीत सिंह निवासी ग्राम बेरांव थाना असोथर जनपद फतेहपुर से मिलकर कटवाकर लकड़ी उठा कर ले गये है। पंजीकृत एफआईआर में अंकित आरोपो में बताया गया है कि अभियुक्तगण द्वारा सात हरे नीम के पेड़ों को काटकर लकड़ी गायब की गई है। वही थाना प्रभारी ने बताया कि इस सम्बन्ध में वनरक्षक बृजेश कुमार क्षेत्र हसवा की लिखित तहरीर पर थाना असोथर में मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

उप्र आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती दक्षता परीक्षा का 37 वीं वाहिनी पीएसी में हुआ आयोजन

कानपुर। उत्तर प्रदेश आरक्षी ना०पु० भर्ती-2023 के शारीरिक दक्षता परीक्षा का आयोजन 37वीं वाहिनी पीएसी कानपुर में किया जा रहा है। पुलिस उपमहानिरीक्षक/सेनानायक सुनीता सिंह (I.P.S) व नोडल अधिकारी सहाय सेनानायक सोहराब आलम (DySP) सहित भर्ती बोर्ड से नामित सम्मानित सदस्यों की टीम की उपस्थिति में पीईटी संपन्न करायी गयी। तृतीय दिवस पर नामित 1050 महिला अभ्यर्थियों में 968 उपस्थित हुए। जिनमें से 692 महिला अभ्यर्थी सफल व 276 महिला अभ्यर्थी असफल रहे।साथ ही परीक्षा में घायल हुई महिला अभ्यर्थियों को प्राथमिक उपचार हेतु एम्बुलेंस की सहायता से नजदीकी जिला अस्पताल भेज दिया गया है। इस दौरान मनोज कुमार पाण्डेय (एसपी,भर्ती बोर्ड), क्षेत्राधिकारी आशुतोष सिंह शिविरपाल पन्ना लाल मौर्य, सूबेदार सैन्य सहायक सुरेंद्र सिंह सहित ड्यूटी में लगे जवान उपस्थित रहे।

राहत शिविर लगाकर ब्लॉक प्रमुख ने महाकुम्भ जा रहे श्रद्धालुओं में वितरित किया आवश्यक सामग्री

कानपुर। सरसौल ब्लॉक प्रमुख डॉ. विजय रत्ना तोमर ने प्रयागराज कुंभ में जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए एक राहत शिविर का आयोजन किया। यह शिविर हाईवे किनारे लगाया गया, जहां से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कुंभ मेले की यात्रा पर निकलते हैं। शिविर में यात्रियों को नाश्ता, पानी, चाय और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई, ताकि उनकी यात्रा सुगम हो सके। इसके अलावा, ठंड से बचाव के लिए कंबल और दवाइयों की भी व्यवस्था की गई। शिविर में सेवा कार्य में कई स्वयंसेवक जुटे रहे, जो यात्रियों की हर संभव मदद कर रहे थे। डॉ. विजय रत्ना ने कहा कि कुंभ मेले में श्रद्धालु बड़ी आस्था के साथ जाते हैं, और उनकी सुविधा के लिए यह छोटा सा प्रयास किया गया है। उन्होंने बताया कि आगे भी इस तरह के सेवाभावी कार्य किए जाएंगे, ताकि यात्रियों को किसी तरह की कठिनाई न हो।

जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने फीता काटकर तीन दिवसीय जिला मथुरा ओपन शूटिंग चैंपियनशिप का उद्घाटन किया।

➲ जिलाधिकारी एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा एयर पिस्टल से निशाना लगाया गया।

संवाददाता

मथुरा 12 फरवरी/ जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने तीन दिवसीय जिला मथुरा ओपन शूटिंग चैंपियनशिप के उद्घाटन किया। डिस्ट्रिक्ट राइफल एसोसिएशन शूटिंग रेंज सिविल लाइन मथुरा में आयोजित तीन दिवसीय जिला मथुरा ओपन शूटिंग चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने कहा कि खेल व्यक्तित्व विकास में सहायक है तथा अभिभावकों को अपने बच्चों को शिक्षा के साथ ही खेलों के प्रति भी जागरूक रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेलने से शारीरिक और मानसिक विकास होता है। खेलों से मानसिक विकास भी होता है, जैसे कि आत्मविश्वास बढ़ना है, टीम भावना का विकास होता है और प्रतियोगिता की भावना का विकास होता है। खेलों से स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान होता है। पुलिस उप महानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पांडेय ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि निशानेबाजी के खेल से हमारी एकाग्रता बढ़ती है। खिलाड़ी का धर्म है कि प्रतियोगिता में सफलता पाने के लिए लगन के साथ मेहनत करे तथा विजेता बनने पर किसी प्रकार का गर्व महसूस नहीं करना चाहिए क्योंकि

हमें ये ध्यान रखना चाहिए कि आज हम जिस मुकाम पर हैं कल वहां कोई और होगा। जिलाधिकारी एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक/ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा एयर पिस्टल से निशाना लगाया गया। कोच मनीष चौधरी ने बताया कि आज हुए मुकाबले में एयर पिस्टल पुरुष वर्ग में आगरा के भानु प्रताप सिंह 358 अंकों के साथ अपने वर्ग में बढ़त हुए है। एयर पिस्टल बालिका वर्ग में बुलंदशहर की साधना सिंह 322 अंकों के साथ अपने वर्ग में आगे रही। एयर पिस्टल जूनियर पुरुष वर्ग में शाहदरा के आशीष मलिक 333 अंकों के साथ अपने वर्ग में बढ़त बनाए हुए है। एयर पिस्टल यूथ वर्ग में बागपत के वंश ने 317 अंक पाए। एयर पिस्टल आई एस एस एफ पुरुष वर्ग में आगरा के मयंक 559 अंकों के साथ अपने वर्ग में बढ़त बनाए हुए है। एयर पिस्टल आई एस एस एफ बालिका वर्ग में आगरा की पूर्णिमा 560 अंकों के साथ बढ़त बनाए हुए है। एयर राइफल सब यूथ बालिका वर्ग में बुलंदशहर की माही सिरोही 349 अंकों के साथ अपने वर्ग में बढ़त बनाए हुई है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण श्याम बहादुर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व योगानंद पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुरेन्द्र कुमार, नगर मजिस्ट्रेट राकेश कुमार, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी, डिप्टी कलेक्टर राज कुमार भास्कर एवं कंचन, कोच मनीष चौधरी, विपिन दांगी, आदर्श चौधरी, विक्रांत सिंह तोमर, राहुल तोमर, हिमांशु सैनी, ज्योति शर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एनएस एनआईएस कोच मुकेश चौधरी ने किया।

सूने घर में लगी आग, हजारों का हुआ नुकसान

संवाददाता

फतेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के सातों धरमपुर गांव में सूने घर में आग लग गई। जानकारी के अनुसार वीरेंद्र पाल परिवार सहित खेतों में काम करने गया था। तभी लगभग 1 बजे घर में आग लग गई। पड़ोसियों ने घर के अंदर से धुआं उठते देखा तो वीरेंद्र पाल को सूचना दी और सभी लोग आग बुझाने का प्रयास करने लगे। उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। उपनिरीक्षक विनोद कुमार मौके पर पहुंचे और फायर ब्रिगेड की गाड़ी की सूचना दिया। हालांकि सूचना के बाद फायर ब्रिगेड के गाड़ी आते-आते गांव वालों ने घरेलू सबमर्सिबल और नालों से पानी लाकर आग पर काबू पा लिया। आग की चपेट में एक मोबाइल फोन, सिलाई मशीन, सोलर पैनल, बैट्रा, एक बोरी गेहूं, रजाई- गद्दा इत्यादि सामग्री जलकर रख हो गयी। सूचना पर मौके में पहुंचे हल्का लेखपाल रामप्रकाश व कानूनगो लक्ष्मीकांत तिवारी जले हुए सामान का आकलन किया। लेखपाल ने बताया कि किसान का लगभग 45 हजार रूपये का सामान जलने से नुकसान हुआ है।

समाजवादी कार्यालय में मनाई गई समाज सुधारक महान संत रविदास जी की जयंती

फतेहपुर। जनपद में समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर पार्टी कार्यालय में समाज सुधारक महान संत रविदास जी की जयंती मनाई गई। जहाँ सर्वप्रथम उनके चित्र पर पुष्पांजलि के उपरांत महान संत के जीवन पर गोष्ठी की गई। उनके कार्यों को याद करते हुए उस पर चलने का संकल्प लिया गया, गोष्ठी की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह व संचालन जिला महासचिव चौधरी मंज़र यार ने किया। गोष्ठी में मुख्यरूप से मौजूद रहे पूर्व सांसद डॉ अशोक पटेल, पूर्व अध्यक्ष दलजीत निषाद, सुरीजपाल रावत, डा राम नरेश पटेल, डा अमित पाल, एड सुघर लाल, एड जगनायक सचान, एड उदय सिंह लोधी, हीरालाल साहू, शिव शंकर यादव, नंद किशोर पाल, अंकित यादव, सुहैल खान, अकील अहमद, हाजी सिराज, अरुण यादव, अजय दिवाकर, कामता प्रसाद, आदि मौजूद रहे।

बक्सर मोड में डम्फर ने टैवलर बस में मारी टक्कर, कुम्भ जा रहे चार श्रद्धालुओं की मौत, 16 घायल

➢ कई घायल श्रद्धालुओं की अस्पताल हालत गम्भीर, इलाज जारी, तीन कानपुर रेफर

संवाददाता

फतेहपुर।जिले में दुर्घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं हैं।इसी क्रम में आज सुबह चार बजे कल्यानपुर थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय मार्ग नूरपुर बक्सर मोड पर ट्रैवलर बस को डंफर ने जोरदार टक्कर मार दिया।जिससे ट्रैवलर बस से महाकुम्भ प्रयागराज जा रहे चार श्रद्धालु यात्रियों की मौके पर मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। हादसा आज सुबह करीब 04 बजे हुआ है।टैवलर से महाकुंभ स्नान के लिए श्रद्धालु दिल्ली से प्रयागराज जा रहे थे।दुर्घटना से मौके पर कुहराम मच गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल पहुंच कर घायल यात्रियों को बाहर निकाला तब तक घटना की सूचना पर पुलिस ने पहुँच कर घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा जहाँ कई घायलों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। गम्भीर रूप से घायल तीन लोगों को कानपुर लाला लाजपत राय अस्पताल (हैलट) रेफर कर दिया गया है।

जिलाधिकारी ने सदर अस्पताल जाकर जाना घायलों का हाल

फतेहपुर।जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह ने कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बक्सर मोड़ के पास हुए हादसे में घायलों को जिला अस्पताल में जाकर देखा एवं उनके परिजनों से बातचीत की। उन्होंने सीएमओ को निर्देशित किया कि घायलों का समुचित इलाज अपनी देखरेख में कराएं तथा कानपुर के चिकित्सकों से भी संपर्क बनाए रखे एवं एसडीएम सदर प्रदीप कुमार रमन को निर्देश दिए की हादसे में घायल लोगों के निकट परिजनों को ससमय सूचित कर दें। सीएमस प्रभाकांत सिंह ने बताया कि घटना के समय ट्रेवलर में कुल 21 लोग सवार थे जिसमें से 4 लोगों की मृत्यु हो गई है और गंभीर रूप से घायल 3 लोगों को हैलेट अस्पताल कानपुर रेफर किया गया हैं और शेष अन्य का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

समाजिक भेदभाव और हिंसा के विरुद्ध जागते रहो पांच दिवसीय अभियान को दिखाई हरी झंडी

बांदा (नरैनी) सामाजिक भेदभाव और हिंसा के विरुद्ध 'जागते रहो' पांच दिवसीय अभियान तहसील परिसर नरैनी से उपजिलाधिकारी नरैनी सत्यप्रकाश ने हरी झंडी दिखाकर रवाना कर अभियान की सफलता के लिए शुभकामनाये दी। संस्था के डायरेक्टर महेन्द्र कुमार ने बताया कि यह अभियान 20 गाँव में सघन रूप से चलाया जा रहा है तथा पहले दिन 12 फरवरी को गहबरा, नौगवा तथा गुढ़ा गाँव में समुदाय स्तर पर सार्वजनिक बैठक करके गीत संगीत, परिचर्चा व नारों के साथ सामाजिक भेदभाव, हिंसा के विभिन्न विषयों पर जानकारी दी गई. उन्होंने समाज में लिंग, जाति, धर्म, पहचान के आधार पर भेदभाव व हिंसा मुक्त सुरक्षित जीवन जीने के संवैधानिक अधिकारो के बारे में चर्चा किया। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर जगदीश लाल ने बताया कि व्यापक जागरूकता अभियान चलाकर वर्तमान समय में मानव से मानव के बीच सहजीवी साझी संस्कृति को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ चलाया जा रहा है। उनके निम्न गीत पर समुदाय के लोग बहुत भाऊक हो गए - हल चलाकर खेतो को मैने ही सजाया रे, गेहूं, धान, मक्के को मैने ही उगाया रे मेरे लिए न्याय नहीं रे सहयोगी संस्था संस्कार सेवा समिति से सुरेश कुमार ने पढ़ लो संविधान, पढ़ लो संविधान, मिल जाईए तोर अधिकार रे गीत के माध्यम से अपनी बात रखा। रानी अहिरवार ने वर्तमान समय में मानव से मानव के बीच सहजीवी साझी संस्कृति को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ इस अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अवसर पर सुरेश कुमार, जगदीश लाल, फील्ड फैसिलिटेटर मिथला, राजेन्द्र प्रसाद, शिवदेवी, सूर्यप्रकाश, मनीष कुशवाहा, रानी अहिरवार, राजेंद्र वर्मा, महेन्द्र कुशवाहा तथा जागेश्वर प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

पौली प्रीमियर लीग का फीता काटकर किया गया उद्घाटन

संवाददाता

खखरेरू /फतेहपुर पौली गांव में पौली प्रीमियर लीग क्रिकेट मैच का किशनपुर अध्यक्ष सुरेंद्र सोनकर ने सीता काट कर उद्घाटन किया क्रिकेट पलेयरों के साथ बल्लेबाजी में भी चेयरमैन ने हाथ आजमाया इस अवसर पर मैनेजर लाल मिर्जा द्वारा पौली प्रीमियर लीग मैच में पहुंचे आगंतुकों तथा क्षेत्रीय पत्रकारों का फूल माला पहनकर स्वागत किया इसके बाद उद्घाटन मैच निंदौरा और पारस के बीच खेला गया निंदौरा ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया परास की शुरुआत अच्छी नहीं रही सलामी बल्लेबाज रन आउट होकर जल्दी पवेलियन लौट गए इसके बाद परास ने 109 रन का निंदौरा के लिए टारगेट दिया निंदौरा ने 6 विकेट खोकर जीत के लिए आवश्यक रन बना दिए कैलाश को मैन ऑफ द मैच दिया गया इस अवसर पर मनीष कुमार मोहम्मद हाशिम पूर्व प्रधान पौली अब्दुल कयूम इंजीनियर अजीम अहमद कमेटी अध्यक्ष नसीम अहमद कोषाध्यक्ष मोहम्मद अकमल सहित भारी संख्या में दर्शक मैदान में उपस्थित रहे।

अंजुमन ने किया पिकनिक सह काव्य पाठ का आयोजन

● अमन का लेकर हाथ में परचम

तीसरा विकल्प न्यूज़ ब्यूरो

धनबाद। अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिंद) झारखंड, धनबाद शाखा ने निरसा विधानसभा क्षेत्र में पदाधिकारियों का चुनाव किया। वहीं, इस मौके पर धनबाद के मैथन डैम के तत्वावधान में नये साल के मौके पर पिकनिक सह काव्य पाठ का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मुख्तार अहमद मुख्तार ने की और जियाउल हुसैन ने संचालन किया। सबसे पहले काव्य सभा का आगाज़ अब्दुल ख़ालिक़ ने नात पाक से बड़े ही अछूते अंदाज़ में किया। उसके बाद एक-एक करके आए हुए सभी कविगण ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं, जिन्हें उपस्थित लोगों ने खूब पसंद किया और सराहा। झरिया के डॉ. यूनुस फिरदौसी ने अपनी हास्य कविताओं से लोगों को खूब हंसाया। अफसुरदा %हस्पुरवी% ने %मेरी मां% शीर्षक से एक स्वतंत्र कविता (आज़ाद नज़्म) सुनाई, जिसने पूरी सभा को गंभीर बना दिया। कवियों द्वारा प्रस्तुत कविताएं इस प्रकार हैं.... पैकर में सब्र के हम हर आन ढल रहे हैं, शोले जहां बिछे हैं, उसी रह पे चल रहे हैं। -अब्दुल हलीम (चिरकुंडा) अमन का लेकर हाथ में परचम, यू मचाकर वह धूम निकलेगा। बहरे हमदर्दी कुम्भ मेले में, मुस्लिमों का हुजूम निकलेगा। -ग़ुलाम ग़ौस आसवी (लोयाबाद)जिंदगी है एक सफर और मुसाफिर है आदमी, चार दिन रहना यहाँ है, ज़िंदगी हँस कर गुज़ार। -ग़ुलाम जिलानी %ग़ुलाम% रौशन रहेगी और ताबिन्दा रहेगी। ज़िंदा रही है उर्दू और ज़िंदा रहेगी। ये है शीशा संभाल कर रखिए। दिल हमारा संभाल कर रखिए। -इम्तियाज़ बिन अज़ीज़ एक जहदे मुसलसल की हरासानी से, मंज़िल है वही, जो मिले कुर्बानी से। - फैजुल अमीन (कुल्टी) एक-एक क़दम उठाता है बेगम से पूछ कर, हर फ़र्ज़ वो निभाता है बेगम से पूछकर। - डॉ यूनुस फिरदौसी (झरिया) खरा-खोटा सयाना है ज़मीन पर। अलग सबका फ़साना है ज़मीन पर। - मुकर्रम अली नादिम जलवा मुझे हर सम्त नज़र आने लगा है। अब मेरी दुआओं में असर होने लगा है। - नवाब कलीम %आरज़ू% ज़रा ठहर तो कहूं कैसी यार गुज़री है। अभी-अभी तो शबे इंतज़ार गुज़री है। - इब्न ताज (कुमारधुबी) ज़माना कब का फरामोश मुझको कर देता, जो मेरे हाथ में अपना क़लम नहीं होता। - डॉ. हसन निज़ामी फलक मिलेगा तुझे क्या मुझे मिटाने से। ये मोहब्बत ना मिटेगी, कभी ज़माने से। - मुख्तार अहमद %मुख्तार%इस तरह शेरो-शायरी का कार्यक्रम दोपहर 3=00 बजे तक चलता रहा और श्रोता आनंद लेते रहे। मौके पर अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिंद) झारखंड धनबाद उपशाखा के निरसा विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद थे। अंत में, अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू (हिंद) झारखंड धनबाद शाखा के अध्यक्ष सैयद मिफ्ताहुल आरिफिन रिज़्वी ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ काव्य गोष्ठी के समापन का ऐलान किया।

अंजना भैरौ माता मंदिर में भव्य भंडारे का किया गया आयोजन

❑ एक माह तक रामचरितमानस पाठ का लगातार किया गया था आयोजन

संवाददाता

खागा /फतेहपुर विजयीपुर विकासखंड के अंजना भैरो गांव में अंजना माता भैरव मंदिर में आज भव्य भंडारे का आयोजन किया गया माघ माह के प्रथम दिन से रामचरितमानस पाठ का आयोजन किया गया जो लगातार एक माह के उपरांत पूर्णिमा को संपन्न हुआ तत्पश्चात भव्य भंडारे का ग्रामीणों के सहयोग से बीते 40 से 45 वर्षों से प्रत्येक वर्ष माघ पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित किया जाता है जिसमें दूर दराज से भंडारे में शामिल होने के लिए भक्तों का ताता लगा रहा श्रद्धालु अंजना माता के मंदिर में पूजा अर्चना कर समृद्ध भविष्य की कामना की आयोजन समिति के अध्यक्ष भोला अवस्थी ने बताया कि प्रदेश में हनुमान जी के माता का ये पहला मंदिर है जहां पर भक्त जो भी मनोकामना लेकर माता के दरबार में आते हैं उनकी मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है भंडारे की उपरांत दो दिवसीय रामलीला का मंचन किया जाएगा इस अवसर पर विजयीपुरब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि आदित्य त्रिवेदी अग्निहोत्री ब्रदर्स के मालिक प्रणेश अग्निहोत्री पहाड़पुर कोटेदार राजीव त्रिवेदी पीयूष मिश्रा जितेंद्र अवस्थी पंकज अग्निहोत्री कृपा नारायण सिंह विष्णु भान सिंह अनूप अवस्थी मुन्ना मिश्रा उत्तम सिंह वेद प्रकाश त्रिपाठी सहित तमाम श्रद्धालु मौजूद रहे

शहर के हर प्रमुख चौराहों पर बाइकर्स गैग की हुई धर पकड़

प्रयागराज । माघी पूर्णिमा स्नान पर्व को लेकर भारी भीड़ का फायदा लगातार बाइकर्स गैंग उठा रहे हैं मोटरसाइकिल पर तीन सवारी बैठाकर संगम छोड़ने का 500 से ?700 सिविल लाइन से सिटी साइड रेलवे स्टेशन छोड़ने का 300 से ?500 ले रहे थे पुलिस ने आज सख्ती दिखाते हुए हर प्रमुख चाराहो पर जबरदस्त चेकिंग अभियान चलाया और जितने भी बाइकर्स गैंग के सदस्य थे उनको पकड़ लिया हाईकोर्ट रेलवे ब्रिज, जीरो रोड, कोतवाली, सिविल लाइन, हनुमान मंदिर बिजली घर चौराहा के पास सख्ती दिखाते हुए मोटरसाइकिल पर श्रद्धालुओं को बैठाकर छोड़ने जा रहे लोगों को पकड़ा ट्रैफिक पुलिस के सिपाही ने बताया कि उनके पास किसी प्रकार की कोई भी आईडी नहीं है और यह यात्रियों को लूट रहे हैं।

विनोद सिंह का हुआ सब इंस्पेक्टर पद पर प्रमोशन, थानाध्यक्ष समेत स्टाफ ने दी बधाईयां

बहरिया बहरिया थाने में तैनात पीआरवी डायल 112 पर हेड़ कांस्टेबल विनोद कुमार सिंह का सब इंस्पेक्टर पर प्रमोशन होने पर थानाध्यक्ष बहरिया महेश मिश्रा और सब इंस्पेक्टर अमित कुमार सिंह ने बैज लगा कर उन्हें बधाई दी चौकी प्रभारी सिकंदरा रवि कटियार व सब इंस्पेक्टर मो रईस मिठाई खिलाते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर सब इंस्पेक्टर उमेश कुमार यादव,सरजू प्रसाद, आशुतोष मौर्य,हेड़ कांस्टेबल अमित कुमार सिंह,राम चंद्र वर्मा, कांस्टेबल राजीव शर्मा व दीपक शर्मा समेत थाने के स्टाफ रहे।

संत शिरोमणि रविदास की जयंती जुलूस के साथ मनाई गई

फूलपुर। फूलपुर क्षेत्र के कपसा गांव में बुधवार को संत शिरोमणि रविदास की जयंती बड़े धूम धाम से मनाई गई ग्रामीणों ने डीजे बैंड बाजे के साथ जुलूस निकाल कर पूरे गांव में प्रभात फेरी घुमाई। फूलपुर क्षेत्र के कपसा गांव में बुधवार को संत शिरोमणि रविदास की जयंती ग्रामीणों ने बड़े ही धूम धाम के साथ मनाया इस दौरान उनके चित्र पर पुष्प और माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में बौद्धाचार्य रामपाल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि संत शिरोमणि रविदास ने अपने पूरे जीवनकाल में समाज को समता मूलक समाज की स्थापना के लिए बेहतर कार्य किया उनके क्रिया कलापों की आज पूरा विश्व गुणगान करता है उनके जैसा महान संत आज तक नहीं पैदा हुआ उनके भक्ति भावना की सराहना हमेशा होती रहेगी। अधिवक्ता महेश गौतम ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास दलित समाज में जन्म लेने के बाद भी पूरी दुनिया को जो संदेश दिया उसे कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में उनके अनुयायियों ने पूरे गांव में जोश के साथ डीजे बैंड बाजे पर भक्ति रस के गानों पर महिलाओं के साथ धीरकते रहे साथ ही उनके विचारों को अधिक से अधिक फैलाने का संकल्प लेते हुए उनके पथ चिन्हों पर चलकर समाज को नई दिशा देने के लिए लोगो ने संकल्प लिया। इस मौके पर विजय गौतम,सनी गौतम,देवराज शास्त्री कपसा और सेन्हुआडीह के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

सूने घर में लगी आग हजारों का हुआ नुकसा

फतेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के सातों धरमपुर गांव में सूने घर में लगी आग जानकारी के अनुसार वीरेंद्र पाल परिवार सहित खेतों में काम करने गया था तभी लगभग 1:00 बजे घर में आग लग गई पड़ोसियों ने घर से के अंदर से धुआं उठते देखा वीरेंद्र पाल को सूचना दी और सभी लोग आग बुझाने का प्रयास करने लगे उसके बाद पुलिस को सूचना दी गई एस आई विनोद कुमार मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड की गाड़ी की सूचना दिया उसके बाद फायर ब्रिगेड के गाड़ी आते-आते गांव वाले आग पर काबू कर लिया जिसमें मोबाइल, सिलाई मशीन, पैनल बैटर, एक बोरी गेहूं, रजाई गद्दा, इत्यादि सामग्री जलकर रख हो गयी। मौके पर पहुंचे हल्का लेखपाल रामप्रकाश कानून को लक्ष्मीकांत तिवारी जले हुए सामान का आकलन किया जिसमें बताया 45000 का सामान जलकर राख हो गया।

प्रदेश अध्यक्ष का सपाईयों ने किया जोरदार स्वागत

बांदा। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्याम लाल पाल जी का जनपद बांदा आगमन पर तिंदवारी नगर में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने स्वागत किया। 2027 में अखिलेश यादव जी को मुख्यमंत्री बनाए जो देश और प्रदेश को विकास की गति देगा इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव विशंभर प्रसाद निषाद स्नातक एमएलसी मानसिंह यादव जिला अध्यक्ष डॉक्टर मधुसूदन कुशवाहा जिला महासचिव एजाज खान पूर्व जिला अध्यक्ष विजय करण यादव पूर्व ब्लॉक प्रमुख वरुण यादव ए0 विक्रम सिंह खेंगर (आर्यन) ने सभी साथियों के साथ मिलकर प्रदेश अध्यक्ष जी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया, पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष ज्ञान सिंह यादव , सुरेंद्र सिंह खंगार प्रधान, लोहा सिंह खंगार (प्रधान), सभाजीत सिंह खंगार, विवेक सिंह खंगार,किरन यादव सुमन दिवाकर पूर्व अध्यक्ष बृजेश सिंह पटेल तिंदवारी नगर अध्यक्ष फैसल राईन पूर्व नगर अध्यक्ष हफीजुल इस्लाम लोहिया वाहिनी जिला उपाध्यक्ष अनिल सिंह यादव आकाश कान्हा विमल द्विवेदी राजेश यादव ,विधानसभा अध्यक्ष प्रमोद निषाद महेंद्र यादव शीतल प्रसाद रमजान सिद्दीकी अजीत पटेल रामकिशोर प्रजापति शुभम गुप्ता श्री राम अवस्थी माजिद अली संजय गिरी जहीरूद्दीन समसुद्दीन इजहार अली सहित तमाम कार्यकर्ता एवं नेता मौजूद रहे हिन्दी दैनिक निष्पक्ष धारा बांदा से राजेश सिंह

ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना मरका पुलिस द्वारा गुम हुए मूक बधिर बच्चे के परिजनों का पता लगाकर सकुशल किया गया सुपुर्द

बांदा -पुलिस अधीक्षक बांदा अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन मुस्कान के क्रम में दिनांक 12.02.2025 को थाना मरका पुलिस द्वारा गुम हुए 10 वर्षीय मूक बधिर बच्चे के परिजनों का पता लगाकर सकुशल सुपुर्द किया गया । गौरतलब हो कि दिनांक 11.02.2025 की रात्रि को क्क्क्ङ्क 5468 थाना मरका को सूचना प्राप्त हुई की मरका के पास एक 10 वर्षीय बालक रास्ता भटक गया है जो बोल व सुन नहीं पा रहा है । सूचना पर तत्काल थाना मरका पुलिस द्वारा आस पास के लोगों से पूछताछ करते हुए पाया कि बच्चा के माता-पिता नरैनी के रहने वाले है बच्चे का नाम गुलाब पुत्र स्व० बुद्धलाल उम्र करीब 10 वर्ष निवासी कस्बा व थाना नरैनी जो अपने मामा दिनेश कुमार पुत्र बसदेव वर्मा निवासी अरवारी, मरका के घर शादी में आया था । तत्पश्चात पुलिस टीम द्वारा बच्चे की माँ माया व मामा को सकुशल सुपुर्द किया गया । परिजन द्वारा पुलिस टीम की प्रशंसा करते हुए हृदय से धन्यवाद दिया । टीम का विवरण- 1. थाना प्रभारी मरका सुभाष चन्द्र 2. क ा ० नकुल राय 3. कां० हृदेश सैनी।

प्रभुपाद महाराज को विश्व गुरु की उपाधि मिलने पर राधा दामोदर मंदिर के सेवायतो ने किया हर्ष व्यक्त

संवाददाता

वृंदावन । नगर के सप्त देवालयों में प्रमुख ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में महाकुंभ में इस्कॉन के संस्थापक और हरी नाम संकीर्तन का दुनिया भर में प्रचार प्रसार करने वाले एसी भक्ति वेदांत प्रभुपाद महाराज को विश्व गुरु की उपाधि दिए जाने पर मंदिर के सेवायतों के द्वारा हर्ष व्यक्त किया। इस मौके पर मंदिर के सेवायत और अन्य विद्वतजनों ने प्रभुपाद महाराज के छायाचित्र का पूजन अर्चन और पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर बोलते हुए ठाकुर राधा दामोदर मंदिर के सेवायत आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी महाराज ने बताया कि जिस तरह से अखाड़ा परिषद के द्वारा प्रभुपाद महाराज को विश्व गुरु की उपाधि से अलंकृत किया गया है। यह बहुत ही सराहनीय है। यह गौडिया संप्रदाय से जुड़े हर व्यक्ति के लिए गौरवान्वित विषय है, क्योंकि आज तक अखाड़ा परिषद के द्वारा किसी को इस उपाधि से अलंकृत नहीं किया गया है। वहीं उन्होंने बताया कि प्रभुपाद महाराज नहीं विश्व भर में हरिराम संकीर्तन का प्रचार प्रसार किया और विदेशी लोगों को सनातन धर्म से जोड़ा। उनकी कोशिश के कारण ही आज असंख्य विदेशी भक्त सनातन धर्म में से जुड़े हैं और सनातन धर्म का प्रचार प्रसार कर रहे हैं। इस मौके पर मंदिर के सेवायत आचार्य कारण गोस्वामी महाराज, आचार्य पूर्ण चंद्र गोस्वामी महाराज आदि मौजूद रहे।

तेरहवीं से घर वापस जा रहे युवक की बाइक में अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, महिला सहित तीन घायल

बहरिया। तेरहवीं से भोजन करने के बाद अपने घर वापस जा रहे युवक की बाइक में अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिस पर बैठी महिला सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार हरीलाल पुत्र पारस नाथ, गीता देवी पत्नी हरीलाल निवासी उड़ईयाडीह व कलावती पत्नी राम अभिलाष निवासिनी सुवन्सा जो बहरिया थाना क्षेत्र के वीरगंज गांव में मंगलवार देर शाम एक तेरहवीं कार्यक्रम में भोजन करने के बाद अपने घर वापस जा रहे थे जैसे ही वह मंसूरपुर चौराहे से 200 मीटर आगे बढ़े थे कि अज्ञात वाहन ने हरी लाल की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिस बाइक को चला रहे हरी लाल, कलावती, गीता देवी को गंभीर चोटे आई। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने बहरिया पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची बहरिया पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरिया भेजा। जहां पर प्राथमिक उपचार होने के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

गैस एजेन्सी में काम कर रहा युवक लाखो रुपये लेकर फरार

बहरिया। बहरिया थाना क्षेत्र के महुली ग्राम पंचायत में स्थित श्री गुरु कृपा एजेन्सी में काम कर रहा एक युवक लाखो रुपये लेकर फरार हो गया । जानकारी के अनुसार श्री गुरु कृपा गैस एजेन्सी में विष्णु निवासी पौहर जनपद कानपुर । उपभोक्ताओं की केवाइसी करने का काम कर रहा था तथा गैस भी वितरित करता था और लगभग 15 दिन का कैश अपने पास रखा हुआ था । शनिवार को सायं विष्णु ने नितीश कुमार गोदाम इंचार्ज से कहा कि जाओं बाजार से पनीर और मसाला लाओ । जब वह बाजार चला गया तो विष्णु ने अपने एक दूसरे साथी को बुला कर नगदी तीन लाख और एक मोबाइल लेकर दो पहिया वाहन से फरार हो गया । जब गोदाम इंचार्ज नितीश कुमार बाजार से वापस आया तो देखा कि विष्णु गोदाम पर नही है । तब वह उक्त सूचना एजेन्सी मालिक मुन्ना तिवारी (एडवोकेट) को दिया । मालिक के निर्देश पर गोदाम इंचार्ज नितीश कुमार ने बहरिया थाने में लिखित तहरीर दिया । तहरीर के आधार पर बहरिया पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत करते हुये जांच शुरु कर दी।

तय मानक से 4 गुना दूरी पर बनाए गए परीक्षा केंद्र, नियमों की जमकर उड़ाई गईं धज्जियां

फतेहपुर। यूपी बोर्ड परीक्षा केंद्रों के निर्धारण में शासन के आदेशों की जमकर धज्जियां उड़ाई गई हैं। बात की जाए शासन के आदेशों की तो मूल विद्यालयों से बालिकाओं के लिए 7 किलोमीटर की परिधि में केंद्र बनाने का नियम है, लेकिन यहां नियम को ताक पर रखकर हाईस्कूल और इंटर के दर्जन भर से अधिक विद्यालयों के सैकड़ों बालिकाओं का परीक्षा केंद्र 4 गुणा से अधिक दूरी पर बनाया गया है। बोर्ड परीक्षा के लिए जिले में 114 केंद्र बनाए गए हैं। डीएम के स्तर से अनुमोदन करते हुए माध्यमिक शिक्षा परिषद के पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

मूल विद्यालयों से 30 किलोमीटर दूर बनाए गए परीक्षा केंद्र

हैरानी की बात यह है कि जिले के इंटर कॉलेज दुगरेई की 17 छात्राओं का परीक्षा केंद्र वंश गोपाल इंटर कॉलेज रसूलपुर भेजा गया है जिसकी दूरी मूल विद्यालय से 12 किलोमीटर दूर है। वहीं इंटर कॉलेज सिधाव की 40 छात्राओं का सेंटर शमशाबाद इंटर कॉलेज भेजा गया है यहां की छात्राओं को परीक्षा देने के लिए 20 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ेगी। इसी तरह हायर सेकेंडरी उकाथू की 19 छात्राओं का केंद्र बुदवन इंटर कॉलेज को बनाया गया है यहां की छात्राएं 16 किलोमीटर का सफर तय कर परीक्षा देंगी। उधर, राजकीय हाई स्कूल डींघ की 11 छात्राओं का परीक्षा केंद्र 12 किलोमीटर दूर दरियापुर इंटर कॉलेज में बनाया गया है।

वहीं हाई स्कूल नरौली की 5 छात्राओं का सेंटर जुनेदपुर स्थित इंटर कॉलेज भेजा गया है। इस केंद्र की दूरी 15 किलोमीटर है। इंटर कॉलेज गोविंदपुर बिलारी की 36 बालिकाएं 30 किलोमीटर दूर जाकर मदर जानकी इंटर कॉलेज खजुहा में परीक्षा देंगी। इतना ही नही 22 छात्रों का भी सेंटर धर्मपाल इंटर कॉलेज मुबारकपुर गेरिया से 28 किलोमीटर दूर आशा सिंह इंटर कॉलेज खागा को बनाया गया है। इन स्कूलों के अलावा भी नियम की धज्जियां उड़ाने वाले दर्जनों विद्यालयों को भी परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इतनी भारी अनियमितताओं के बावजूद भी ऐसे सेंटर बहाल होना विभगीय मुखिया को कटघरे में खड़ा कर रहा है।

छात्राओं के लिए 7 तो छात्रों का अधिकतम 15 किलोमीटर का है आदेश

शासन के गाइडलाइन के अनुसार मूल विद्यालयों से छात्राओं के परीक्षा केंद्रों की अधिकतम दूरी 7 किलोमीटर तो छात्रों के लिए यह दूरी 15 किलोमीटर तय की गई है। लेकिन जिले में नियम को धता बताकर विभागीय मुखिया ने इन विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया है जो छात्र-छात्राओं के लिए सिरदर्द से कम नही है।

विभागीय मुखिया के अनदेखी का खामियाजा भुगतेंगे छात्र-छात्राएं

डीआइओएस राकेश कुमार ने बड़े ही बेबाकी से कहा कि परीक्षा केंद्र के निर्धारण की सारी प्रकिया ऑनलाइन है। कहा कि सभी सेंटर यथा स्थित ही रहेंगे। विभागीय मुखिया का यह जवाब कहीं ना कहीं न शिक्षा माफियाओं की मिलीभगत की ओर इशारा कर रहा है। यह कहना गलत नही होगा कि जिसका खामियाजा छात्र और छात्राओं को भुगतना पड़ेगा।

विधायक ने किया वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में अस्ती की उड़ान पत्रिका का विमोचन

फतेहपुर। आज नगरक्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय अस्ती में विभाग के मंशानुरूप भव्य वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत कर रहे नगर पालिका अध्यक्ष राजकुमार मौर्य ने कार्यक्रम का उद्घाटन रिबन काटकर व माँ सरस्वती के पूजन अर्चन के साथ किया। उन्होंने प्राथमिक विद्यालय अस्ती को जनपद का सर्वश्रेष्ठ विद्यालय बताया तथा कार्यक्रम की सराहना की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सदर फतेहपुर विधायक चंद्रप्रकाश लोधी ने आसिया फारूकी द्वारा लिखी गई अस्ती की उड़ान भाग-2 पत्रिका का विमोचन किया। उन्होंने पत्रिका को बच्चों व शिक्षा जगत के लिए उपयोगी बताते हुए सराहना की तथा प्रधानाध्यापक आसिया फारूकी के प्रयासों, विद्यालय के प्रति समर्पण, विद्यालय परिवेश, पुस्तकालय व शिक्षा गुणवत्ता की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सतेन्द्र सिंह जिला अध्यक्ष लघु उद्योग भारती फतेहपुर व बीरेंद्र सिंह उपाध्यक्ष लघु उद्योग भारती फतेहपुर ने शिरकत की। बच्चों द्वारा स्वागत गीत, लघुनाटिका, नृत्य आदि विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का संचालन मो. साजिद व डायट प्रशिक्षुओं ने किया। इस दौरान अतिथियों ने राष्ट्रपति पुरूस्कृत शिक्षिका के प्रयासों से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त, स्वावलंबी व आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए लगाई गई हुनर की पाठशाला में बनें उत्पादों का अवलोकन किया तथा महिलाओं को आगे बढ़ने और स्वावलंबी बनने के लिए शुभकामनाएं दी साथ ही उन्होंने महिलाओं को रोजगार के अवसर सुलभ कराने की बात करते हुए शासन की योजनाओं से परिचित कराया जिससे वह अपने कार्य को और बेहतर तरीके से करके समाज में अपने आप को स्थापित कर सकें। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर पूर्व सभासद शम्सुनिशा व प्रधानाध्यापक आसिया फारूकी ने बच्चों व ऐंकर्स को ट्राफी व मेडल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को यादगार व सफल बनाने में शिक्षक हरिओम, धर्मेंद्र अध्यक्ष प्रा.शि.सं. व अभिभावक जफ़र आलम, जुनैद व मो. इदरीश आदि ने सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर बच्चों के साथ साथ राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ पदाधिकारी केशव अग्निहोत्री, शिक्षक ओसामा, विकास, महेश समेत सैकड़ों ग्रामीण अभिभावक व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पौली में डॉक्टर के न रहने से भटक रहे मरीज फार्मासिस्ट द्वारा किया जा रहा उपचार

संवाददाता

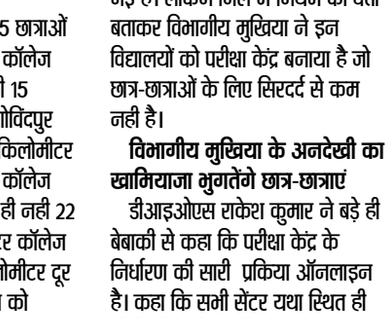

खखरेरू/ फतेहपुर स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक भले ही ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य को लेकर सजक रहने का दावा करते हैं लेकिन जनपद प्रशासन के लचर रवैया के कारण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर के ना पहुंच पाने के कारण फार्मासिस्ट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज करता नजर जिसके कारण क्षेत्रीय लोगों में काफी रोज व्यापक है वही झोलाछाप चिकित्सकों की लॉटरी खुली रहती है प्रभारी चिकित्सा कब आते हैं किसी को नहीं पता चिकित्सक की लापरवाही के गंभीर आरोप है क्योंकि प्रयागराज से सप्ताह में एक बार आते हैं जिसकी शिकायत ग्रामीणों ने कई बार उच्च अधिकारियों को से किया लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ता स्वास्थ्य केंद्र में फार्मासिस्ट एवं आईटी मौजूद हालत में रहे राज्य सरकार लाखों रुपए के आवास बना परंतु आवास वीरान नजर आ रहा है सी एच सी प्रभारी डॉक्टर राजेंद्र कुमार ने बताया की डॉक्टर उत्तम जायसवाल अपने निजी काम की वजह से 3 दिन के लिए छुट्टी पर गए हैं अगर डॉक्टर द्वारा ड्यूटी पर लापरवाही बढ़ती गई है तो मामले की जांच करवाई जाएंगी

भारती सिंह ने कहा- हमारे पास साथ रहने का वक्त ही नहीं, बताया कब सोच रखा है रिटायरमेंट का प्लान

अपनी कॉमेडी से दुनिया को हंसाने वाली कॉमेडियन भारती सिंह को पर्सनल लाइफ में है इस बात का है दर्द। मुझे लगता है कि मैं हर्ष के बिना अधूरी हूं और उसे मेरे बिना ऐसा ही लगता है। बताया, अपने फ्यूचर को लेकर कर रखा है कैसा प्लान और लाइफ में कितने दिन और करना है काम। दुनिया को हंसाने वाली भारती सिंह को अपनी पर्सनल लाइफ में इस बात का है अफ्सोस बेटे गोला से दूर रहने पर भारती भावुक हो जाती हैं, पति हर्ष को सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम मानती हैं भारती सिंह ने बताया कि उन्हें कितने समय तक और काम करना है यहां दुनिया के लिए भारती सिंह वह कॉमेडियन हैं जो अपनी कॉमेडी से सबको लोटपोट कर देती हैं। लेकिन निजी जिंदगी में वह पत्नी हैं जो एक दिन की छुट्टी में भी पति हर्ष लिंबाचिया के लिए खुद खाना पकाना पसंद करती है, वह मां हैं जिसे बेटे गोला से दो दिन दूर रहना पड़े तो भावुक होकर रो देती हैं। हाल ही में श्लाफ्टर शेफ 2श् के सेट पर होस्ट भारती सिंह से मुलाकात हुई तो उनका यही रूप निखर कर सामने आया। जिस घर जाओ, फ्रि पति के कंधे पर ही आओ हंसाने के साथ-साथ खाना पकाने में महारथी भारती अब भी छुट्टी के दिन पति हर्ष लिंबाचिया के लिए खुद खाना पसंद करती हैं। इस बारे में उनका कहना है, श्मुझे हर्ष के लिए खाना पकाना अच्छा लगता है। ऐसा नहीं है कि मुझे कोई आदर्शवादी पत्नी बनना है या हर्ष कहता है कि तुम ही बनाओ। मगर आप जिसे प्यार करते हैं, उसके लिए कुछ बढ़-चढ़कर करना चाहते हैं। जैसे, मैं अभी शूट पर हूं, तब भी मुझे पता है कि हर्ष के खाने में क्या है। यह वैसे ही है, जैसे वैसे तो मस्त 10 बजे उठते हैं, लेकिन बच्चे से प्यार करते हैं तो उसके लिए 7 बजे उठते हैं।श् वैसे अक्सर खाना बनाना औरतों का ही जिम्मा माना जाता है। यह भी कहते हैं कि पति के दिल तक पहुंचने का रास्ता पेट से होकर गुजरता है। इस स्टीरियोटाइप मुहावरों पर भारती कहती हैं, श्पति का दिल जीत खाने से नहीं, प्यार से जीता जाता है। पति का ऐसा साथ दो कि उसे लगे कि आपके बिना वह अधूरा है। जैसे, मुझे लगता है कि मैं हर्ष के बिना अधूरी हूं और उसे मेरे बिना ऐसा ही लगता है। हमारे मां बाप कहते हैं कि तुम लोग शादी करके खो गए हो, जबकि हम ऊपर नीचे रहते हैं, तो मुझे यह सुनकर बहुत अच्छा लगता है क्योंकि मैंने इतने रिश्ते, इतनी शादियां टूटते हुए देखी हैं कि मैं सोचती हूं कि अगर तोड़ना ही है, तो ये लोग शादी क्यों करते हैं! मेरे संस्कार तो यह हैं कि शादी करके जिस घर में जाओ, तो फ्रि वापस पति के कंधे पर ही आओ।श

हर्ष मेरी शक्ति याद दिलाता रहता है

पति हर्ष लिंबाचिया की बात आती है तो भारती उनकी तारीफ करते नहीं थकतीं। बकौल भारती, श्हर्ष मेरा सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम है। मेरा ना थोड़ा हनुमान जी वाला हिसाब-किताब है कि मुझे मेरी शक्ति याद दिलानी पड़ती है और हर्ष हमेशा यह काम करता है। मैं कोई लाइव शो करने में नर्वस महसूस करूं तो वो कहेगा कि जो तू कर सकती है न भारती, वह कोई नहीं कर सकता। तू मर्दों में अकेली खड़ी होके हंसाती है और सच कह रही हूं कि जब आपका पति ऐसे हौसला बढ़ाता है ना, आपको लगता है कि मैं तो दुनिया जीत लूंगी और मैं वाहवाही लूटकर आती हूं। जबकि, हम दोनों एक ही फील्ड में हैं पर हममें कोई ईगो, कोई जलन नहीं है। हम एक-दूसरे की सच्ची क्रिटिसिजम भी करते हैं कि ये अच्छा नहीं था, ये और अच्छा करो। हम पति-पत्नी बाद में हैं, पहले बहुत अच्छे दोस्त हैं।श

गोला को बहुत बार फेसटाइम करती हूं

शूट के चलते अपने बेटे गोला से दूरी भारती को बहुत अखरती है। भावुक भारती कहती हैं, श्बच्चे के साथ शूट मैनेज करना बहुत मुश्किल है। मैं दो दिन से लगातार काम कर रही हूं जिसके चलते गोले के साथ वक्त नहीं बिता पाई। ऐसे में, कभी-कभी लगता है कि बच्चे के लिए काम छोड़ दूं। मैं उसे बहुत बार फेसटाइम करती हूं। हालांकि, कभी-कभी ये भी सोचती हूं कि हमारी माएं, सास सभी ने तो बच्चे पाले हैं। वे भले काम पर नहीं जाती थीं, पर बाकी बहुत सारे काम करती थीं। जबकि मैं बिंदास बोलूंगी कि हमारे मामा, चाचा, बाप अपनी पत्नियों का बिल्कुल हाथ नहीं बंटाते थे। वे सबकुछ अकेली करती थीं। मैंने अपने बुजुर्गों को सिर्फ अकड़ते और औरतों को ताने मारते देखा है कि खाने में जरा देर हुई तो बोलेंगे कि अरे, ले भी आओ। जबकि आज के लड़के सब काम में मदद करते हैं। अगर मैं कुछ कर रही हूं और फंस गई तो हर्ष तुरंत मदद करने आता है।श

गोले के लिए प्यार देखकर गदगद हो जाती हूं

भारती का बेटा गोला भी सोशल मीडिया पर लोगों का चहेता है। भारती गोले को मिलने वाले प्यार को देखकर गदगद हो जाती हैं। बकौल भारती, श्जब लोग आपके बच्चे को इतना प्यार करते हैं ना, तो ऐसा लगता है कि उनके पैर पकड़ लूं। मैं गाड़ी में निकलती हूं और कोई बोलता है- गोला, हाए तो जो सुकून मिलता है, वो एक मां ही समझ सकती है। यह अलग ही सुख है। मुझे बहुत से लोग बोलते हैं कि इतने विडियो क्यों डालती है! इसको टीका लगा, नजर लग जाएगी, तो मैं बोलती हूं कि लोग प्यार करते हैं और प्यार में कभी नजर नहीं लगती। कोई उसका बुरा नहीं चाहता।श

एक फ्लॉप बॉलीवुड एक्ष्टर, जध्सि शादी के 20 साल बाद पता चला, उसकी बीवी उसकी है ही नहीं! कध्स्ध्सा जान सब थे दंग

हम बात कर रहे हैं फिल्म श्जो जीता वही सिकंदरश् फेम दीपक तिजोरी की, जो उन बॉलीवुड एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हैं जिनकी शादीशुदा लाइफ में बड़ा तूफान उठा। वो भी ऐसा जैसी कहानी किसी ने न अब तक सुनी और न पढ़ी थी।

दीपक तिजोरी 1990 के दशक के चहेते और चॉकलेटी हीरोज में से एक थे। सपोर्टिंग रोल निभाने के बावजूद उन्हें बॉलीवुड में खूब तारीफें मिलीं। फिल्म आशिकी में श्बालूश् से लेकर, श्जो जीता वही सिकंदरश् में हैंडसम शेखर मल्होत्रा और श्कभी हां कभी नाश् में क्रिस रोड्रिग्स जैसे कई शेड्स में दिखे हैं दीपक। हालांकि, ये और बात है कि श्जो जीता वही सिकंदरश् को छोड़कर उनकी कोई भी फिल्म ऐसी हिट नहीं रही।

वहीं कुछ फेमस किरदार निभा चुके दीपक ने साल 2003 में निर्देशन की दुनिया में कदम रखा और पहली फिल्म व्चे! का निर्देशन किया। इसके अलावा उन्होंने श्फरेबश, श्टॉम, डिक और हैरीश् जैसी कुछ अन्य फिल्मों का निर्देशन किया। पर्सनल लाइफकी बात करें तो दीपक ने फैशन डिजाइनर, शिवानी तिजोरी से शादी की।

बताया जाता है कि शादी के करीब दो दशकों के बाद दीपक को पता लगा कि उनकी वाइफ शिवानी तोमर कानूनी तौर पर उनकी पत्नी हैं ही नहीं। मीडिया में ये खबर आई कि शिवानी ने उन्हें उनके घर से निकाल दिया।

दीपक तिजोरी और शिवानी तोमर की कहानी एक ऐसी कहानी है जिसमें कानूनी पेचीदगियां और काफी उथल-पुथल हैं। इसका पता तब लगा जब एक बार दोनों के बीच किसी बात पर तीखी बहस हुई और शिवानी ने उन्हें घर से बाहर का रास्ता दिखा दिया।

साल 2017 में मीडिया में सामने आई रिपोर्टों में आरोप लगाया गया कि दीपक को उनकी पत्नी शिवानी तिजोरी ने गोरेगांव स्थित उनके घर से बाहर निकाल दिया था, क्योंकि उन्हें एक्टर पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर होने का संदेह था।

बताया जाता है कि जब तिजोरी ने घर से बेदखल होने के बाद अपने लीगल हालात को समझने के लिए एक वकील से सलाह ली। इसी दौरान तिजोरी को इस सच का पता चला कि शिवानी ने वास्तव में अपने पहले पति को कभी तलाक ही नहीं दिया था।

इसका मतलब ये था कि दीपक तिजोरी के साथ शिवानी की ये शादी पर कानूनी तौर पर कोई बंधन नहीं था। ये कहानी तिजोरी के लिए एक अजीब झटका थी, क्योंकि जिन्हें वो 20 साल से अधिक समय से जिस रिश्ते को वो कानूनी मान रहे थे वो वास्तव में वैसा नहीं था। इस स्थिति को लेकर काफी कानूनी पचड़े थे क्योंकि शिवानी ने अपने पहले पति को कभी कानूनी रूप से तलाक नहीं दिया था, इसलिए तिजोरी के साथ उनकी बाद की शादी को शुरू से ही अमान्य माना गया।

इस खुलासे ने उनके रिश्ते को लेकर कानूनी सवाल और कानून की नजर में श्पतिश् के रूप में तिजोरी के पास क्या अधिकार हैं, इसे लेकर भी कई सवाल खड़े कर दिए। इसने इमोशनल और साइकॉलॉजिकल ट्रॉमा को लेकर भी एक ऐसा पिटारा खोल दिया, जो न केवल तिजोरी के लिए, बल्कि उनकी बेटी समारा के लिए भी एक कानूनी लड़ाई बन गई जिसके बारे में उन्होंने शायद कभी सोचा भी न हो।

यह एक झटका था, जिसने शिवानी के साथ उनके रिश्ते की नींव को हिलाकर रख दिया। शादी अमान्य होने के बाद शिवानी के मेंटनेंस को लेकर डिमांड ने तिजोरी को मुश्किल में डाल दिया। हालांकि उनका रिश्ता कम से कम उसकी नजर में, पति-पत्नी का था, लेकिन इस शादी के अमान्य होने की वजह से कानून ने इसे उस तरह से नहीं देख रहा था। हालांकि, इसके बावजूद शिवानी की कानूनी कार्रवाइयों के कारण तिजोरी को काफी मुश्किलों का भी सामना करना पड़ा।

आगे 8-10 साल ही काम करना है

भारती ने मां बनने के बाद बहुत जल्द काम शुरू कर दिया था, जिसे लेकर लोगों ने उन पर उंगलियां भी उठाई थी। वह चाहें तो बच्चे के लिए ब्रेक ले भी सकती हैं। ऐसे में, लगातार काम करने की वजह पूछने पर वह बताती हैं, श्लोग कहते हैं कि आपको कौन से पैसे की कमी है? मगर मैं यह सोचकर काम करती हूं कि मेरा फ्यूचर अच्छा हो, वरना मैं काम नहीं करती। मैंने और हर्ष ने प्लान किया है कि हमें 8-10 साल ही काम करना है। फ्रि, हम दोनों पति-पत्नी को साथ में जिंदगी जीना है। अभी हमारे पास साथ रहने का वक्त ही नहीं है। हमारे बीच प्यार हुआ, शादी हुई, बच्चा हुआ पर उस तरह से साथ नहीं मिला। ज्यादा वक्त अलग-अलग ही कटा है, तो हमने सोचा है कि 8-10 साल काम करना है, फ्रि हम दोनों पति-पत्नी घूमेंगे-फ्रिेंगे, गोला भी तब तक 13-14 साल का हो जाएगा, तो ये प्लान है।श

नागा चैतन्य ने सामंथा से तलाक पर तोड़ी चुप्पी

साउथ स्टार नागा चौतन्य ने पिछले साल शोभिता धुलिपाला संग दूसरी शादी रचाई थी। इससे पहले वह अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु के साथ शादीशुदा थे लेकिन साल 2021 में दोनों ने तलाक लेकर अपनी राहें अलग कर ली थीं। अब हाल ही में नागा चौतन्य ने पहली बार सामंथा के साथ तलाक पर बात की है। उन्होंने कहा है कि वे दोनों अपनी लाइफ में मूव ऑन कर चुके हैं और अलग होने के बाद वह एक-दूसरे के प्रति बहुत सम्मान रखते हैं। श्हमारा तलाक मुद्दा बन गया है...श् रॉ टॉक्स विद वीके पॉडकास्ट में शामिल हुए नागा ने पूर्व पत्नी सामंथा संग अपने तलाक पर कहा, .हम दोनों अपने अलग-अलग रास्ते पर जाना चाहते थे। इसी कारण हमने अलग होने का फैसला लिया और हम एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। हम अपने जीवन में आगे बढ़ रहे हैं। मुझे समझ नहीं आता इससे ज्यादा क्लैरिफिकेशन की किया जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि लोग और मीडिया इसका सम्मान करेंगे। हमने अपनी प्राइवेसी मांगी है, कृप्या इसकी रिस्पेक्ट करें और हमें प्राइवेसी दें। लेकिन, दुर्भाग्य से, यह एक चर्चा का मुद्दा बन गया है... यह एंटरटेनमेंट का एक टॉपिक या गपशप बन गई है। नागा चौतन्य ने आगे कहा, .वह और मैं बहुत ग्रेस के साथ आगे बढ़े हैं। हम अपनी जिंदगी खुद जी रहे हैं। मुझे फ्रि से प्यार मिल गया है और मैं बहुत खुश हूं। हम एक-दूसरे की रिस्पेक्ट करते हैं... और ऐसा नहीं है कि केवल मेरे जीवन में ही अच्छा हो रहा है, तो मेरे साथ अपराधी जैसा व्यवहार क्यों किया जाता है?ष् श्रिश्ता तोड़ने से पहले हजार बार सोचूंगा...श् एक्टर ने आगे कहा, श्शादी खत्म करने का फैसला बहुत सोचने समझने के बाद और बहुत सम्मान के साथ लिया गया था। ये मेरे लिए बहुत सेंसेटिव मामला है। मैं एक टूटे हुए परिवार से आता हूं, जहां मैंने ये चीजें देखी हैं.. इसलिए मुझे पता है कि इसका अनुभव कैसा होता है। मैं रिश्ता तोड़ने से पहले हजार बार सोचूंगा क्योंकि मैं इसके परिणामों को जानता हूं। हमरा बिल्कुल आपसी फैसला था।श् बताते चलें, नागा चौतन्य और सामंथा रुथ प्रभु ने 6 अक्टूबर 2017 को शादी की थी। दोनों की शादी लगभग चार साल तक चली। शादी के कुछ साल बाद जब सामंथा ने अपने नाम से अक्किनेनी (नागा चौतन्य के पिता का सरनेम) हटाया, तब से ही उनके रिश्ते में दरार की खबरें सामने आने लगीं। आखिरकार 6 अक्टूबर 2021 को नागा चौतन्य और सामंथा ने तलाक का फैसला लिया।

पाकिस्तानी एक्ट्रेस के गुडलक से बॉलीवुड मालामाल

9 साल पहले 2016 में जब सनम तेरी कसम रिलीज हुई तो फिल्म कोई कमाल नहीं कर पाई. फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हुई. हर्षवर्धन राणे और पाकिस्तानी एक्ट्रेस मावरा होकेन इस फिल्म में लीड में थे. हालांकि, फिल्म बड़े पर्दे से उतरी तो अपने बेहतरीन गानों की वजह से सबकी जुबान पर इसका नाम जरूर था. फिल्म को 7 फरवरी को फ्रि से री-रिलीज किया गया और बॉक्स ऑफ्सि पर जो कुछ भी देखने को मिला वो हैरतअंगेज था. दरअसल इस फिल्म ने सैक्निल्क के मुताबिक, री-रिलीज के पहले दिन 4.25 से 4.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. जबकि हाल में रिलीज हुई बैडऐस रविकुमार और लवयापा मिलकर भी इतना कलेक्शन नहीं कर पाईं. फिल्म ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड राधिका राव और विनय सप्रू के डायरेक्शन में बनी सनम तेरी कसम एक रोमांटिक ड्रामा था. लेकिन 2016 में इस फिल्म ने पहले दिन सिर्फ1.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. वहीं री-रिलीज पर फिल्म ने 3 गुना से भी ज्यादा की ओपनिंग ली है. फ्लॉप हुई थी फिल्म, अब होगी हिट! सनम तेरी कसम को करीब 25 करोड़ रुपये के बजट में तैयार किया गया था और फिल्म ने पहली बार इंडिया में सिर्फ9.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. यानी फिल्म सुपरफ्लॉप थी. लेकिन इस बार जिस तरह से फिल्म ने ओपनिंग ली है उसे देखकर लग रहा है कि फिल्म बहुत जल्द हिट बनने वाली है. फिल्म के टीवी पर आने के बाद इसे देखने वाले दर्शकों ने इसे कल्ट बना दिया, जिसकी वजह से री-रिलीज पर फिल्म ने अच्छा कलेक्शन किया है. फिल्म की हीरोइन मावरा की हाल में हुई है शादी बता दें कि इस फिल्म में पाकिस्तानी एक्ट्रेस मावरा होकेन ने काम किया था. इस फिल्म के बाद उन्होंने इंडिया में भी खूब फैन फॉलोविंग बना ली. हाल में ही मावरा की शादी हुई है. वो 5 फरवरी को अमीर गिलानी के साथ शादी के बंधन में बंधी हैं. उनके लिए भी ये खुशी की खबर है कि जब वो अनमैरिड थीं तो उनकी फिल्म फ्लॉप हुई, लेकिन शादी होते ही वो फिल्म दोबारा से हिट हो गई.

ऐसी होगी प्लेइंग कंडीशन, कन्कशन सबस्टिट्यूट को लेकर क्या नियम होगा लागू

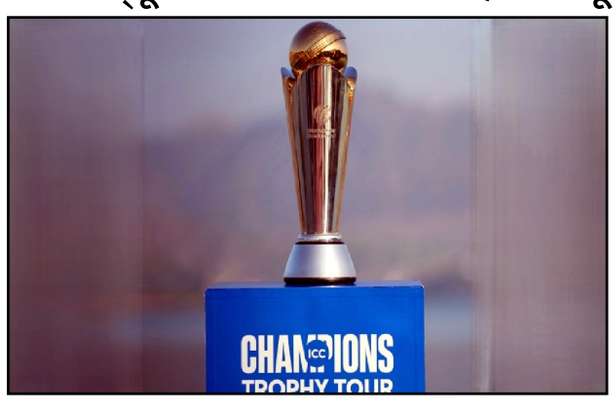

चौंपियंस ट्रॉफी की प्लेइंग कंडीशन के अनुसार अगर टूर्नामेंट के दौरान मैच में अगर किसी खिलाड़ी को कन्कशन होता है या इसका अंदेशा होता है तो नियम 1.2.7.1.3 के अनुसार टीम के मेडिकल प्रतिनिधिक या फिर टीम मैनेजर को आईसीसी मैच रेफरी से कन्कशन रिप्लेसमेंट की अपील करनी होगी। साथ ही खिलाड़ी के बारे में बताना होगा कि किसे कन्कशन हुआ है।

चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। 19 फरवरी से शुरू होने वाली चौंपिंयस ट्रॉफी के लिए प्लेइंग कंडीशन का भी ऐलान हो गया है, जिसमें कन्कशन सबस्टिट्यूट को लेकर भी नियम साफ कर दिए गए हैं। दरअसल, भारत और इंग्लैंड के बीच बीते दिनों खेली गई टी20 सीरीज में कन्कशन सबस्टिट्यूट को लेकर काफी बवाल मचा था। चौथे मैच के दौरान शिवम दुबे के हेलमेट पर गेंद लगने के बाद उनके कन्कशन सबस्टिट्यूट के तौर पर हर्षित राणा मैदान पर उतरे थे। जिस पर इंग्लिश कप्तान जॉस बटलर समेत कई एक्सपर्ट ने सवाल खड़े किए थे। बटलर ने तो यहां तक कह दिया था कि यह लाइक फॉर लाइक यानी समान रिप्लेसमेंट नहीं हैं, क्योंकि दुबे ऑलराउंडर हैं तो राणा तेज गेंदबाज। वहीं चौंपियंस ट्रॉफी की प्लेइंग कंडीशन के अनुसार अगर टूर्नामेंट के दौरान मैच में अगर किसी खिलाड़ी को कन्कशन होता है या इसका अंदेशा होता है तो नियम 1.2.7.1.3 के अनुसार टीम के मेडिकल प्रतिनिधिक या फिर टीम मैनेजर को आईसीसी मैच रेफरी से कन्कशन रिप्लेसमेंट की अपील करनी होगी। साथ ही खिलाड़ी के बारे में बताना होगा कि किसे कन्कशन हुआ है। इतना ही घटना के बारे में भी जानकारी देनी होगी, जिसमें समय से बताना होगा। ---1.2.7.3 नियम के अनुसार अगर कन्कशन रिप्लेसमेंट एक समान खिलाड़ी है तो आईसीसी मैच रेफरी कन्कशन रिप्लेसमेंट के अनुरोध को मंजूरी देगा। जिसके शामिल होने से मैच के शेष भाग में उस टीम को ज्यादा फायदा नहीं होगा। ---1.2.7.7 के अनुसार किसी भी कन्कशन रिप्लेसमेंट अनुरोध को लेकर आईसीसी मैच रेफरी का फैसला आखिरी होगा और किसी भी टीम को अपील का कोई अधिकार नहीं होगा। 1.2.7.9 के अनुसार रिकॉर्ड और स्टेट्स के मामले में दोनों खिलाड़ी यानी कन्कशन रिप्लेसमेंट और रिप्लेस दोनों को मैच में खेला हुआ माना जाएगा।

ऋषभ पंत को आजमाएगा भारत या केएल राहुल ही करेंगे विकेटकीपिंग? जानें संभावित प्लेइंग-11

अहमदाबाद। भारत ने अभी तक तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल करने और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी से भारत का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है। भारतीय टीम 19 फरवरी से शुरू होने वाली चौंपियंस ट्रॉफी से पहले बल्लेबाजी संयोजन की गुत्थी सुलझाने के इरादे से उतरेगा। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले ली है और उसकी नजरें बुधवार को होने वाले तीसरे मुकाबले में बेंच स्ट्रेंथ को परखने की होगी। भारत ने अब तक दोनों मैचों में केएल राहुल को विकेटकीपर के तौर पर उतारा है, लेकिन चौंपियंस ट्रॉफी से पहले वह ऋषभ पंत को मौका दे सकता है। भारत ने तीनों विभाग में किया है बेहतर प्रदर्शन भारत ने अभी तक तीनों विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया है। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को टीम में शामिल करने और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की वापसी से भारत का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है। कप्तान रोहित शर्मा ने दूसरे वनडे में 90 गेंद पर 119 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की जो भारत के लिए अच्छे संकेत हैं। भारत ने बल्लेबाजी क्रम में कुछ बदलाव किए हैं और केएल राहुल से पहले स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल को बल्लेबाजी के लिए भेजा है। भारत के लिए यह फायदेमंद रहा है क्योंकि अक्षर इस स्थान पर मौका भुना रहे हैं, लेकिन राहुल छठे नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाए हैं। रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं राहुल केएल राहुल बल्लेबाजी में अब तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। ऐसे में अगर भारत ऋषभ पंत को मौका देता है तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। वह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं जो भारतीय टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं। पंत चौंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में शामिल हैं और टीम प्रबंधन इस आईसीसी टूर्नामेंट से पहले पंत को मैच अभ्यास का मौका दे सकता है। पंत के टीम में आने से केएल राहुल को बाहर बैठना पड़ सकता है जो शुरू के दोनों मुकाबले में विकेट के पीछे जिम्मा संभाल रहे थे। श्रेयस-कोहली से अच्छी पारी की उम्मीदरोहित भले ही फॉर्म में लौट आए हैं, लेकिन स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का रन नहीं बना पाने का सिलसिला जारी है। कोहली पहले मैच में घुटने की चोट के कारण नहीं खेले थे, जबकि दूसरे मैच में सस्ते में आउट हो गए थे। भारत को मध्यक्रम में श्रेयस अय्यर से भी अच्छी पारी की उम्मीद होगी। ऑलराउंडर अक्षर पटेल को पांचवें नंबर बल्लेबाजी करने के लिए उतारना अभी तक सही साबित हुआ है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने पहले दो मैच में 52 और नाबाद 42 रन बनाए हैं। पटेल के बल्लेबाजी में अच्छे प्रदर्शन से रवींद्र जडेजा पर से कुछ दबाव कम हुआ होगा जिन्होंने अभी तक सीरीज में छह विकेट लिए हैं। भारतीय खिलाड़ियों ने स्पिन गेंदबाजों की मदद करने वाले विकेटों पर अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। चौंपियंस ट्रॉफी में दुबई में उन्हें इसी तरह की परिस्थितियां मिलने की संभावना हैं। कुलदीप-अर्शदीप को मिल सकता है मौका इंग्लैंड की टीम दोनों ही मैचों में अच्छी शुरुआत करने में सफल रही है, लेकिन भारतीय गेंदबाजी आक्रामण ने मध्य ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी की थी। जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में मोहम्मद शमी और हर्षित राणा नई गेंद से मोर्चा संभाल रहे हैं, लेकिन दोनों गेंदबाज इंग्लैंड के सलामी जोड़ी को परेशान नहीं कर सके हैं। भारतीय टीम के एक अन्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह जिन्हें चौंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में जगह दी गई है, वह अब तक दोनों मैच में नहीं खेले हैं।

अर्शदीप ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था और टीम प्रबंधन चौंपियंस ट्रॉफी से पहले इस मुकाबले में उन्हें मौका दे सकता है। अर्शदीप हर्षित की जगह प्लेइंग-11 में जगह बना सकते हैं। वहीं, कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने इस सीरीज में सिर्फ एक ही मैच खेला है और उन्हें भी वरुण चक्रवर्ती के स्थान पर एकादश में मौका दिया जा सकता है। तीसरे वनडे मुकाबले के लिए भारत और इंग्लैंड की संभावित प्लेइंग-11 इस प्रकार है...भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, रवींद्र जडेजा। इंग्लैंड: फिल सॉल्ट (विकेटकीपर), बेन डकेत, जो रूट, हैरी ब्रूक, जोस बटलर (कप्तान), लियाम लिविंगस्टोन, जैमी ओवरटन, गस एटकिंसन, आदिल राशिद, मार्क वुड, साकिब महमूद।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए चुनी गई पाकिस्तान टीम में नहीं होगा कोई बदलाव, फहीम-खुशदिल को मौका

नई दिल्ली। पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी और चयनकर्ताओं ने आगामी टूर्नामेंट के लिए चुने गए 15 सदस्यीय स्क्वॉड की समीक्षा की और खुशदिल शाह और ऑलराउंडर फहीम अशरफके टीम में बने रहने को लेकर फैसला किया। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि टीम में कोई बदलाव नहीं होगा। चौंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत में अब ज्यादा वक्त नहीं बचा है। 19 फरवरी से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पहले से चुनी गई अपनी टीम के साथ बने रहने का फैसला किया है। बोर्ड ने यह फैसला खुशदिल शाह और फहीम अशरफ के टीम में चुने जाने को लेकर लेकर चल रहे विवाद के बीच लिया। समीक्षा बैठक में फहीम और खुशदिल पर लिया गया निर्णय पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी और चयनकर्ताओं ने आगामी टूर्नामेंट के लिए चुने गए 15 सदस्यीय स्क्वॉड की समीक्षा की और खुशदिल शाह और ऑलराउंडर फहीम अशरफके टीम में बने रहने को लेकर फैसला किया। पीसीबी के एक सूत्र ने कहा कि टीम में कोई बदलाव नहीं होगा। सूत्र ने कहा- श्वही 15 खिलाड़ी आगामी (चौंपियंस ट्रॉफी) टूर्नामेंट में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करेंगे और अगर किसी खिलाड़ी को चोट लगती है तो उससे आईसीसी टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार निपटा जाएगा।श् बता दें कि, कई पूर्व खिलाड़ियों और विशेषज्ञों ने खुशदिल और फहीम को चौंपियंस ट्रॉफी टीम में शामिल करने के लिए चयनकर्ताओं की आलोचना की थी। इन लोगों ने लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने के कारण खुशदिल और फहीम के टीम में शामिल होने का विरोध किया था। फहीम-खुशदिल को लेने पर हुआ था विवाद फहीम ने 34 वनडे मैचों में 10.66 के औसत से 224 रन बनाए हैं और 46.30 के औसत से 26 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपना अंतिम वनडे मैच सितंबर 2023 में खेला था। दूसरी ओर, खुशदिल अपनी पिछली 10 पारियों में एक भी अर्धशतक नहीं जड़ सके हैं। उन्होंने अगस्त 2022 से राष्ट्रीय टीम के लिए कोई मुकाबला नहीं खेला है। इस मुद्दे पर मोहसिन नकवी का भी बयान आया था। उन्होंने कहा कि वह चयनकर्ताओं के काम में हस्तक्षेप नहीं करते हैं और जो उन्होंने सोचा है वो टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ होगा। इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान की टीम मोहम्मद रिजवान की कप्तानी में खेलने उतरेगी, जबकि गैरी कर्स्टन के जाने के बाद अंतरिम कोच का पद संभाल रहे आकिब जावेद इस पद पर बने रहेंगे। टीम में एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर 26 वर्षीय अबरार अहमद ने चार वनडे मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 33 रन पर चार विकेट के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ 10 विकेट चटकाए हैं। चोट के कारण अयूब नहीं बना सके जगह सईम अयूब को इस 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली है क्योंकि वह टखने में फ्रैक्चर के कारण उपलब्ध नहीं हो सकेंगे। सईम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन टेस्ट में चोट लग गई थी। पीसीबी ने सईम के फिट होने का इंतजार किया और उन्हें टीम में लेने की हर संभव कोशिश की, लेकिन वह समय से फिट नहीं हो सके जिस कारण इस आईसीसी टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बन पाए।

कौन सी टीम होगी सबसे खतरनाक टीम, रवि शास्त्री ने दिया ये जवाब

आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के शुरू होने में अब बस कुछ ही दिन शेष हैं। लेकिन उससे पहले सबके मन में एक सवाल है कि, आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी में सबसे ज्यादा कौन सी टीम खतरनाक होगी? इसके जवाब में टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने तर्क के साथ जवाब दिया है। रवि शास्त्री ने भारत, पाकिस्तान या ऑस्ट्रेलिया नहीं, बल्कि न्यूजीलैंड की टीम को डेंजरस बताया है। उन्होंने कीवी टीम को लेकर कहा है कि उनके पास दमदार खिलाड़ी हैं। जो लय में हैं और टीम को जोड़कर रख सकते हैं। भारतीय पूर्व कोच ने केन विलियमसन, रचिन रविंद्र, डेरिल मिचे और ग्लेन फिलिप्स जैसे खिलाड़ियों की तारीफकी जो काफी समय से टीम के लिए उपयोगी साबित हो रहे हैं। रवि शास्त्री ने न्यूजीलैंड की टीम को लेकर आईसीसी रिव्यू में कहा कि, मुझे लगता है कि वह खतरनाक टीम है। मुझे लगता है कि केन विलियमसन मध्यक्रम को बहुत स्थिरता प्रदान करेंगे। आप जानते हैं, रचिन रविंद्र भी वहां खतरनाक खिलाड़ी हैं। उनके पास ऐसे खिलाड़ी हैं, जो पूरी तरह से टीम का समर्थन करते हैं। जरूरत पड़ने पर आगे आते हैं। आप जानते हैं कि उनके पास डेरिल मिचेल हैं। विल ओराउरकी काफी तेज गेंदबाजी करते हैं और आप जानते हैं कि ये उपयोगी साबित हो सकता है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने कहा कि, न्यूजीलैंड के पास ग्लेन फिलिप्स भी हैं। वह निचले क्रम में रन बनाते हैं और ऑफ स्पिन में बहुत उपयोगी साबित हो सकते हैं। ऐसे में आप जानते हैं कि उनके पास ये मल्टीटास्कर्स हैं जो एक टीम के रूप में बेहद उपयोगी हो सकते हैं, जब आप उन्हें बाहर से देखते हैं। आप जानते हैं वे एक इकाई के रूप में खेलते हैं। वे वास्तव में शिकार करते हैं और इसलिए वे खतरनाक हो सकते हैं।

शेड्यूल इस दिन होगा जारी, ईडन गार्डन में खेला जाएगा फाइनल मुकाबला

आईपीएल 2025 का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ये पहले ही तय हो चुका है कि आईपीएल 2025 की शुरुआत 21 मार्च से होगी, लेकिन अब तक आधिकारिक शेड्यूल सामने नहीं आया है। अब सामने आई रिपोर्ट में बताया गया है कि कब टूर्नामेंट का आधिकारिक शेड्यूल आएगा। इसके अलावा फाइनल वेन्यू पर भी बात हुई। स्पोर्ट्स तक में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक, करीब एक हफ्ते में बीसीसीआई की तरफसे आईपीएल के पूरे शेड्यूल का ऐलान कर दिया जाएगा। अब देखना दिलचस्प होगा कि बीसीसीआई की तरफसे टूर्नामेंट के 18वें सीजन के लिए शेड्यूल का ऐलान कब किया जाएगा। रिपोर्ट में बताया गया है कि टूर्नामेंट का फाइनल कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा। वहीं टूर्नामेंट के शुरुआती दो प्लेऑफहैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जाएंगे। फिर दूसरा प्लेऑफऔर फाइनल कोलकाता के ईडन गार्डन में होगा। इसके अलावा रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स की टीमें अपने दो घरेलू मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर खेलेगी। राजस्थान टीम अपने पांच होम मैच जयपुर के सवाई मानसिंग स्टेडियम में खेलेगी। वहीं बाकी के 2 घरेलू मैचों के लिए अभी वेन्यू तय होना बाकी है। वहीं दिल्ली अपने 2 घरेलू मुकाबले विजाग के एसीए-वीडीसीए स्टेडियम में खेल सकती है। दिल्ली ने पिछले सीजन भी अपने कुछ घरेलू मुकाबले इस मैदान पर खेले थे। बता दें कि, टूर्नामेंट के 18वें सीजन के लिए सऊदी अरब के जेद्दा शहर में मेगा ऑक्शन हुआ था। इस ऑक्शन में कुल 182 खिलाड़ियों पर बोली लगाई गई थी, जिसमें कुल 639.15 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। मेगा ऑक्शन 2 दिन तक चला था, जिसमें 10 टीमों ने हिस्सा लिया था।

इस दिन रवाना होगी टीम इंडिया, डेट और प्राइज मनी को लेकर जानें पूरी जानकारी

चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए काउंटडाउन शुरू हो गया है। पाकिस्तान और यूएई की मेजबानी में 19 फरवरी से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफअपने अभियान की शुरूआत करेगी। रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया टूर्नामेंट के अपने सभी मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेलेगी। जिसके लिए टीम जल्द ही दुबई के लिए रवाना होगी। दरअसल, टीम इंडिया के पाकिस्तान जाने से साफमना करने के बाद टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल पर खेला जा रहा है। ऐसे में रोहित ब्रिगेड दुबई में अपने मैच खेलेगी। फिलहाल टीम इंग्लैंड के खिलाफतीन मैचों की वनडे सीरीज में बिजी है, जिसे भारत ने अपने नाम कर लिया है। सीरीज का आखिरी मैच 12 फरवरी को अहमदाबाद में खेला जाएगा और सीरीज के आखिरी मैच के तीन दिन बाद टीम चौंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई के लिए रवाना होगी। स्पोर्ट्स तक के अनुसार भारतीय टीम चौंपियंस ट्रॉफी जीतने के इरादे से 15 फरवरी को मुंबई से दुबई के लिए उड़ान भरेगी। रवाना होने से पहले टीम प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेगी। वहीं टूर्नामेंट के प्राइज मनी को लेकर भी बड़ी जानकारी मिली है। आईसीसी 10 या 11 फरवरी को नई पुरस्कार राशि की घोषणा करेगा। आईसीसी जल्दी ही पाकिस्तान के स्टेडियम को अपने कंट्रोल में भी लेने वाला है। दरअसल, पाकिस्तान की टीम अभी लाहौर और कराची में न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के साथ त्रिकोणीय सीरीज खेल रही है। इस सीरीज की फाइनल मैच 14 फरवरी को कराची में खेला जाएगा। सीरीज खत्म होने के बाद ही आईसीसी पाकिस्तान के उन स्टेडियम को अपने कंट्रोल में ले लेगी, जहां चौंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले खेले जाने हैं।

रविंद्र जडेजा ने दिया जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर अपडेट, जानें क्या कहा?

चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज होने में अब बस 8 दिन शेष हैं। वहीं टीम इंडिया के लिए अभी सबसे बड़ी चिंता जसप्रीत बुमराह की फिटनेस है। बुमराह पिछले कुछ दिनों से बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में थे, जहां उन्होंने अपनी सारी जांच पूरी करवा ली हैं। अब रविंद्र जडेजा ने उनकी फिटनेस पर अपडेट दिया है। बता दें कि, जडेजा इंग्लैंड के खिलाफचल रही मौजूदा वनडे सीरीज की 2 पारियों में 6 विकेट चटका चुके हैं। कटक में भारत की इंग्लैंड के खिलाफ4 विकेट से जीत के बाद रविंद्र जडेजा ने पोस्ट मैच कॉन्फ्रेंस में कहा कि, ये बताना मेरा काम नहीं है, ये सब जानकारी मेडिकल डिपार्टमेंट जारी करेगा, उन्होंने बुमराह की फिटनेस पर नजर बनाई हुई है। उम्मीद करता हूं कि वो फिट हो जाएंगे। उनका फिट होने हमारे लिए बहुत बढ़िया होगा। ये केवल हमारी टीम के लिए ही नहीं पूरे देश की उम्मीदों के लिए अच्छा होगा। आपको बता दें कि जांच की रिपोर्ट्स को परखने के बाद ही बीसीसीआई जसप्रीत बुमराह को चौंपियंस ट्रॉफी में खिलाने पर फैसला लेगा। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 में भाग लेने वाले सभी 8 देश अपने-अपने स्क्वॉड की घोषणा कर चुके हैं। आईसीसी द्वारा जारी डेडलाइन अनुसार सभी 8 टीम 12 फरवरी तक अपने-अपने स्क्वॉड में बदलाव कर सकती हैं। इसलिए बीसीसीआी के लिए चिंता बढ़ गई है क्योंकि उसे बुमराह को अंतिम स्क्वॉड में शामिल करने पर फैसला अगले 2 दिन में ही लेना होगा।

पिछले 13 सालों में रोहित शर्मा ने किया ये कारनामा, कोहली-स्मिथ और जो रूट भी नहीं कर पाए ऐसा

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने बाराबती स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे में इंग्लैंड के खिलाफबेहतरीन पारी खेली।

पूर्व क्रिकेटर ने गौतम गंभीर पर साधा निशाना, कहा- आप जो केएल राहुल के साथ कर रहे हो वो ठीक नहीं...

टीम इंडिया ने भले ही इंग्लैंड के खिलाफजारी तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले दोनों मैच जीतकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। लेकिन टीम इंडिया के बैटिंग ऑर्डर को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। ओपनिंग से लेकर निचले क्रम तक बैटिंग ऑर्डर में काफी फेरबदल देखने को मिले।

चैंपियंस ट्रॉफी की भारतीय टीम में होगा बदलाव? अंतिम टीम सौंपने की समयसीमा हो रही खत्म

नई दिल्ली। चौंपियंस ट्रॉफी के लिए पिछले महीने घोषित हुई भारत की

15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में बुमराह का नाम शामिल था, लेकिन वह इंग्लैंड के खिलाफवनडे सीरीज में नहीं खेल पाए जो 19 फरवरी से शुरू हो रही चौंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत की अंतिम सीरीज है।

आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी के लिए आईसीसी को अंतिम टीम सौंपने की समयसीमा समाप्त हो रही है। टूर्नामेंट में शामिल सभी आठ टीमों को अपनी फाइनल 15 सदस्यीय टीम की सूची आईसीसी को सौंपनी है। टूर्नामेंट की शुरुआत 19 फरवरी से हो रही है और खिताब जीतने की प्रबल दावेदार भारतीय टीम तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की उपलब्धता को लेकर असमंजस में है। 15 सदस्यीय टीम में शामिल हैं बुमराह चौंपियंस ट्रॉफी के लिए पिछले महीने घोषित हुई भारत की 15 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में बुमराह का नाम शामिल था, लेकिन वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में नहीं खेल पाए जो 19 फरवरी से शुरू हो रही चौंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत की अंतिम सीरीज है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 2261 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा शहीदपथ लखनऊ 2268 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7952898656,9839177772 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।